www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक
शब्दवाणी समाचार
नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 289 नई दिल्ली, बुधवार, 12 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

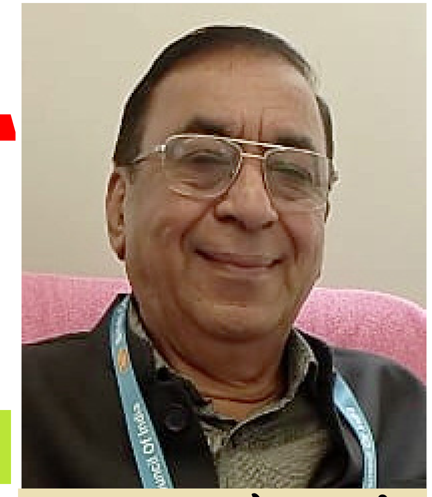

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

पश्चिम बंगाल एसआईआर मामले में हुई सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने हटाए गए नामों की जानकारी मांगी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में हटाए गए नामों से जुड़े मामलों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों के फैसलों की जानकारी देने को कहा है।

ये अपीलीय ट्रिब्यूनल उन लोगों की अर्जियों पर सुनवाई करते हैं, जिनके नाम बंगाल एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं।

कोई टाइमलाइन तय नहीं कर सकते

कोर्ट ने ट्रिब्यूनल की संख्या, काम के घंटे और मामलों के निपटारे की रफ्तार जैसे मुद्दों की जांच करने पर सहमति

- याचिकाकर्ता ने कहा ट्रिब्यूनल लोगों की अपीलों पर तेजी से फैसला नहीं कर रहे
- ट्रिब्यूनल में करीब 34 लाख अपील पेंडिंग

जताई। याचिकाकर्ता ने कहा कि ट्रिब्यूनल लोगों की अपीलों पर तेजी से फैसला नहीं कर रहे। कोर्ट ने कहा कि ट्रिब्यूनल में मामलों के निपटारे के लिए कोई टाइमलाइन तय नहीं कर सकते।

नेताजी की अस्थियां वापस लाने की याचिका पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 80 वर्षीया बेटी अनीता फफ की उस याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया जिसमें जापान में टोक्यो स्थित रेंकोजी मंदिर में 1945 से रखी नेताजी की अस्थियों को वापस लाने की मांग की गयी है। याचिका में कहा गया है कि अस्थियों को वापस लाकर नेताजी का पूरे सम्मान और गरिमा के साथ अंतिम संस्कार किया जाये ताकि उनका लंबा 'निर्वासन' आखिरकार समाप्त हो सके। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने ऑस्ट्रियाई-जर्मन अर्थशास्त्री एवं नेताजी की एकमात्र जीवित प्रत्यक्ष वंशज अनीता फफ की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है। सुश्री फफ के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पीठ को बताया कि नेताजी की बेटी उनकी अस्थियों को वापस देश में लाने के लिए अदालत में पहुंची हैं।

कोर्ट ने पूछा कितनी अपीलें दाखिल हुई

कोर्ट ने चुनाव आयोग से राज्य में एसआईआर से जुड़े मामलों में कितनी अपीलें दाखिल हुईं, कितनों पर फैसला हुआ और कितने मामले अभी लंबित हैं, इसकी जानकारी मांगी है। इससे यह साफ होगा कि वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के खिलाफ लोगों की ओर से दाखिल अपीलों पर ट्रिब्यूनल ने अब तक कितनी कार्रवाई की है। ट्रिब्यूनल में करीब 34 लाख अपील पेंडिंग हैं। कोर्ट ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। चौधरी ने एसआईआर से जुड़े मामलों का जल्द निपटारा कराने की मांग की थी।

रतन जगवानी बने सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया (उत्तर भारत) के क्षेत्रीय सचिव

समाज सेवा, समर्पण और सक्रिय सहभागिता को देखते हुए मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

सिंधी समाज की एकता, संगठन और सामाजिक उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया ने श्री रतन जगवानी को सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया (उत्तर भारत) का क्षेत्रीय सचिव मनोनीत किया है। यह मनोनयन संस्था की महत्वपूर्ण बैठक में किया गया। सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया के संस्थापक अध्यक्ष श्री सुरेश केशवानी एवं सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया (उत्तर भारत) के अध्यक्ष श्री अशोक लालवानी ने श्री रतन जगवानी की समाज के प्रति निष्ठा, सेवा-भावना, समर्पण, सक्रिय सहभागिता एवं सकारात्मक सोच को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा। सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया की ओर से जारी संदेश में कहा गया कि समाज सेवा के प्रति श्री जगवानी की निरंतर प्रतिबद्धता और उनके

उल्लेखनीय योगदान को सम्मान देते हुए उन्हें संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की गई है। उनके अनुभव, कार्यकुशलता और समर्पण से संगठन को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री रतन जगवानी अपने नए दायित्व का पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए सिंधी समाज की एकता, संगठन, भाषा-संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक प्रगति को नई गति प्रदान करेंगे। मनोनयन पर सिंधी समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने श्री रतन जगवानी को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व एवं सक्रिय भूमिका से उत्तर भारत में सिंधी समाज के सेवा एवं सामाजिक कार्यों का विस्तार होगा।

सार संक्षेप

अरुणाचल भारत का अभिन्न व अविभाज्य हिस्सा : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने अरुणाचल प्रदेश को अपना अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान ये बात कही। भारत ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में 27 जगहों के नाम बदल अपने आधिकारिक नक्शे में शामिल किया। इसके बाद चीन हमेशा की तरह बौखला गया और इसकी निंदा करता हुआ बयान जारी किया।

कोलंबिया भूकंप में मृतकों की संख्या बढ़कर 132 हुई

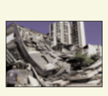

बोगोटा। कोलंबिया में आए विनाशकारी भूकंप के बाद अबतक कम से कम 132 लोगों की मौत हो गई है और 570 से अधिक लोग घायल हुए हैं। त्रासदी की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रपति एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने देश में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया है, जबकि राहत एवं बचाव दल ढही हुई इमारतों के मलबे से लोगों को निकालने में जुटे हुए हैं।

दुष्कर्म मामले में क्रिकेटर अभिषेक पोरेल की जमानत रद्द

हुबली। विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की मुश्किलें बढ़ती जी रही हैं। शादी का झांसा देकर रेप के आरोप से जुड़े मामले में अभिषेक मंगलवार को चिनसुराह की चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट में पेश हुए, जहां उनकी जमानत रद्द कर दी गई। कोर्ट ने बंगाल के क्रिकेटर को तीन दिन की पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है।

आईआरसीटीसी के तत्कालीन मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक को सजा

नई दिल्ली। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक अदालत ने आईआरसीटीसी के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी कृष्ण मोहन त्रिपाठी को आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी ठहराते हुए तीन साल कैद और 14.75 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

सरकार कंगाल हो चुकी, मंत्री-विधायक तक को नहीं मिल रही सैलरी : तेजस्वी

नेता प्रतिपक्ष दिल्ली रवाना, सपा प्रमुख से मिलेंगे

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मंगलवार को पटना से दिल्ली रवाना हो गए। दिल्ली में कांग्रेस नेता और सपा प्रमुख से मुलाकात करेंगे। इस दौरान छात्रों से जुड़े मुद्दों, महंगाई समेत कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर दोनों नेताओं के साथ चर्चा होगी। पटना एयरपोर्ट पर तेजस्वी ने बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी ने दावा किया कि पिछले 5-6 महीने से उन्हें वेतन नहीं मिल रहा था। जब उन्होंने मीडिया के सामने इस मुद्दे को उठाया, तब उनका वेतन मिलना शुरू हुआ।

तेजस्वी ने कहा कि मंत्रियों और विधायकों को भी वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि अगर सरकार चाहती है तो

उनका वेतन भी बंद कर दे, उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। आज सरकार को वेतन के मुद्दे पर चर्चा करनी पड़ रही है, यही सरकार के खजाने की स्थिति को बताता है।

तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार कंगाल हो चुकी है और सरकारी खजाना खाली हो गया है। कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा है। मदरसा शिक्षकों को भी वेतन नहीं मिलने का उन्होंने दावा किया। ठेकेदारों के भुगतान के लिए भी सरकार के पास पैसे नहीं हैं। आगे तेजस्वी ने बिहार में भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में भ्रष्टाचार पूरी तरह से पनप रहा है। कहीं भी जाइए, बिना पैसे के काम नहीं होता है और भ्रष्टाचार के मामलों में कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है कि बिहार में सरकार है भी या नहीं। अशोक चौधरी के इस बयान पर कि वित्तीय संकट 15 दिन से एक महीने में ठीक हो जाएगा, तेजस्वी यादव ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय संकट अगले चार साल में भी ठीक नहीं होगा।

तमिलनाडु विधानसभा में 'नीट' खत्म करने का प्रस्ताव पास

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पास किया, जिसमें केंद्र सरकार से अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए 'नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट' को खत्म करने की मांग की गई। इस प्रस्ताव के जरिए राज्य ने इस सेंट्रलाइज्ड एंट्रेंस एग्जाम के प्रति अपने लंबे समय से चले आ रहे विरोध को फिर से दोहराया। इस दौरान सदन में तीखी बहस देखने को मिली और भाजपा विधायक एम. भोजराजन ने प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए वोटिंग से ठीक पहले सदन से वॉकआउट कर दिया। राज्य के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार कल्याण मंत्री केजी अरुणराज ने सदन के पटल पर नीट विरोधी प्रस्ताव पेश किया।

महाराष्ट्र के पुणे में जबरन धर्मांतरण के आरोप में ब्रिटिश नागरिक के खिलाफ मामला दर्ज, जांच जारी

मुंबई, 11 अगस्त, (हि.स.)। महाराष्ट्र के पुणे जिला स्थित एक चर्च में प्रवचन के जरिए कथित तौर पर जबरन धर्मांतरण के प्रयास के मामले में एक ब्रिटिश नागरिक के खिलाफ खडक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की गहन छानबीन खडक पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

इस घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि संबंधित आरोपित मूल रूप से महाराष्ट्र का रहने वाला है, लेकिन फिलहाल उसके पास ब्रिटिश की नागरिकता है और वह भारत में नहीं रहता। पिछले कुछ दिनों से वह पुणे में रह रहा था और पुणे के गुरुवार पेठ स्थित एक चर्च में तीन दिन पहले प्रवचन तथा अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुआ था।

ब्रिटिश की नागरिकता वाले आरोपित पर आरोप लगाया है कि उसने इन धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए कथित तौर पर प्रलोभन दिया गया। शिकायत के बाद हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता खडक पुलिस स्टेशन पहुंचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी।

हेमंत सोरेन ने विधानसभा में भाजपा पर साधा निशाना

छात्रों का चोला पहनकर राजनीतिक स्वार्थ साधने में लगे भाजपाई

रांची, 11 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को विधानसभा में सरकार का रुख स्पष्ट किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि ये लोग गेरूआ पहनकर ढोंग तो करते ही हैं, अब इनकी पार्टी के लोग छात्रों का चोला पहनकर राजनीतिक स्वार्थ साधने में लगे हैं। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा और बैकलॉग परीक्षाओं को रद्द करने के लिए तैयार है। टीडीपीएल से जुड़ी परीक्षाओं की जांच भी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं की पूरी व्यवस्था में सुधार के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की विशेषज्ञता ली जाएगी। हेमंत सोरेन

- सरकार 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा व बैकलॉग परीक्षाओं को रद्द करने के लिए तैयार

अपने भाषण के दौरान विपक्ष पर हमलावर रहे। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग गेरूआ पहनकर ढोंग तो करते ही हैं, अब इनकी पार्टी के लोग छात्र का चोला पहनकर राजनीतिक स्वार्थ साधने में लगे हैं।

पुलिस ने संयम का परिचय दिया

मुख्यमंत्री ने अपने भाषण मे सोमवार को हुए विधानसभा घेराव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान प्रशासन और पुलिस ने संयम का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा, लोकसभा और विधान परिषद जैसे संवैधानिक संस्थानों के आसपास सुरक्षा कारणों से प्रतिबंध लागू रहते हैं। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी विधानसभा परिसर के करीब तक पहुंचे।

उन्होंने विपक्षियों पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री हेमंत के भाषण के दौरान विपक्षी सदस्यों ने लगातार नारेबाजी की और सदन में हंगामा जारी रखा।

सरकार ने 10 व 20 रुपए के 2 अरब नोटों को दी मंजूरी

पॉलीमर नोटों का ट्रायल जल्द हो सकता है शुरू

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में मुद्रा प्रणाली को अधिक टिकाऊ और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने 10 रुपए और 20 रुपए के पॉलीमर बैंक नोटों के फील्ड ट्रायल को मंजूरी दे दी है। मंगलवार को संसद को दी गई जानकारी के अनुसार, सरकार ने दोनों मूल्यवर्गों में एक-एक अरब (100 करोड़) पॉलीमर नोट जारी करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक

(आरबीआई) ने अपने केंद्रीय निदेशक मंडल की सिफारिश के आधार पर आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। इस प्रस्ताव में फील्ड ट्रायल के बाद सफल परिणाम मिलने पर इन मूल्यवर्गों में पॉलीमर नोटों को नियमित रूप से जारी करने की भी योजना शामिल है। वित्त मंत्री ने कहा, 'सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

दुनिया के कई देशों में उपयोग किया जा रहा

पॉलीमर बैंक नोट विशेष प्रकार के प्लास्टिक आधारित पदार्थ से बनाए जाते हैं। ये पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में अधिक टिकाऊ होते हैं और नमी, धूल तथा सामान्य घिसावट का बेहतर सामना कर सकते हैं। दुनिया के कई देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन में पहले से ही पॉलीमर नोटों का उपयोग किया जा रहा है। पॉलीमर नोटों की आयु कागजी नोटों की तुलना में अधिक होती है, जिससे बार-बार नोट छापने की आवश्यकता कम होती है। इसके अलावा इनमें उन्नत सुरक्षा विशेषताएं जोड़ना भी आसान होता है, जिससे नकली नोटों पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है।

सीरिया में पूर्व राष्ट्रपति असद को फांसी की सजा

दमिश्क, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सीरिया की एक अदालत ने मंगलवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनके छोटे भाई माहेर अल-असद को फांसी की सजा सुनाई। दोनों को गृहयुद्ध के दौरान लाखों लोगों की हत्या और अत्याचार के मामलों में दोषी ठहराया गया। इसी मामले में बशर अल-असद के मामा के बेटे अतीफ नजीब को भी फांसी की सजा सुनाई गई। बशर और माहेर दिसंबर 2024 में सरकार गिरने के बाद रूस भाग गए

- लाखों लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराया गया

थे। पुतिन सरकार ने उन्हें शरण दी हुई है। दोनों की गैरमौजूदगी में सजा सुनाई गई। अतीफ नजीब को जनवरी 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें मंगलवार को कैदी की वर्दी पहनाकर पिंजरे में कोर्ट लाया गया।

विरोध प्रदर्शनों में करीब 5 लाख लोगों की मौत हुई थी

अतीफ नजीब सीरियाई सेना में ब्रिगेडियर जनरल रह चुके हैं। 2011 में वे दारा प्रांत में राजनीतिक सुरक्षा शाखा के प्रमुख थे। अतीफ पर आरोप है कि उन्होंने प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने का आदेश दिया था। आदेश के बाद सीरिया में विरोध प्रदर्शन और उग्र हो गया। देश में गृहयुद्ध शुरू हो गया जो 2024 तक चलता रहा। इसमें करीब 5 लाख लोगों की मौत हुई।

पीएम मोदी ने देशवासियों से की अपील

तिरंगा अभियान में शामिल हों

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान को उत्सव के रूप में मनाने की अपील की है।

पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, 'आइए, हर घर तिरंगा को हर घर में एक उत्सव के रूप में मनाएं।' आइए 15 अगस्त को आन-बान-शान से मनाएं, स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें और विकसित भारत का संकल्प लें।' देशवासियों से अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा, हर मन तिरंगा। आइए, हर घर पर तिरंगा लहराइए।' पीएम मोदी द्वारा शेयर वीडियो में गृह मंत्री अमित शाह, मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ एनडीए के नेता दिखाई दिए।

पीएम आवास में 6.32 लाख पात्र परिवार वंचित, जल जीवन मिशन की 72 प्रतिशत योजनाएं अधूरी : कैग

रांची, 11 अगस्त (हि.स.)। झारखंड में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और वित्तीय प्रबंधन को लेकर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में गंभीर खामियां सामने आई हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के लिए उपलब्ध राशि का राज्य सरकार पांच वर्षों में महज 70 प्रतिशत ही खर्च कर सकी। लाभुकों की सूची तैयार करने में हुई देरी के कारण 6.32 लाख पात्र परिवार योजना से बाहर रह गए। वहीं, जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत 98,067 योजनाओं में से दिसंबर 2024 तक सिर्फ 27,294 योजनाएं पूरी हो सकीं। यानी 72 प्रतिशत योजनाएं अधूरी रहीं। ये तथ्य मंगलवार को प्रधान महालेखाकार इंदु अग्रवाल की ओर से डोरंडा स्थित कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सामने आए। विधानसभा के मानसून सत्र में पेश सीएजी की रिपोर्ट में भी इन बिंदुओं का उल्लेख किया गया है। पीएम आवास योजना में 2.90 लाख अपात्र लाभुक सीएजी ने पीएमएवाई-जी की स्थिति का आकलन करने के लिए बोकारो, दुमका, गिरिडीह, पलामू, रामगढ़ और सिमडेगा छह जिलों का नमूना ऑडिट किया। इन जिलों के 12 प्रखंडों और 60 ग्राम पंचायतों में योजना से संबंधित दस्तावेजों की जांच की गयी। रिपोर्ट के अनुसार, सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना-2011 के आंकड़ों के आधार पर राज्य में 19.28 लाख परिवार बेघर, कच्चे या जर्जर मकानों में रह रहे थे। इनमें से योजना के निर्धारित मानकों के आधार पर 14.88 लाख परिवार पात्र नहीं पाए गए। ऑडिट में यह भी पाया गया कि 2.90 लाख ऐसे लोगों को पीएम आवास योजना की सूची में शामिल कर लिया गया, जिन्हें योजना का लाभ नहीं मिलना चाहिए था। बाद में ग्रामसभा ने ऐसे लोगों को सूची से हटा दिया। नमूना जांच के लिए चुनी गयी 60 ग्राम पंचायतों में किसी के पास स्थायी प्रतीक्षा सूची तैयार करने से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले। वर्ष 2016 से नवंबर 2022 के बीच 22.34 लाख पात्र परिवारों की सूची तैयार की गयी थी, लेकिन उसमें भी कई तरह की त्रुटियां पायी गयीं। सूची में देरी से 6.32 लाख परिवार बाहर सीएजी के अनुसार, लाभुकों की सूची को अंतिम रूप देने में करीब दो वर्ष की देरी हुई। इसके कारण केंद्र सरकार ने 22.34 लाख के बजाय सिर्फ 16.02 लाख आवास ही आवंटित किए। इस तरह 6.32 लाख परिवार यानी करीब 28 प्रतिशत पात्र परिवार योजना में शामिल नहीं हो सके।

संक्षिप्त समाचार

कथित चावल घोटाले पर आआपा का विधानसभा परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली, 11 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली में कथित चावल घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायकों ने मंगलवार को विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया। आआपा विधायकों ने परिसर में चावल की दुकान लगाकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। आआपा विधायकों ने आरोप लगाया कि मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से असम स्थित एक कॉरपोरेशन को सब्सिडी वाला चावल उपलब्ध कराने की सिफारिश की गई थी। आरोप है कि यह चावल दिल्ली के गरीब और प्रवासी लोगों में वितरित किया जाना था, लेकिन इसे हरियाणा की एक निजी कंपनी को खुले बाजार में बेच दिया गया। विधानसभा परिसर में प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विधायक बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने आरोप लगाया कि गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले सब्सिडी वाले चावल की खरीद और वितरण व्यवस्था में करीब 22 हजार करोड़ रुपये के घोटाले की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि जिस चावल पर गरीबों का अधिकार है, उसे निजी लाभ और कमीशन का माध्यम बनाने की कोशिश गंभीर मामला है। संजीव झा ने कहा कि विपक्ष इस मामले को विधानसभा से लेकर सड़क तक उठाता रहेगा और सरकार से जवाब मांगा जाएगा। विधानसभा की कार्यवाही को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सदन में जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय सरकार की प्रशंसा में समय बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष पहले दवा और साइकिल से जुड़े कथित घोटालों के मुद्दे उठा चुका है और अब चावल वितरण से जुड़े मामले में जवाब मांग रहा है। आआपा विधायकों ने आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने, पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करने और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को पद से हटाने की मांग की।

विधानसभा में नागरिकों को समय पर सेवाएं देने वाला विधेयक पास

नई दिल्ली, 11 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को द्यदिल्ली (नागरिकों का समय पर और आसानी से सेवाएं पाने का अधिकार) विधेयक, 2026 विधानसभा में चर्चा के बाद पास हो गया। इस दौरान विपक्ष के केवल एक सदस्य (अनिल झा) ही मौजूद रहें। इसे विधेयक को दिल्ली के आईटी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने विधानसभा में चर्चा के लिए पेश किया। आईटी मंत्री ने बताया कि प्रस्तावित कानून का उद्देश्य दिल्लीवासियों को सरकारी सेवाएं तय समय-सीमा में, पारदर्शी और बिना अनावश्यक भागदौड़ के उपलब्ध कराना है। यह विधेयक वर्ष 2011 के कानून का स्थान लेगा। विधेयक के तहत प्रत्येक नागरिक को निर्धारित समय-सीमा में सरकारी सेवा प्राप्त करने का कानूनी अधिकार मिलेगा। आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह अधिक डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक आवेदन को यूनिक एप्लीकेशन नंबर दिया जाएगा, जिससे नागरिक घर बैठे अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक कर सकेंगे। निर्धारित समय में सेवा न मिलने पर आवेदन स्वतः वरिष्ठ अधिकारी के पास ऑटो-एस्केलेशन के माध्यम से पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि नए प्रावधानों के तहत बिना उचित कारण सेवा में देरी करने या गलत तरीके से आवेदन खारिज करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। संबंधित अधिकारी पर 250 रुपये प्रतिदिन का जुमार्ना, अधिकतम 5,000 रुपये तक लगाया जा सकेगा। गलत तरीके से आवेदन अस्वीकार करने पर भी 250 रुपये से 5,000 रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है और यह राशि संबंधित अधिकारी और जमाने के तौर पर लगेगा। कार्रवाई से पहले अधिकारी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाएगा। विधेयक के तहत प्रथम स्तर पर शिकायत का निवारण संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा अधिकतम 30 दिनों में किया जाएगा। इसके बाद नागरिक दिल्ली राइट टू सर्विस कमीशन में दूसरी अपील कर सकेगा। प्रस्तावित कमीशन को सरकारी कार्यालयों के निरीक्षण, रिकॉर्ड की जांच, समन जारी करने और लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की सिफारिश करने जैसी शक्तियां दी जाएंगी। यह कानून पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में लागू होगा और दिल्ली सरकार के नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली पालिक परिषद, दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली विकास प्राधिकरण सहित अधिसूचित स्थानीय निकायों एवं संस्थाओं की निर्धारित सेवाओं पर लागू होगा। चर्चा के दौरान विपक्ष पर जोरदार हमला करते हुए डा. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि जिन लोगों ने 11 सालों तक दिल्ली पर शासन किया और बुनियादी नागरिक और प्रशासनिक समस्याओं का समाधान करने में नाकाम रहे, उन्हें सिस्टम में सुधार लाने की हमारी सरकार की कोशिशों पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का रिकॉर्ड रहा है कि न तो उसने खुद काम किया और न ही दूसरों को काम करने दिया है। अब विपक्ष मौजूदा सरकार पर राजनीतिक आरोप लगाकर अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। इस विधेयक की अहमियत बताते हुए आईटी मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का मकसद बिल्कुल साफ है- नागरिकों को उन सेवाओं को पाने के लिए एक सरकारी दफ़्तर से दूसरे दफ़्तर के चक्कर नहीं काटने पड़ें, जिन पर उनका अधिकार हैं। नए सिस्टम के तहत नोटिफाई की गई सरकारी सेवाएं तय समय-सीमा के प्रदान करनी होंगी। नागरिक 'यूनिक एप्लीकेशन नंबर' के जरिए डिजिटल रूप से आवेदन कर सकेंगे और अपने आवेदन को घर बैठे ट्रैक भी कर सकेंगे। अगर कोई सेवा तय समय-सीमा के अंदर नहीं प्रदान की जाती है, तो सिस्टम में ऑटो-एस्केलेशन की ऐसी व्यवस्था होगी कि मामला अपने-आप सीनियर अधिकारी के पास चला जाए। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में अपील करने का एक व्यवस्थित तरीका भी बताया गया है, जिसके तहत शिकायतों पर सबसे पहले एक सीनियर अधिकारी विचार करेगा और उसके बाद दिल्ली राइट टू सर्विस कमीशन के समक्ष दूसरी अपील की जा सकेगी। आईटी मंत्री ने कहा कि यह कानून एक ऐसे सिस्टम से एक ऐसे सिस्टम की तरफ बुनियादी बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें नागरिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे और अब सरकारी सिस्टम नागरिकों के प्रति जवाबदेह होगा। उन्होंने कहा कि फाइल एक टेबल से दूसरी टेबल पर घूमती नहीं रहेगी। सर्विस एक तय समय-सीमा के अंदर पूरी होगी। नागरिक को इधर-उधर भागना नहीं पड़ेगा। सिस्टम को जवाब देना होगा। देरी छिपी नहीं रहेगी। ऑटो-एस्केलेशन होगा, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर काम की जवाबदेही तय की जाएगी। डा. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यह विधेयक सिर्फ एक प्रशासनिक सुधार मात्र नहीं है, बल्कि नागरिक और सरकार के बीच भरोसे के रिश्ते को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

महापौर ने प्रशांत विहार स्थित निगम प्रतिभा विद्यालय में बाल वाटिका का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, **11 अगस्त (हि.स.)।** दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने मंगलवार को उत्तर पश्चिम दिल्ली के प्रशांत विहार बी-ब्लॉक में स्थित निगम प्रतिभा विद्यालय में बाल वाटिका का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम क्षेत्र की उपनिदेशक (शिक्षा) राजकुमारी, विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली नगर निगम अपने विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को उत्कृष्ट संसाधन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निगम विद्यालय में छात्रों को सीखने के अच्छे अवसर प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक संसाधनों से सुसज्जित बाल वाटिका निगम विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए सीखने के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। साथ ही महापौर प्रवेश वाही ने आज रोहिणी सेक्टर-9 में एरोबिन का भी लोकार्पण किया। यह एरोबिन संपूर्णा एनजीओ की सहायता से स्थापित किए गए हैं। इस अवसर पर संपूर्णा की अध्यक्षा शोभा विजेंद्र भी उपस्थित रही।

सीएजी रिपोर्टों ने खोली आआपा सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन और अनियमितताओं की परतें : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 11 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के मॉनसून सत्र के अंतिम दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सदन में प्रस्तुत सीएजी रिपोर्टों पर चर्चा के दौरान पिछली सरकार के कार्यकाल में सामने आई वित्तीय अनियमितताओं, योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और सरकारी व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी को लेकर गंभीर सवाल उठाए। वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद लंबित सीएजी रिपोट्र्स को सदन में प्रस्तुत किया गया है और अपने लगभग डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में 19 सीएजी रिपोट्र्स विधानसभा में रखी जा चुकी हैं। इन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और पब्लिक अकाऊंट्स कमेटी (पीएसी) भी इनका संज्ञान ले रही है।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने किसी भी सेक्टर या विभाग को नहीं छोड़ा। हेल्थ के क्षेत्र में उनके कार्यकाल से जुड़े मामले सामने आए, एजुकेशन के क्षेत्र में गड़बड़ियों की बात सामने आई, विज्ञापन और सब्सिडी से जुड़े विषय सामने आए। इसी प्रकार दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी सहित विभिन्न विभागों में भी अनियमितताओं के मामले सामने आए। स्थिति यह थी कि टेंडर से लेकर सब्सिडी देने तक सभी में गड़बड़ी पाई गई। यह घोटालों की सरकार थी और इस दौरान जनता परेशान होती रही, लेकिन उसे कोई राहत नहीं मिली। मुख्यमंत्री ने सीएजी रिपोट्र्स से जुड़े एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू का उल्लेख करते हुए कहा कि विधायकों ने रिपोट्र्स के कई विषयों पर चर्चा की, लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि पिछली सरकार के पास फंड उपलब्ध था, लेकिन उस फंड का भी पूरा उपयोग नहीं किया गया। उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 के फाइनेंशियल बजट का उदाहरण देते हुए कहा कि उस वर्ष 80,798 करोड़ रुपये का बजट था, लेकिन वास्तविक खर्च कितना हुआ, यह विचार करने का विषय है। कुल बजट में से मात्र लगभग 61,000 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए, यानी सरकार के पास उपलब्ध पूरा फंड भी जनता के हित में खर्च नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से दिल्ली को सब्सिडी और ग्रांट-इन-एड भी मिलती थीं, लेकिन उनका भी अपेक्षित उपयोग नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार को न तो यमुना की सफाई से कोई मतलब था, न कूड़े के पहाड़ हटाने से, न ही दिल्ली की सड़कों को बेहतर बनाने से। प्रदूषण की समस्या भी बनी रही, लेकिन इन विषयों पर कोई प्रभावी जवाबदेही नहीं दिखाई गई। पिछली सरकार के कार्यकाल में पांच साल का चुनावी कार्यकाल समाप्त होने के बाद जनता से फिर कहा जाता था कि एक और पांच साल का मौका दे दीजिए। वादे लगातार किए गए, लेकिन काम अपेक्षा के अनुरूप नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कहा कि पिछली सरकार की नीयत में ही खोट था। इसका प्रमाण इस बात से मिलता है कि कुल 32 ऐसी योजनाएं थीं, जिनके लिए 1,517 करोड़ रुपये से अधिक का व्यय प्रस्तावित किया गया था। इन योजनाओं को बजट में शामिल किया गया, उनका ऐलान किया गया, लेकिन जब वास्तविक परिणाम सामने आने का समय आया तो इन योजनाओं पर एक भी रुपया खर्च नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने दिल्ली मेट्रो के लोन का उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली में मेट्रो आज जीवन का अभिन्न हिस्सा है। केंद्र सरकार लगातार मेट्रो के निर्माण का काम करती रही, लेकिन दिल्ली सरकार ने अपना हिस्सा समय पर नहीं दिया। बजट में फंड उपलब्ध होने के बावजूद उसका उपयोग नहीं किया गया। पीएम आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से 150 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए थे ताकि दिल्ली में आयुष्मान केंद्र खोले जा सकें और दिल्ली की जनता के आयुष्मान कार्ड बनाए जा सकें। उन्होंने कहा कि स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के लिए 40 करोड़ रुपये की ग्रांट इन ऐड उपलब्ध थी, लेकिन उस पर जीरो एक्सपेंडिचर हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी के लिए भी 39 करोड़ रुपये की ग्रांट इन ऐड उपलब्ध थी, लेकिन उसका भी उपयोग नहीं किया गया। इसके अलावा 34 अन्य योजनाएं ऐसी थीं, जिनके लिए 2,961 करोड़ रुपये की स्वीकृति ले ली गई थी लेकिन आखिरी दिन तक वह फंड खर्च नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के पैसे से जुड़े जीएसटी रिफंड के मामले में भी पिछली सरकार का रवैया संतोषजनक नहीं था। उन्होंने आंकड़े देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में जीएसटी रिफंड मात्र 695 करोड़ रुपये था। वर्तमान सरकार के आने के बाद वित्त वर्ष 2025-26 में 1,313 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड दिया गया। उन्होने कहा कि लगभग 19,973 करोड़ रुपये की योजनाओं से संबंधित 1,734 यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट्स लंबित थे, जबकि इनमें से मात्र 482 यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट्स ही सबमिट किए गए। यह स्थिति सरकारी खर्च में पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। मुख्यमंत्री ने बिजली कंपनियों की रेगुलेटरी एसेट से जुड़े मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद बिजली के टैरिफ में वृद्धि नहीं हुई, जिसके कारण बिजली की खरीद और वितरण से होने वाली वास्तविक आय के बीच अंतर बढ़ता गया। यही अंतर धीरे-धीरे रेगुलेटरी एसेट के रूप में जमा होता गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2019-20 में यह रेगुलेटरी एसेट करीब 9,000 करोड़ रुपये थी। इसके बाद यह बढ़कर 27,200 करोड़ रुपये हो गई और वर्तमान में यह अंतर लगभग 38,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।

मुख्यमंत्री ने टेंडर प्रक्रिया में सामने आई अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि 530 करोड़ रुपये की कुल राशि के 45 टेंडर एक ही पैन कार्ड से किए गए।

दिल्ली विधानसभा में तिरंगा यात्रा का आयोजन, विजेंद्र गुप्ता - तिरंगा हमारे लोकतंत्र की जीवंत धड़कन

नई दिल्ली, 11 अगस्त (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत दिल्ली विधानसभा परिसर में मंगलवार को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। दिल्ली विधानसभा परिसर में आयोजित 'तिरंगा यात्रा' में हिस्सा लेते हुए अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं है, यह हमारे लोकतंत्र की जीवंत धड़कन है और हर भारतीय को हमारे संविधान के आदर्शों से जोड़ने वाला पवित्र सूत्र है।

इस तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, पंकज कुमार सिंह, रविंदर इंद्राज सिंह, चीफ व्हिप अभय वर्मा और विधायकों शामिल हुए। विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा से शुरू होकर डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा पर संपन्न हुई यह यात्रा राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक सम्मान का एक सशक्त प्रतीक बनी।

अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने राष्ट्रपिता से लेकर भारतीय संविधान के मुख्य निमार्ता तक मार्च करने के गहरे प्रतीकात्मक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा परिसर के भीतर का यह मार्ग आजादी से लेकर संवैधानिक शासन तक भारत की यात्रा को दशार्ता है और उन मूल्यों को सुदृढ़ करता है जो राज्य की लोकतांत्रिक संस्थाओं का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में लोकतंत्र के मंदिर के रूप में, विधानसभा पर सभी नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को बढ़ावा देने की गंभीर जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं है, बल्कि हमारी सभ्यता के गौरव का प्रतीक, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की तपस्या और बलिदान की स्मृति तथा 140 करोड़ भारतीयों की एकता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि यह हमें उन अनगिनत नायकों के बलिदान की याद दिलाता है जिनके संघर्ष और समर्पण ने देश को आजादी दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के इस उत्सव पर न केवल तिरंगा फहराना आवश्यक है, बल्कि अपने शहर और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का संकल्प लेना भी जरूरी है। उन्होंने दिल्ली के निवासियों से अपील की कि वे अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और 'हर घर तिरंगा' के संकल्प के तहत आजादी के इस उत्सव को एक जन-आंदोलन में बदल दें।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तिरंगे से जुड़ना न केवल राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना है, बल्कि अपने कर्तव्यों, ज़िम्मेदारियों और देश की एकता के प्रति हमारे संकल्प को मजबूत करना भी है।

मंत्री सूद ने 2020 दंगों को लेकर आआपा को घेरा, बोले- देश की छवि पहुंचाया नुकसान

नई दिल्ली, 11 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेतृत्व पर वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के पीछे की गहरी साजिश को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए हमला बोला। विधानसभा में बोलते हुए आशीष सूद ने कहा कि हिंसा को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि आआपा के कई वरिष्ठ नेताओं (विधायक अमानतुल्लाह खान, सांसद संजय सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शामिल हैं) ने पूर्व आआपा पार्षद ताहिर हुसैन का बार-बार बचाव किया और उसे राजनीतिक संरक्षण देने का प्रयास किया। ताहिर हुसैन को इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा (26) की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। आशीष सूद ने आआपा के नेताओं के कथित विरोधाभासी बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि केजरीवाल ने कहा था कि यदि आआपा का कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है, तो उसे दोगुनी सजा मिलनी चाहिए। लेकिन 8 मार्च 2020 को आआपा विधायक अमानतुल्लाह खान ने सार्वजनिक रूप से ताहिर हुसैन का बचाव करते हुए कहा था कि द्यहुसैन को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह मुस्लिम है। शायद आज भारत में सबसे बड़ा अपराध मुस्लिम होना है। एक तरफ दोगुनी सजा की बात और दूसरी तरफ पीड़ित होने का कार्ड—यह कैसा दोहरा मापदंड है? सूद ने दिसंबर 2019 से फरवरी 2020 तक की घटनाओं का विस्तृत क्रम विधानसभा के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि शरजील इमाम और उमर खालिद के भाषणों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा का स्पष्ट उल्लेख किया गया था और भीड़ को लामबंद कर सड़कों को जाम करने तथा चक्का जाम की अपील की गई थी। दोनों पर दंगा मामलों में आरोप हैं। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान भारत की राजधानी पर केंद्रित था, उस समय देश के भीतर संकट पैदा करने की कोशिश की गई। सूद ने हिंसा और घटनाक्रम की समयरेखा सदन में बताई। उन्होंने कहा कि 22-23 फरवरी को जाफराबाद मेट्रो स्टेशन के पास विरोध-प्रदर्शन और सड़क अवरोध शुरू हुए, जिसके बाद मौजपुर-जाफराबाद क्षेत्र में झड़पें हुईं।

कुलजीत सिंह चहल ने कनॉट प्लेस में हर घर तिरंगा कला प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 11 अगस्त (हि.स.)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने मंगलवार को कनॉट प्लेस स्थित जनपथ सबवे आर्ट गैलरी में द्यहर घर तिरंगा 2026 कला प्रदर्शनी एवं लाइव पेंटिंग कार्यशाला का उद्घाटन किया। नव सिद्धार्थ आर्ट ग्रुप के सहयोग से आयोजित यह प्रदर्शनी 20 अगस्त तक आम लोगों के लिए खुली रहेगी।

इस अवसर पर एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 10 दिवसीय प्रदर्शनी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर तिरंगा अभियान से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जागरूकता, राष्ट्रीय गर्व और जनभागीदारी से भी होगा।

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में 50 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। इनमें तिरंगे के रंगों के साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्रीय एकता, विविधता और देशभक्ति की भावना को चित्रित किया गया है। प्रदर्शनी का विषय कला, अभिव्यक्ति और देशभक्ति रखा गया है।

चहल ने कहा कि कलाकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज से जुड़ी भावनाओं और आत्मविश्वासी, जीवंत तथा एकजुट भारत की भावना को अभिव्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना एनडीएमसी के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण लाइव पेंटिंग कार्यशाला है। इसमें कलाकार तिरंगे के रंगों केसरिया, सफेद, हरा और अशोक चक्र के नीले रंग का उपयोग कर देशभक्ति पर आधारित चित्र तैयार करेंगे। चहल ने कहा कि यह प्रस्तुति एकता, स्वतंत्रता और भारत की सामूहिक भावना की कलात्मक अभिव्यक्ति होगी।

युवा कलाकारों से संवाद के दौरान चहल ने उन्हें विकसित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भारत का रचनात्मक दूत बताया। उन्होंने विद्यार्थियों, युवा कलाकारों और कला प्रेमियों से ऐसी पहलों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच नई प्रतिभाओं को पहचान दिलाने के साथ युवाओं को देश की विरासत, मूल्यों और राष्ट्रीय भावना से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चहल ने कहा, तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक गर्व, आकांक्षाओं और एकता का प्रतीक है।

दिल्ली में 1 जनवरी 2025 तक बनी झुग्गियों का होगा पुनर्वास, मिलेंगे पक्के मकान

नई दिल्ली, 11 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (संशोधन) विधेयक, 2026 पास हो गया।

इसमें पुनर्वास के लिए पात्रता तिथि 1 जनवरी 2006 से बढ़ाकर 1 जनवरी 2025 की गई है। यह दिल्ली के अधिक से अधिक झुग्गीवासियों को पुनर्वास का लाभ देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

दिल्ली के शहरी मंत्री आशीष सूद ने विधानसभा में कहा कि अब जेजे बस्तियों में रहने वाले अधिक परिवारों को मिलेगा सम्मानजनक आवास और बेहतर भविष्य का अधिकार है।

दिल्ली की विभिन्न जेजे बस्तियों में रहने वाले लगभग 4 से 5 लाख परिवारों यानी लगभग 20 लाख लोगों

के लिए पक्के घर मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। सूद ने कहा पात्र परिवारों को सभी आवश्यक नागरिक सुविधाओं से युक्त बहुमंजिला फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे।

सरकार का प्रयास है कि जहां झुग्गी, वहीं मकान के संकल्प के अनुरूप पात्र परिवारों का पुनर्वास यथासंभव उनकी बस्ती या उसके आसपास किया जाए।

मंत्री ने कहा कि सरकार केवल मकान उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नई पुनर्वास कॉलोनियों में बेहतर जीवन के लिए सभी आवश्यक सामाजिक एवं नागरिक सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी।

इन कॉलोनियों में आंगनवाड़ी केंद्र, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, बच्चों के खेलने के मैदान और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के समन्वित प्रयासों से झुग्गीवासियों के जीवन में व्यापक सकारात्मक बदलाव आएगा। सरकार पीपीपी मॉडल के माध्यम से पुनर्वास कार्यों को मिशन मोड में आगे बढ़ाएगी।

भविष्यफल

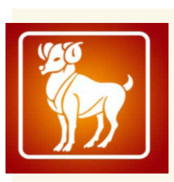

मेष- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

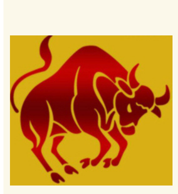

वृष- जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तक-कुंतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

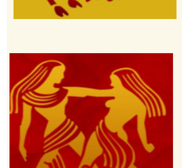

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

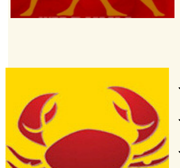

कर्क- किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह- भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

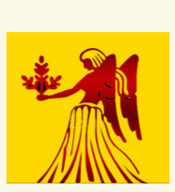

कन्या- शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला- जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवासए मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपये पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक- स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

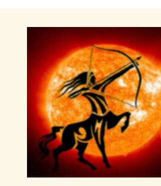

धनु- बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-5-6-8

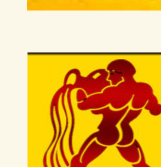

कुंभ- महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शु भांक-6-8-9

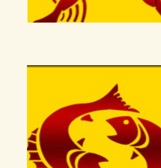

मीन- शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

चांद पर घर बसाने नासा ने इसरो को मून बेस प्रोग्राम में शामिल होने का दिया न्योता

इसे चांद पर मानवता का पहला स्थायी आधार केंद्र स्थापित करने की दिशा में माना जा रहा अहम कदम, भविष्य में मंगल ग्रह पर भी बस्ती बसाने की तैयारी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष सहयोग को नई दिशा मिलने जा रही है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो को अपने महत्वाकांक्षी मून बेस प्रोग्राम में शामिल होने का न्योता दिया है। इसे चांद पर मानवता का पहला स्थायी आधार केंद्र स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। अमेरिका के मुताबिक, प्रस्तावित मून बेस से चंद्रमा पर वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा और भविष्य में मंगल ग्रह पर मानव मिशन की तैयारियों में भी मदद मिलेगी।

भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि मानवता की अगली बड़ी छलांग की शुरुआत हो चुकी है। दूतावास ने मून बेस से संबंधित एक ट्रेलर भी जारी किया और जल्द बड़ी घोषणा के संकेत दिए। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी इस पहल की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि नासा ने इसरो को मून बेस प्रोग्राम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इससे दोनों देशों के बीच भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों में सहयोग और मजबूत होने की उम्मीद है।

बेंगलुरु में हुई अहम बैठक

यह घोषणा भारत-अमेरिका नागरिक अंतरिक्ष संयुक्त कार्य समूह की नौवीं बैठक के बाद हुई। बैठक 5 और 6 अगस्त 2026 को बेंगलुरु स्थित इसरो मुख्यालय में हुई। इसमें दोनों देशों ने नागरिक और वाणिज्यिक अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाने के साथ भविष्य के वैज्ञानिक अनुसंधान, मानव अंतरिक्ष उड़ान और संबंधित तकनीकों पर मिलकर काम करने के मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के उद्घाटन सत्र को इसरो के अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन और अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने संबोधित किया। दोनों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत-अमेरिका सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया। भारतीय पक्ष की ओर से इसरो के यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर के निदेशक एम. शंकरन ने बैठक की सह-अध्यक्षता की। अमेरिकी पक्ष की ओर से महासागरों, अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण और वैज्ञानिक मामलों के सहायक विदेश मंत्री डॉ. वेस्ली ब्रूक्स तथा नासा की अंतरराष्ट्रीय एवं अंतर-एजेंसी संबंधों की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर कैथलीन करिका ने सह-अध्यक्षता की।

आर्टेमिस समझौते से बढ़ेगा सहयोग

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष सहयोग को आर्टेमिस समझौते के तहत भी आगे बढ़ाया जा रहा है। दोनों देशों ने वैज्ञानिक आंकड़ों को खुले तौर पर साझा करने की संभावनाओं पर बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है। बैठक में इंडिया-यूएस ट्रांसफॉर्मिंग द रिलेशनशिप यूटिलाइजिंग स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजी यानी ट्रस्ट पहल के तहत नागरिक और वाणिज्यिक अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। यह सहयोग फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जारी संयुक्त नेताओं के बयान के अनुरूप आगे बढ़ाया जा रहा है।

निसार मिशन के बाद नई तैयारी

भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष सफलतापूर्वक प्रक्षेपित नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार यानी निसार मिशन के बाद अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग और बढ़ाने पर भी चर्चा की। दोनों देशों ने भविष्य में वैज्ञानिक अनुसंधान, मानव अंतरिक्ष उड़ान और उससे जुड़ी तकनीकों पर संयुक्त रूप से काम करने की संभावनाओं पर विचार किया। इसके अलावा, बाहरी अंतरिक्ष गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता से जुड़े संयुक्त राष्ट्र के शांतिपूर्ण बाह्य अंतरिक्ष उपयोग संबंधी दिशा-निर्देशों को आगे बढ़ाने पर भी सहमति बनी। बैठक में संयुक्त राष्ट्र की संबंधित समिति को अधिक प्रभावी बनाने के लिए चल रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की समीक्षा की गई। नासा के मून बेस प्रोग्राम में इसरो को शामिल होने का न्योता भारत-अमेरिका अंतरिक्ष संबंधों में अहम पड़ाव माना जा रहा है। इससे चंद्रमा पर वैज्ञानिक अनुसंधान, मानव अंतरिक्ष उड़ान और भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों में दोनों देशों के लिए सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

कोलंबिया में भूकंप से भारी तबाही, अब तक 169 की मौत

नई दिल्ली/आरएनएन। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से भारी तबाही हुई है। अब तक 169 लोगों की मौत और 570 से अधिक लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है, जबकि 2,700 से ज्यादा लोग लापता हैं। चोको प्रांत के सैन होसे डेल पालमार के पास आए भूकंप के झटके बोगोटा समेत कई शहरों में महसूस किए गए। 1,600 से अधिक इमारतों को नुकसान पहुंचा है। मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए सेना, राहत दल जुटे हैं। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय आपात स्थिति घोषित कर दी है। अमेरिका ने राहत के लिए 15.5 मिलियन डॉलर की मदद की घोषणा की है।

रूस का उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइलों से यूक्रेन पर हमला

कीव/आरएनएन। यूक्रेन में रूसी हमलों में कम से कम नौ लोगों की मौत और कई लोग घायल हुए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि जापोरिजिया पर हमले में उत्तर कोरियाई बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। रूस ने यूक्रेन के सैन्य और लॉजिस्टिक्स ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही है।

पीओके में ब्रिटिश नागरिक की गोली लगने से मौत, एक कैद में

नई दिल्ली/आरएनएन। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कोटली में एक ब्रिटिश नागरिक की गोली लगने से मौत हो गई। परिवार के मुताबिक मोहम्मद अख्तर प्रदर्शन में शामिल नहीं थे और घर के पास हुई फायरिंग की चपेट में आए। वहीं, एक अन्य ब्रिटिश नागरिक दो महीने से अधिक समय से हिरासत में है। ब्रिटेन ने पीओके की स्थिति पर चिंता जताई है।

इमरान की पार्टी का सुप्रीम कोर्ट के बाहर प्रदर्शन, पुलिस तैनात

नई दिल्ली/आरएनएन। पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। पार्टी का आरोप है कि जेल में बंद इमरान खान को परिवार और नेताओं से मिलने नहीं दिया जा रहा और उन्हें पर्याप्त चिकित्सा सुविधा भी नहीं मिल रही। पीटीआई ने मुलाकात की अनुमति नहीं मिलने पर देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है।

द. कोरिया में दो चीनी नागरिक जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

सियोल/आरएनएन। दक्षिण कोरिया की पुलिस ने जासूसी के आरोप में दो चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। एक पर सैन्य विमानों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल की रेडियो बातचीत इंटरसेप्ट करने, जबकि दूसरे पर अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी जुटाने का आरोप है। दोनों मामलों की जांच जारी है।

डीआर कांगो में इबोला का कहर

जिनेवा/आरएनएन। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने डीआर कांगो में इबोला संक्रमण पर चिंता जताई है। अब तक 1,960 लोगों की मौत और 4,294 मामलों की पुष्टि हुई है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्यकर्मी केवल करीब 30 फीसदी मरीजों तक पहुंच पा रहे हैं। कई मरीजों की घर पर ही मौत हो रही है, जिससे संक्रमण रोकना चुनौती बना हुआ है।

आज का इतिहास

- **1851:** अमेरिकी आविष्कारक आइजैक सिंगर ने सिलाई मशीन का पेटेंट कराया।
- **1908:** फोर्ड मोटर कंपनी ने अपनी प्रसिद्ध मॉडल टी कार का पहला उत्पादन किया। इसे आधुनिक ऑटोमोबाइल उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है।
- **1914:** प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन ने ऑस्ट्रिया-हंगरी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- **1944:** द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश प्रतिरोध आंदोलन की सदस्य और जासूस नूर इनायत खान को नाजी जर्मनी के डाखाउ यातना शिविर में मार दिया गया।
- **1953:** सोवियत संघ ने परमाणु बम के बाद हाइड्रोजन बम से संबंधित अपना महत्वपूर्ण परीक्षण किया।
- **1961:** सोवियत अंतरिक्ष यात्री जर्मन तितोव ने अंतरिक्ष में लगभग 25 घंटे की उड़ान पूरी की। वे अंतरिक्ष में एक दिन से अधिक समय बिताने वाले पहले मानव बने।
- **1981:** आईबीएम ने अपना पहला पर्सनल कंप्यूटर बाजार में पेश किया। इसने व्यक्तिगत कंप्यूटिंग के क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत की।

▶ बाब अल-मंडेब स्ट्रेट में तंजानिया के झंडे वाले जहाज को बनाया निशाना

सऊदी जहाज पर हूतियों का अटैक दो पाकिस्तानी समेत तीन की मौत

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंडेब स्ट्रेट में सऊदी अरब से जुड़े एक जहाज पर मिसाइल हमला किया। हमले में चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में दो पाकिस्तानी और एक इंडोनेशियाई नागरिक शामिल हैं। हालांकि, हूतियों ने अब तक हमले की आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है।

रिपोर्ट के अनुसार, हमले की चपेट में आया तंजानिया के झंडे वाला जहाज तिहामा ओमान के सलालाह बंदरगाह से जिबूती की ओर जा रहा था। घटना ने लाल सागर और बाब अल-मंडेब क्षेत्र में बढ़ते समुद्री तनाव को एक बार फिर सामने ला दिया है।

करीब एक महीने पहले घोषित की थी नाकाबंदी : यह हमला हूतियों की ओर से सऊदी अरब के खिलाफ लाल सागर में नौसैनिक नाकाबंदी की घोषणा के करीब एक महीने बाद हुआ है। हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब ने यमन की घेराबंदी कर रखी है। इसी के चलते संगठन ने लाल सागर में सऊदी जहाजों और उनसे जुड़े व्यापारिक मार्गों को निशाना बनाने की चेतावनी दी थी।

आंसुओं का द्वार है बाब अल-मंडेब : बाब अल-मंडेब को इसकी चुनौतीपूर्ण नौवहन परिस्थितियों के कारण लंबे समय से आंसुओं का द्वार कहा जाता है। यह रणनीतिक जलमार्ग लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से जोड़ता है। हूतियों की ओर से इस मार्ग से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना बनाने की धमकियों के कारण क्षेत्र में समुद्री यातायात प्रभावित हुआ है। इस मार्ग से वैश्विक व्यापार का करीब 12 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। ऊर्जा आपूर्ति, कंटेनर और उपभोक्ता सामानों की आवाजाही के लिए यह यूरोप, एशिया और अफ्रीका को जोडने़ वाला अहम समुद्री कॉरिडोर है।

रोजाना गुजरने वाले जहाजों की संख्या 50 से घटकर 32 हुई

केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले सप्ताह बाब अल-मंडेब से प्रतिदिन औसतन करीब 32 जहाज गुजरे। हूतियों की नाकाबंदी की घोषणा से पहले इस मार्ग से रोजाना औसतन 50 जहाज गुजरते थे। समुद्री यातायात में आई इस गिरावट से वैश्विक शिपिंग कंपनियों, बीमा लागत और सप्लाई चेन पर दबाव बढने़ की आशंका है। क्षेत्र में लगातार अस्थिरता के चलते कई अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियां पहले ही लंबे वैकल्पिक समुद्री मार्गों का इस्तेमाल कर रही हैं। इससे जहाजों की यात्रा अवधि और परिवहन लागत दोनों बढ़ रहे हैं। जानकारों के मुताबिक, बाब अल-मंडेब में लंबे समय तक अस्थिरता बनी रही तो इसका असर केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर भी पड़ सकता है।

सऊदी-पाक संग रक्षा समझौते पर तुर्की ने तोड़ी अपनी चुप्पी

अंकारा, आरएनएन। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच हुए रक्षा समझौते को लेकर तुर्की ने साफ किया है कि यह किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है। तुर्की के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने कहा कि समझौते का मकसद तीनों देशों की सुरक्षा और रक्षा सहयोग मजबूत करना है। किसी एक सदस्य पर हमला होने की स्थिति में बाकी दोनों देश उसके समर्थन में आगे आएंगे।

भारत बोला- रक्षा के लिए उठाएंगे कदम...

नई दिल्ली, आरएनएन। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच हुए मक्का रक्षा समझौते पर भारत ने प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर रख रहा है। भारत मक्का समझौते के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के नजरिए से कर रहा है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को सजा-ए-मौत

भाई माहेर और चचेरे भाई को भी फांसी

● नई दिल्ली / (हि.स.)।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में मौत की सजा सुनाई गई है। मंगलवार को सीरिया की एक अदालत ने असद के छोटे भाई माहेर अल-असद और उनके चचेरे भाई अतेफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई।

बशर और माहेर रूस में रह रहे हैं, इसलिए दोनों की गैरमौजूदगी में फैसला सुनाया गया। अदालत ने 2011 से शुरू हुए सीरिया के करीब 14 साल लंबे संघर्ष के दौरान हुई हिंसा और गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए पूर्व शासन के शीर्ष लोगों को जिम्मेदार माना। इस संघर्ष में करीब पांच लाख लोगों की मौत हुई, जबकि लाखों लोग विस्थापित हुए। अदालत के अनुसार, गवाहों की गवाही से यह साबित हुआ कि बशर अल-असद इन अपराधों से जुड़े सबसे ऊंचे स्तर के निर्णय लेने वाले व्यक्ति थे। उन पर सरकारी संस्थानों का इस्तेमाल हत्या, यातना, अवैध हिरासत और अन्य गंभीर अपराधों को अंजाम देने में मदद करने का आरोप था। माहेर अल-असद पर भी जानबूझकर हत्या और यातना समेत गंभीर अपराधों में भूमिका के आरोप लगे। वह असद शासन के दौरान सैन्य ढांचे में एक प्रभावशाली अधिकारी रहे थे।

अदालत ने असद के चचेरे भाई और पूर्व ब्रिगेडियर जनरल अतेफ नजीब को भी मौत की सजा सुनाई। नजीब 2011 में दक्षिणी सीरिया के दारा प्रांत में राजनीतिक सुरक्षा शाखा के प्रमुख थे।

उन पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के खिलाफ हिंसक कार्रवाई का नेतृत्व करने का आरोप था। दारा में हुई इसी कार्रवाई को सीरिया में शुरू हुए विद्रोह की प्रमुख घटनाओं में गिना जाता है।

हिम्मतनगर-खेड़ब्रह्मा रेलखंड का महाप्रबंधक ने किया निरीक्षण, फिर निकाली तिरंगा यात्रा...

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पांडेय ने 11 अगस्त 2026 को अहमदाबाद मंडल के हिम्मतनगर-खेड़ब्रह्मा रेलखंड का निरीक्षण किया। उन्होंने रेल सुरक्षा, ट्रैक, लेवल क्रॉसिंग, यात्री सुविधाओं और रेलवे परिसंपत्तियों की स्थिति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खेड़ब्रह्मा स्टेशन पर महाप्रबंधक ने स्टेशन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और तिरंगा यात्रा में भी सहभागिता की। इसके अलावा धरोई पर्यटन विकास परियोजना और प्रस्तावित खेड़ब्रह्मा-अंबाजी नई रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे को लेकर राज्य प्रशासन व संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। अंबाजी रेल कनेक्टिविटी से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र में पर्यटन व आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। महाप्रबंधक ने विजापुर में स्थानीय व्यापारियों और हितधारकों से भी मुलाकात कर रेलवे से जुड़ी समस्याओं, माल परिवहन और यात्री सुविधाओं पर चर्चा की।

हिमाचल में पेट्रोल और डीजल पर लगा अनाथ व विधवा सेस

शिमला, आरएनएन। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल और डीजल महंगा हो गया है। राज्य सरकार ने पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल पर अनाथ और विधवा सेस लागू कर दिया है।

12 अगस्त की रात 12 बजे से प्रभावी, 60 पैसे ज्यादा की होगी कीमत में बढ़ोतरी

नई दरें 12 अगस्त की रात 12 बजे से प्रभावी हो गई हैं। फिलहाल, लागू किए गए नए सेस के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में प्रति लीटर 60 पैसे की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। यह राज्य स्तर पर लगाया गया एक विशेष सेस है, जिसका सीधा असर अब आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ने वाला है।

यानी अब हिमाचल में लोगों को एक लीटर तेल खरीदने के लिए पहले के मुकाबले 60 पैसे ज्यादा चुकाने होंगे। कानूनी आधार की बात करें, तो इस फैसले की नींव अप्रैल 2026 के विधानसभा बजट सत्र में ही रख दी गई थी।

ईरान के डर से कैटरिंग ट्रक में छिपकर ट्रंप ने बदला था अपना विमान

नई दिल्ली, आरएनएन। डोनाल्ड ट्रंप को ईरान से संभावित खतरे के चलते तुर्की से गुप्त तरीके से बाहर निकाला गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई में नाटो शिखर सम्मेलन के बाद ट्रंप को उनके तय विमान की बजाय सी-32ए सैन्य विमान से ब्रिटेन भेजा गया। ट्रंप को कैटरिंग ट्रक की आड़ में दूसरे विमान तक पहुंचाया गया, जबकि पुराने एयर फोर्स वन को डिकॉय विमान के तौर पर इस्तेमाल किया गया। इस ऑपरेशन की जानकारी व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों तक को नहीं दी गई थी।

दो टूक जवाब — 27 स्थानों को नक्शे में शामिल करने पर चीन ने जताई थी आपत्ति

अरुणाचल हमारा अभिन्न अंग है और रहेगा

● नई दिल्ली / (हि.स.)।

अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं को आधिकारिक भारतीय नक्शे में उनके मानक नामों से दर्ज किए जाने पर चीन की आपत्ति को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को दोटूक कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा है और इस निर्विवाद सच्चाई को कोई नहीं बदल सकता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत का अटूट और अभिन्न अंग है। यह एक ऐसी सच्चाई है जो खुद स्पष्ट है और इसे कोई नहीं बदल सकता। भारत ने यह कदम चीन की ओर से अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के नाम बार-बार बदलने के जवाब में उठाया है। पिछले सप्ताह राज्य के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं को सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक नक्शे में मानक भारतीय नामों के साथ दर्ज किया गया। इनमें झील, बस्तियां, स्मारक और एलएसी के पास स्थित क्षेत्र भी शामिल हैं।

चीन ने बताया अवैध और अमान्य

भारत के इस कदम पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने सोमवार को आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि चीन तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं देता और भारत की ओर से इन क्षेत्रों के नाम बदलने का प्रयास अवैध और अमान्य है। चीन अरुणाचल प्रदेश को जांगनान और तिब्बत को शीजांग कहता है। भारत ने चीन के इस दावे को पहले भी कई बार खारिज किया है। नई दिल्ली का कहना है कि चीन की ओर से स्थानों के नाम बदलने की कोशिशों से जमीनी हकीकत नहीं बदलती।

2017 से नाम बदल रहा चीन

चीन 2017 से अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के लिए अपने नाम जारी करता रहा है। इस साल अप्रैल में भी चीन ने ऐसी ही एक सूची जारी की थी। भारत ने हर बार इन कदमों को निरर्थक और बेतुका बताते हुए कहा है कि नाम बदलने से अरुणाचल प्रदेश की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ता। भारत के आधिकारिक नक्शे में शामिल 27 स्थानों में एलएसी के पास स्थित लोंगजू भी है। 1959 में भारत-चीन सीमा पर शुरुआती टकराव के प्रमुख केंद्रों में लोंगजू भी शामिल रहा था।

नेताजी की अस्थियां जापान से भारत लाए जाने की मांग

● नई दिल्ली / (हि.स.)

सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी अनीता बी. फाफ की उस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है, जिसमें टोक्यो स्थित रेंकोजी मंदिर से नेताजी की कथित अस्थियां भारत लाने का निर्देश देने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मंगलवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को नोटिस जारी किया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा अनीता फाफ लगातार सार्वजनिक रूप से अपने पिता के पार्थिव अवशेषों को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के लिए भारत लाने की मांग करती रही हैं। अगस्त 1945 में नेताजी के लापता होने के बाद से उनकी मृत्यु और अवशेषों को लेकर कई दावे सामने आते रहे हैं। कुछ रिपोर्टों में कहा गया उनकी अस्थियां टोक्यो के रेंकोजी मंदिर में रखी हैं। इससे पहले मार्च में कोर्ट ने नेताजी के भतीजे के बेटे आशीष राय की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया था, जिसमें उनकी अस्थियां भारत लाने की मांग की गई थी। उस समय पीठ ने कहा था यदि नेताजी की वारिस अस्थियां भारत लाना चाहती हैं, तो उन्हें अदालत के समक्ष आना चाहिए।

संपादकीय

डिजिटल भुगतान के दौर में भी नकदी का दबदबा, अब पॉलीमर नोटों की दस्तक

जेब में रखे कागजी नोट पसीने, बारिश और लगातार उपयोग के कारण जल्दी फट जाते हैं या गंदे हो जाते हैं। इसी समस्या के समाधान के लिए दुनिया के अनेक देशों ने पॉलीमर यानी प्लास्टिक बैंक नोटों को अपनाया है। सामान्य भाषा में इन्हें प्लास्टिक की नोट कहा जाता है, लेकिन तकनीकी रूप से ये विशेष प्रकार के पॉलीप्रोपाइलीन प्लास्टिक से बनाई जाती हैं, जो बेहद मजबूत होने के साथ-साथ मुड़ भी सकती हैं। भारत ने भी अब इस दिशा में कदम बढ़ा दिया है। वर्ष 2016 की नोटबंदी के लगभग एक दशक बाद अब 2026 में केंद्र सरकार पॉलीमर नोटों को लाने की तैयारी कर रही है। संसद में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में लिखित उत्तर में बताया कि 10 और 20 रुपए के 200 करोड़ नोट छापे जाएंगे, जिनका कुल मूल्य लगभग 3,000 करोड़ रुपए होगा। सरकार ने पॉलीमर करेंसी नोटों के फील्ड ट्रायल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे पहले आरबीआई ने अपने केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत सरकार को प्रस्ताव भेजा था। यह पहली बार नहीं है, जब आरबीआई पॉलीमर नोट लाने जा रहा है। इससे पहले 2012-13 में यूपीए सरकार के दौरान 10 रुपए की पॉलीमर नोटों का परीक्षण किया गया था। उस समय 1 अरब नोट परीक्षण के लिए जारी किए गए थे। इन्हें कोच्चि, जयपुर, मैसूर, शिमला और भुवनेश्वर जैसे शहरों में चलन में लाया गया था। हालांकि बाद में यह प्रयोग रोक दिया गया था। करीब 15 वर्ष बाद केंद्र सरकार ने फिर से इस दिशा में कदम बढ़ाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि नकली नोटों पर रोक लगाने और लंबे समय में छपाई का खर्च घटाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। लोगों को अक्सर लगता है कि प्लास्टिक सस्ता होने के कारण प्लास्टिक की नोटें भी सस्ती होंगी, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। भारत में अभी पॉलीमर नोटों की आधिकारिक छपाई शुरू नहीं हुई है, इसलिए इसकी वास्तविक लागत सामने नहीं आई है। हालांकि जिन देशों में इनका उपयोग हो रहा है, वहां पॉलीमर नोटों की छपाई पर कागज की तुलना में 30 से 50 प्रतिशत अधिक खर्च आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि शुरूआती लागत अधिक होने के बावजूद लंबे समय में यह व्यवस्था अधिक किफायती साबित होती है क्योंकि नोटों की उम्र कई गुना बढ़ जाती है। आरबीआई से वर्ष 2021-22 में प्राप्त जानकारी के अनुसार, 10 रुपए का नोट-96 पैसे, 20 रुपए का नोट-95 पैसे, 50 रुपए का नोट-1.13 रुपए, 100 रुपए का नोट-1.77 रुपए, 200 रुपए का नोट-2.37 रुपए, 500 रुपये का नोट-2.29 रुपए का खर्च आता है। सरकार द्वारा 10 और 20 रुपए के 200 करोड़ नोट छापने के आदेश के अनुसार मौजूदा व्यवस्था में लगभग 19 करोड़ रुपए का छपाई खर्च आने का अनुमान है। पारंपरिक नोट कपास और लिनन से बनाए जाते हैं, जबकि पॉलीमर नोट विशेष प्लास्टिक आधारित सब्सट्रेट पर छपते हैं। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार चलन से बाहर होने वाली सबसे अधिक खराब नोटें 500 रुपए की होती हैं, उसके बाद 100 रुपए की नोटों का स्थान आता है। 15 मई तक देश में कुल 42.86 लाख करोड़ रुपए की मुद्रा प्रचलन में थी। चालू वित्त वर्ष के पहले छह सप्ताह में ही प्रचलन में मौजूद नकदी 1.5 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई ने यह कदम नोटों की छपाई का बढ़ता खर्च कम करने और नोटों का जीवन बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया है। वित्त वर्ष 2025 में 23.8 अरब नोट चलन से बाहर किए गए, जबकि एक वर्ष पहले यह संख्या 21.24 अरब थी। खराब होने वाली नोटों की संख्या में 12.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत में जिन पॉलीमर नोटों का उपयोग किया जाएगा, वे बायएक्सियली ओरिएंटेड पॉलीप्रोपाइलीन से तैयार होंगी। यह सामान्य प्लास्टिक की तरह नहीं होता। इसे लंबाई और चौड़ाई दोनों दिशाओं में खींचकर अत्यधिक मजबूत और पारदर्शी बनाया जाता है। लगभग 90 माइक्रोन मोटी होने के बावजूद यह आसानी से फटती नहीं है और काफी समय तक टिकाऊ रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार पॉलीमर नोट लंबी रेस का घोड़ा हैं। इससे सरकार और बैंकों को बारबार नई नोटें छापने और पुरानी नोटों को नष्ट करने का खर्च काफी कम हो जाएगा।

इसके अलावा इन नोटों के उपयोग से कागज, स्याही और पानी की खपत भी घटेगी। उपयोग के बाद इन्हें रिसाइकिल करके अन्य उत्पाद भी बनाए जा सकते हैं, जिससे पर्यावरण को भी लाभ होगा। 1980 के दशक में वहां नकली नोटों की समस्या काफी बढ़ गई थी। इससे निपटने के लिए आस्ट्रेलिया के रिजर्व बैंक ने वैज्ञानिक संस्थानों के सहयोग से पॉलीमर नोट विकसित किए। दुनिया की पहली पॉलीमर नोट 1988 में आस्ट्रेलिया में देश की 200वीं वर्षगांठ के अवसर पर जारी की गई थी। इसके बाद 1996 तक आस्ट्रेलिया ने अपनी पूरी कागजी मुद्रा को पॉलीमर नोटों में बदल दिया। आज दुनिया के 70 से अधिक देश पॉलीमर नोटों का पूर्ण या आंशिक रूप से उपयोग कर रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से ब्रिटेन शामिल है, जिसने 5, 10, 20 और 50 पाउंड की सभी नोटों को पॉलीमर में बदल दिया है। इसी प्रकार कनाडा ने वर्ष 2011 से पॉलीमर नोटों की शुरूआत की और अब वहां पूरी मुद्रा पॉलीमर की हो चुकी है। न्यूजीलैंड भी अपनी पूरी करेंसी पॉलीमर में बदल चुका है।

यूरोप में रोमानिया पहला देश था, जिसने 1999 में पॉलीमर नोट जारी किए और 2003 तक पूरी तरह इन्हें अपना लिया। इसके अलावा वियतनाम, ब्रुनेई, पापुआ न्यू गिनी, मालदीव, नाइजीरिया और सिंगापुर सहित अनेक देशों में भी पॉलीमर नोटों का व्यापक उपयोग हो रहा है।

व्यंग्य

डूबते शेयर का डिविडेंड ही सही

वीरेंद्र बहादुर सिंह

लाभचंद मोबाइल पर एक संदेश देखकर कभी मुस्कराता था, तो थोड़ी ही देर बाद उदास हो जाता था। फिर कुछ देर बाद फिर मुस्करा देता और अगले ही पल उसका चेहरा फिर बुझ जाता। धनचंद से पूछे बिना रहा नहीं गया- अरे, मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया हो, उसके बाद जैसे कभी धूप निकल आती है, थोड़ी देर में बारिश हो जाती है और फिर अचानक मौसम साफ हो जाता है, वैसा चेहरा क्यों बना रखा है? लाभचंद बोला- अरे, मैं तो मौसम की खबरें या भविष्यवाणियां कभी देखता-सुनता ही नहीं। किस्मत में जो लिखा होगा वही होगा। छाता लेकर निकलेंगे तो भी भीगेंगे और घर में बैठे होंगे तो शायद छत ही टपकने लगे। जैसा भगवान रखे, वैसा रहना चाहिए। धनचंद ने कहा- आज बड़ी दार्शनिक बातें कर रहा है। कहीं सोशल मीडिया पर किसी मोटिवेशनल स्पीकर को फॉलो तो नहीं करने लगा? या फिर किसी बाबा-कथावाचक की बातें सुनने की आदत पड़ गई है? लाभचंद बोला- यार, तूने कथावाचक की बात की तो एक घटना याद आ गई। एक परिवार भोजन मिलने की उम्मीद में भजन-कीर्तन में गया। लेकिन कार्यक्रम खत्म होने के बाद पूरी थाली की जगह सिर्फ प्रसाद मिला। अब बता, उस परिवार को भोजन न मिलने का दुख मनाना चाहिए या प्रसाद मिलने की खुशी? धनचंद हंसते हुए बोला- मुझे तो पूरा शक हो रहा है। लगता है, जल्द ही तू भी बाबा बनकर कथाएं सुनाने लगेगा। लाभचंद बोला- भाई, शेयर बाजार का यही हाल रहा तो सचमुच मुझे अपनी कर्मकथा ही सुनानी पड़ेगी। एक दिन बाजार चढ़ता है और दूसरे दिन वह ट्रंप जैसी कोई उलटी-सीधी हरकत कर बैठता है, तो जितना बाजार पहले चढ़ा होता है, उससे चार गुना नीचे गिर जाता है। धनचंद बोला- इसमें तेरी कोई गलती नहीं। अभी जो तू कभी हंस रहा था और कभी उदास हो रहा था, ऐसा तो आजकल ट्रंप की पोस्ट पढ़कर बहुत लोगों के साथ होता है। उसकी कुछ पोस्ट देखकर एक आंख से हंसी आती है और दूसरी आंख से यह सोचकर आंसू निकल आते हैं कि दुनिया को कैसा सनकी आदमी मिल गया है। लाभचंद बोला- अरे नहीं यार, मेरा चेहरा ट्रंप को याद करके नहीं बदल रहा था। मैं तो अपने डिविडेंड के संदेश पढ़ रहा था। अभी डिविडेंड का मौसम चल रहा है। किसी कंपनी का डिविडेंड मिलने का संदेश पढ़कर खुशी होती है। फिर याद आता है कि जिस कंपनी ने 200 रुपए का डिविडेंड दिया है, उसमें मेरे 20 हजार रुपये पिछले दो साल से फंसे पड़े हैं। बस, तभी दुख भी होने लगता है। इसलिए मैंने तुझे भजन वाली कहानी सुनाई थी। जिन कंपनियों में यह सोचकर निवेश किया था कि छह महीने में पैसा दोगुना हो जाएगा, उनके शेयर तो ऊपर उठ ही नहीं रहे। ऊपर से ये चने-मुरमुरे जितना डिविडेंड पकड़ा देते हैं। सारे डिविडेंड जोड़ भी लो, तो दस साल में भी मूलधन वापस नहीं निकलेगा। सोचा था कि शेयर बाजार की कमाई से घर चलाएंगे, लेकिन इस डिविडेंड से तो महीने भर की चाय-पानी का खर्च भी मुश्किल से निकले। दावत जैसे रिटर्न की उम्मीद थी और मिला सिर्फ सौंफ-मिश्री जितना डिविडेंड। इससे पेट कैसे भरेगा? धनचंद बोला- बॉस, अगर ऐसे ही छुट्टे-छुट्टे डिविडेंड कमाने थे, तो फिर बैंक की फिक्स्ड डिपॉजिट में पैसा रखना ही क्या बुरा था?

जवाब में लाभचंद ने बस लंबी-सी जम्हाई ले ली...

युवा सपनों को पंख मिले, तभी नई ऊंचाईयां छुएगा भारत

योगेश कुमार गोयल

युवा किसी भी राष्ट्र की जनसंख्या का केवल एक बड़ा हिस्सा नहीं बल्कि उसकी ऊर्जा, रचनात्मकता, नवाचार, परिवर्तन की आकांक्षा और भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाज और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग-अलग दिखाई दें लेकिन उनके सपनों और आकांक्षाओं में आश्चर्यजनक समानता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन, सामाजिक न्याय, स्वतंत्र अभिव्यक्ति तथा अपने भविष्य से जुड़े निर्णयों में सार्थक भागीदारी, ये ऐसी साझा आकांक्षाएं हैं, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे पूरी दुनिया के युवाओं को एक सूत्र में जोड़ती हैं। इसी सार्वभौमिक सत्य को रेखांकित करता है अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय ह्वविभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस वर्ष की थीम वैश्विक एकजुटता, साझा चुनौतियों और युवा नवाचार को केंद्र में रखती है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस की अवधारणा 1991 में वियना, ऑस्ट्रिया में आयोजित संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के विश्व युवा मंच के प्रथम सत्र में युवाओं द्वारा रखे गए प्रस्ताव से विकसित हुई थी और 12 अगस्त 2000 को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया।

तब से यह दिवस युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाने तथा उन्हें विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाने का माध्यम बना हुआ है। वर्ष 2026 की थीम अपने आप में आज की युवा पीढ़ी की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है। दुनिया का कोई युवा युद्ध और विस्थापन के बीच भविष्य तलाश रहा है, कोई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित छोटे द्वीपीय देश में अपने अस्तित्व की चिंता कर रहा है तो कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेजी से बदलती रोजगार व्यवस्था के बीच अपने कौशल को प्रासंगिक बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहा है। कहीं युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच नहीं मिलती, कहीं शिक्षा तो है लेकिन रोजगार के अवसर सीमित हैं।

कहीं डिजिटल तकनीक अवसरों के नए द्वार खोल रही है तो कहीं डिजिटल विभाजन युवाओं को विकास की मुख्यधारा से बाहर कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र का आकलन बताता है कि शिक्षा, रोजगार, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल समावेशन और मानसिक स्वास्थ्य जैसी चुनौतियां अलग-अलग परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं को साझा रूप से प्रभावित कर रही हैं। इसके बावजूद युवा दुनिया की सबसे बड़ी परिवर्तनकारी शक्ति हैं। वे जलवायु कार्रवाई में नेतृत्व कर रहे हैं, सामाजिक उद्यम खड़े कर रहे हैं, डिजिटल समाधान विकसित कर रहे हैं, नई तकनीकों को अपना रहे हैं और अपने समुदायों की समस्याओं के स्थानीय समाधान खोज रहे हैं। भारत के लिए वर्ष 2026 का विषय बेहद प्रासंगिक है। राष्ट्रीय युवा नीति के मसौदे के अनुसार, भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 2021 के अनुमान में लगभग 37.14 करोड़ यानी कुल आबादी का लगभग 27.3 प्रतिशत थी। यह विशाल युवा आबादी भारत के लिए अभूतपूर्व जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर है लेकिन तभी, जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। उसी नीति दस्तावेज में यह भी रेखांकित किया गया है कि बड़ी संख्या में युवा शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण से बाहर हैं।

भारत में विभिन्न कार्यक्रम युवाओं की क्षमता को अलग-अलग क्षेत्रों में विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन इन योजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना यह है कि उनका लाभ अंतिम पंक्ति के युवा तक कितनी प्रभावी ढ़ंग से पहुंच रहा है।

आज युवा केवल नौकरी नहीं चाहता बल्कि वह ऐसी व्यवस्था चाहता है, जिसमें उसकी मेहनत, योग्यता और समय का सम्मान हो। यही कारण है कि भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता, पेपर लीक, परिणामों में देरी और नियुक्तियों की अनिश्चितता जैसे मुद्दे युवाओं के लिए उनके जीवन के वर्षों और सपनों से जुड़े प्रश्न बन जाते हैं। दिल्ली का जंतर-मंतर इस युवा बेचैनी और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बनकर उभरा।

परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के मुद्दे पर वहां हुए युवा विरोध प्रदर्शनों ने दिखाया कि अलग-अलग राज्यों और सामाजिक पृष्ठभूमियों से आए विद्यार्थी तथा अभ्यर्थी एक साझा मांग (परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही) के साथ खड़े हो सकते हैं। जून-जुलाई 2026 में परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर जंतर-मंतर पर चले प्रदर्शन में देश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी, अभिभावक और अभ्यर्थी पहुंचे। कुछ प्रदर्शनकारी लंबे समय तक वहां डटे रहे और परीक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग उठाते रहे।

इसी पृष्ठभूमि में झारखंड में युवाओं का हालिया आक्रोश इस वर्ष की थीम को और अधिक जीवंत बना देता है। राज्य में जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़ी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जुलाई से अगस्त 2026 तक आंदोलन तेज हुआ। 22 जुलाई को जेपीएससी ने राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा स्थगित की और इसी दौरान सीआईडी ने परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े कुछ लोगों की गिरफ्तारी की, जिसके बाद अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शनों ने व्यापक रूप लिया। 30 जुलाई को रांची में युवाओं और छात्र संगठनों ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में मार्च निकाला और 14वीं जेपीएससी परीक्षा की जांच तथा भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग की। अगस्त में आंदोलन और तीव्र हुआ तथा 10 अगस्त को हजारों युवा विधानसभा की ओर मार्च करते हुए पुलिस से भिड़ गए। पुलिस द्वारा आंसू गैस, पानी की बौछार और बल प्रयोग किए जाने की खबरें सामने आई। यह घटनाक्रम बताता है कि जब युवाओं के भीतर रोजगार, परीक्षा की निष्पक्षता और भविष्य की सुरक्षा को लेकर लंबे समय तक असुरक्षा जमा होती रहती है तो असंतोष व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकता है।

इन आंदोलनों का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि युवा अब केवल नीति के लाभार्थी बने रहना नहीं चाहते; वे नीति और व्यवस्था की गुणवत्ता पर सवाल पूछने वाले सक्रिय नागरिक भी हैं। परीक्षा में वर्षों की मेहनत लगाने वाले विद्यार्थी के लिए एक कथित पेपर लीक या भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता केवल एक परीक्षा का संकट नहीं होती। उसके पीछे परिवार की आर्थिक उम्मीदें, कई वर्षों की तैयारी, मानसिक दबाव और जीवन की दिशा जुड़ी होती है। यही कारण है कि पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती व्यवस्था आज युवा आकांक्षाओं की सबसे महत्वपूर्ण मांगों में शामिल है। दिल्ली का जंतर-मंतर हो या रांची की सड़कें, परिस्थितियां अलग हैं लेकिन आकांक्षा एक ही है; योग्यता का सम्मान, व्यवस्था में पारदर्शिता और भविष्य का भरोसा। इन आंदोलनों को केवल राजनीतिक विरोध या कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में देखना युवा मनोविज्ञान को समझने में चूक होगी। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध युवाओं के नागरिक अधिकारों और उनकी सक्रिय भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। साथ ही आंदोलनों का शांतिपूर्ण रहना, संवाद के रास्ते खुले रखना और किसी भी प्रकार की हिंसा से बचना भी उतना ही आवश्यक है।

आज आवश्यकता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऐसी विश्वसनीय व्यवस्था बनाई जाए, जिसमें प्रश्नपत्र की सुरक्षा से लेकर परिणाम और नियुक्ति तक हर चरण पारदर्शी हो। परीक्षा कैलेंडर का कठोर पालन, तकनीकी सुरक्षा, स्वतंत्र निगरानी, त्वरित शिकायत निवारण और दोषियों के विरुद्ध समयबद्ध कार्रवाई इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। रोजगार को केवल सरकारी नौकरियों तक सीमित रखने के बजाय निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, ग्रामीण उद्यमिता, हरित अर्थव्यवस्था और डिजिटल कार्य के अवसरों का व्यापक विस्तार करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, ग्रीन टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवाओं जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए युवाओं को भविष्य उन्मुख कौशल देना होगा। तकनीकी कौशल के साथ आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता, संवाद क्षमता और नैतिक विवेक भी विकसित करना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को भी युवा नीति का केंद्रीय हिस्सा बनाना होगा क्योंकि बेरोजगारी, प्रतियोगिता, सामाजिक दबाव और भविष्य की अनिश्चितता युवाओं पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल सकती है।

दुनिया के युवाओं की परिस्थितियां भिन्न हो सकती हैं लेकिन उनके सपनों की भाषा समान है। वे अवसर चाहते हैं पर अवसर के साथ न्याय भी चाहते हैं; वे तकनीक चाहते हैं पर मानवीय गरिमा के साथ; वे विकास चाहते हैं पर प्रकृति की कीमत पर नहीं; वे लोकतंत्र चाहते हैं पर केवल मतदान तक सीमित लोकतंत्र नहीं बल्कि निर्णय प्रक्रिया में अपनी सार्थक भागीदारी भी चाहते हैं। यदि सरकारें और समाज इन साझा आकांक्षाओं को समझ लें तो युवा असंतोष को संकट नहीं, परिवर्तन की ऊर्जा बनाया जा सकता है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी युवा आबादी की संख्या में नहीं, इस बात में निहित होती है कि वह अपने युवाओं के सपनों को कितने अवसरों, विश्वास और न्याय में बदल पाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नई पीढ़ी, निरंतर संवाद और शताब्दी के बाद भी जीवंत संगठनात्मक ऊर्जा

जे. नंदकुमार

सौ वर्ष पूरे कर चुका कोई संगठन सामान्यतः अपनी आयु के भार से पहचाना जाता है। उसके इतिहास की चर्चा उसके वर्तमान से अधिक होती है और उसकी स्मृतियाँ उसके भविष्य पर हावी होने लगती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संदर्भ में स्थिति कुछ अलग दिखाई देती है। संघ की शताब्दी का सबसे उल्लेखनीय पक्ष उसका अतीत नहीं बल्कि उसकी युवा होती वर्तमान चेतना है। आज यदि संघ की किसी शाखा में जाएँ तो वहाँ उसकी शताब्दी का भार नहीं, बल्कि सोलह वर्ष की ऊर्जा दिखाई देती है। यही वह बिंदु है जहाँ संघ और नई पीढ़ी के संबंध को समझना आवश्यक हो जाता है।

हाल ही में मुंबई में 6 अगस्त को सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का युवाओं के साथ संवाद इसी वास्तविकता का सहज उदाहरण बनकर सामने आया। Gen-Z की भाषा और अभिव्यक्ति के एक लोकप्रिय संकेत को उन्होंने स्वयं अपनाया और मुस्कराकर कहा—ह्वआज मैंने आपसे एक नई अभिव्यक्ति सीखी। यह छोटा-सा प्रसंग केवल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ कोई मनोरंजक दृश्य नहीं था। इसके पीछे एक गहरा सामाजिक और संगठनात्मक संदेश छिपा था-पीढ़ियों के बीच संवाद तभी संभव है, जब दोनों पक्ष एक-दूसरे से सीखने को तैयार हों।

आज Gen-Z और Gen-Alpha को लेकर दुनिया भर में चर्चा है। यह ऐसी पीढ़ी है जो डिजिटल तकनीक के साथ बड़ी हुई है, जिसकी भाषा पिछली पीढ़ियों से अलग है, जिसके प्रश्न अलग हैं और जिसकी सामाजिक संवेदनाएँ भी बदल रही हैं। इसलिए स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि एक शताब्दी पुराने संगठन का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति इस पीढ़ी से इतनी सहजता से कैसे संवाद स्थापित कर पाता है? इसका उत्तर किसी संचार-तकनीक में नहीं बल्कि संघ की मूल संगठनात्मक संस्कृति में छिपा है।

संघ का आरंभ ही युवा ऊर्जा से हुआ

संघ को समझने के लिए उसके इतिहास के प्रारंभिक क्षणों को याद करना होगा। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जब कुछ बालकों को साथ लेकर संगठनात्मक कार्य का प्रारंभ किया, तब उनके पास न कोई विशाल संस्थागत ढाँचा था, न संसाधनों की प्रचुरता और न ही किसी स्थापित शक्ति का संरक्षण। उनके पास था-युवा मन, संगठन का संस्कार और राष्ट्र के प्रति समर्पण। शुरूआत में संघ को ह्वबच्चों का खेलह्व कहा गया। उसे ह्वबॉयज क्लबह्व कहकर उसकी उपेक्षा की गई। लेकिन इतिहास की विडंबना देखिए कि जिस संगठन को कभी बच्चों का खेल समझा गया, उसी ने आगे चलकर देश के सामाजिक जीवन के अनेक क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रतिबंध आए। आपातकाल आया। युद्ध और प्राकृतिक आपदाएँ आईं। अनेक स्वयंसेवकों को कठिनाइयों और यातनाओं का सामना करना पड़ा। हर संकट में एक पीढ़ी ने दूसरी पीढ़ी को पीछे छोड़ते हुए दायित्व संभाला। संघ का इतिहास वास्तव में पीढ़ियों के हस्तांतरण का इतिहास है। यही उसकी सबसे बड़ी संगठनात्मक शक्ति है।

संगठन की आयु और उसकी ऊर्जा

2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार संघ की शाखाओं की संख्या 88,949 तक पहुँची है। लेकिन किसी संगठन की शक्ति केवल उसकी संख्या से नहीं मापी जाती। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि उन शाखाओं में सक्रिय कौन है? उत्तर है—युवा। 2025 के विजयादशमी कार्यक्रम में 27,08,186 तरुण और 5,36,955 बाल स्वयंसेवकों की सहभागिता तथा देशभर के पथसंचलनों में लाखों युवाओं और बाल स्वयंसेवकों की भागीदारी केवल सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है। यह उस सामाजिक ऊर्जा का संकेत है जो संघ के संगठनात्मक जीवन को निरंतर गतिशील बनाए हुए है। दैनिक शाखाओं में 60 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी इस तथ्य को और स्पष्ट करती है। कोविड जैसी असाधारण परिस्थिति में भी लगभग 61 प्रतिशत दैनिक शाखा सहभागियों का विद्यार्थी होना यह बताता है कि संघ की संगठनात्मक धारा का बड़ा हिस्सा नई पीढ़ी से जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि संघ को केवल सौ वर्ष पुरानी संस्था कहना अधूरा होगा। संघ सौ वर्ष पुराना है; लेकिन उसकी संगठनात्मक ऊर्जा लगातार नई होती रही है। शायद इसी अर्थ में कहा जा सकता है-संघ की आयु सदा सोलह वर्ष है।

नई पीढ़ी केवल सहभागी नहीं, उत्तराधिकारी भी है

युवा शक्ति की वास्तविक परीक्षा केवल किसी कार्यक्रम में उपस्थिति से नहीं होती। वह तब सामने आती है जब युवा अपने समय, प्रतिभा और सुविधा का त्याग कर किसी व्यापक उद्देश्य के लिए स्वयं को समर्पित करता है। शताब्दी वर्ष में पूर्णकालिक विस्तारक के रूप में दो वर्ष देने के आह्वान पर 2,453 स्वयंसेवकों का आगे आना इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह उस पीढ़ी की तस्वीर प्रस्तुत करता है जिसके बारे में अक्सर कहा जाता है कि वह सुविधा, तात्कालिकता और व्यक्तिगत सफलता को सर्वोच्च मानती है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। आज भी हजारों युवा ऐसे हैं जो अपने व्यक्तिगत जीवन की गति को कुछ समय के लिए रोककर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने का निर्णय लेते हैं। यही किसी भी विचार-आधारित संगठन के भविष्य की वास्तविक पूँजी होती है। 2025 की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के संदर्भ में प्रस्तुत आँकड़ा भी उल्लेखनीय है। प्रारंभिक वर्ग में सहभागी 2,22,962 स्वयंसेवकों में से 1,63,000 की आयु 14 से 25 वर्ष के बीच थी। यह संख्या एक प्रश्न भी पूछती है- क्या हम युवा पीढ़ी को केवल उपभोक्ता मानते हैं या उसे समाज-निर्माण का सक्रिय कर्ता भी मानते हैं? संघ की संगठनात्मक दृष्टि का उत्तर स्पष्ट है। युवा भविष्य नहीं है; युवा वर्तमान का कर्ता है।

डिजिटल पीढ़ी और शाखा का प्रत्यक्ष संवाद

आज के युवा की दुनिया बदल गई है। उसका सामाजिक संपर्क मोबाइल स्क्रीन पर है, सूचना का प्रवाह सेकंडों में होता है और उसकी भाषा लगातार बदलती रहती है। ऐसे समय में किसी शताब्दी पुराने संगठन का उसके साथ संवाद स्थापित कर पाना अपने आप में अध्ययन का विषय है। लेकिन यहाँ संघ की एक विशेषता सामने आती है। संघ ने नई पीढ़ी से संवाद करने के लिए केवल नई भाषा सीखने की कोशिश नहीं की; उसने उसके बीच जाकर संवाद की परंपरा को ही निरंतर बनाए रखा। ह्वखङ्क्लल फ्तरह्व जैसे ऑनलाइन माध्यम से कोविड काल में 1,25,000 युवाओं द्वारा संघ से जुड़ने की इच्छा व्यक्त करना इसी बदलते परिवेश का संकेत है। 2012 में इस मंच की शुरूआत के बाद से लाखों युवाओं ने इसके माध्यम से संघ की गतिविधियों में रुचि दिखाई है। यहाँ डिजिटल माध्यम साधन है; संबंध का मूल आधार नहीं। मूल आधार है-प्रत्यक्ष संपर्क। शाखा का पूरा ढाँचा इसी प्रत्यक्ष संपर्क पर आधारित है। व्यक्ति से व्यक्ति संवाद, साथ बैठना, साथ खेलना, साथ सीखना और साथ काम करना- यह संगठनात्मक पद्धति किसी सोशल मीडिया एल्गोरिद्म पर निर्भर नहीं है। शायद यही कारण है कि संघ डिजिटल युग की पीढ़ी से संवाद करते हुए भी अपनी मूल संगठनात्मक प्रकृति को बनाए रख सकता है।

"Clock it" से आगे की कहानी

मुंबई का वह प्रसंग इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसमें एक प्रतीक छिपा हुआ है। जब एक वरिष्ठ व्यक्ति युवा की भाषा में प्रयुक्त अभिव्यक्ति को सहजता से स्वीकार करता है, तो वह केवल युवा होने का अभिनय नहीं कर रहा होता। वह यह संदेश दे रहा होता है कि सीखना किसी एक आयु-वर्ग का विशेषाधिकार नहीं है। युवा वरिष्ठों से अनुभव लेता है। वरिष्ठ युवाओं से नवीनता सीखते हैं। यही संवाद किसी संगठन को जीवित रखता है। यदि कोई संगठन केवल अपनी पुरानी पीढ़ी की भाषा में बोलता रहे, तो वह धीरे-धीरे संग्रहालय में बदल जाता है। और यदि वह अपनी मूल दृष्टि छोड़कर केवल नई पीढ़ी की भाषा की नकल करने लगे तो उसकी पहचान समाप्त हो जाती है। संघ के सामने चुनौती इन दोनों अतियों से बचने की है। मूल्य स्थिर रहें, अभिव्यक्ति समयानुकूल हो। ध्येय स्थिर रहे, कार्यपद्धति गतिशील हो। विचार की निरंतरता रहे, लेकिन पीढ़ियों के बीच संवाद खुला रहे। संघ की शताब्दी के संदर्भ में यही सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है।

सोलह वर्षः आयु नहीं, एक मानसिकता

सोलह वर्ष को यदि केवल युवावस्था की जैविक आयु के रूप में देखा जाए तो संघ की वास्तविकता समझ में नहीं आएगी। सोलह वर्ष यहाँ एक मानसिक अवस्था का प्रतीक है। सवाल पूछने का साहस। नई चीज सीखने की उत्सुकता। असफलता से न घबराने की क्षमता। भविष्य के प्रति विश्वास। और किसी बड़े उद्देश्य के लिए स्वयं को समर्पित करने की आकांक्षा। यही गुण किसी संगठन को वृद्ध होने से बचाते हैं। संघ के पास वरिष्ठता का विशाल अनुभव है लेकिन उसकी शाखाओं में नई पीढ़ी की ऊर्जा है। उसके पास सौ वर्ष का इतिहास है लेकिन उसके सामने भविष्य की अनेक संभावनाएँ हैं। इसलिए संघ की शताब्दी का वास्तविक उत्सव केवल अतीत का स्मरण नहीं हो सकता। उसका वास्तविक अर्थ यह देखना होगा कि अगली शताब्दी के लिए कौन-सी पीढ़ी तैयार हो रही है।

यदि आज की शाखाओं में बाल स्वयंसेवक और तरुण स्वयंसेवक उसी उत्साह से उपस्थित हैं, यदि वे प्रश्न पूछ रहे हैं, सीख रहे हैं, नेतृत्व कर रहे हैं और समाज के लिए समय दे रहे हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि संघ ने अपनी शताब्दी पूरी अवश्य की है परंतु उसने अपनी युवा ऊर्जा नहीं खोई है। संगठन बूढ़ा तब होता है जब उसकी अगली पीढ़ी उससे प्रश्न पूछना बंद कर देती है। संघ की शाखाओं में आज भी प्रश्न हैं, संवाद है, उत्साह है और नई पीढ़ी है। शायद इसीलिए संघ सौ वर्ष का होकर भी सदा सोलह वर्ष का है।

साइबर अपराधियों पर पहाड़ की डिजिटल चोट

कभी सीमित इंटरनेट और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण पहाड़ को तकनीकी विकास की दौड़ में पीछे माना जाता था, लेकिन आज वही उत्तराखंड डिजिटल सुरक्षा के मोर्चे पर देश के अग्रणी राज्यों के बीच अपनी जगह बना रहा है। साइबर अपराध से निपटने की दिशा में राज्य पुलिस की कार्रवाई, तकनीकी क्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया को इस सप्ताह राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उत्तराखंड को साइबर अपराध नियंत्रण के मामले में देश के शीर्ष पांच राज्यों में स्थान मिला है।

यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि साइबर अपराध अब केवल महानगरों की समस्या नहीं रह गया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बैंकिंग, सोशल मीडिया और इंटरनेट आधारित सेवाओं के तेजी से विस्तार के साथ पहाड़ के गांवों और कस्बों तक भी साइबर ठगी का खतरा पहुंच चुका है। फर्जी निवेश योजनाएं, डिजिटल अरेस्ट, बैंकिंग फ्रॉड, फर्जी लिंक, ओटीपी और केवाईसी के नाम पर ठगी जैसे अपराध आम आदमी की मेहनत की कमाई को निशाना बना रहे हैं। ऐसे समय में पुलिस की पारंपरिक कार्यशैली के साथ तकनीकी दक्षता का होना बेहद जरूरी हो गया है।

उत्तराखंड सरकार और पुलिस ने साइबर अपराध से मुकाबले के लिए शिकायतों की त्वरित रिपोर्टिंग और कार्रवाई पर जोर दिया है। राज्य में साइबर अपराध के लिए 1930 हेल्पलाइन उपलब्ध है, ताकि ठगी का शिकार होने वाला व्यक्ति तत्काल शिकायत दर्ज करा सके। सरकारी तंत्र की ओर से लोगों को डिजिटल लेन-देन में सावधानी बरतने और संदिग्ध लिंक, कॉल तथा संदेशों से बचने के लिए लगातार जागरूक भी किया जा रहा है।

साइबर अपराध की प्रकृति ऐसी है कि अपराधी अक्सर राज्य या देश की सीमाओं से बाहर बैठकर वारदात को अंजाम देते हैं। ऐसे में केवल स्थानीय स्तर पर मुकदमा दर्ज कर लेना पर्याप्त नहीं होता। बैंकिंग संस्थानों, दूरसंचार कंपनियों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और दूसरे राज्यों की पुलिस एजेंसियों के साथ समन्वय भी जरूरी होता है। इसी दिशा में उत्तराखंड पुलिस की तकनीकी क्षमता और साइबर अपराध की जांच को मजबूत करने की कोशिशें महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

राज्य में नई आपराधिक कानून व्यवस्था के साथ डिजिटल साक्ष्यों और साइबर अपराध की जांच को लेकर प्रशिक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है। उत्तराखंड न्यायिक एवं विधिक अकादमी में इसी वर्ष साइबर कानून, साइबर अपराध और डिजिटल साक्ष्यों से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए यह उपलब्धि डिजिटल सुशासन और आधुनिक पुलिसिंग की दिशा में आगे बढ़ते राज्य की तस्वीर पेश करती है। लेकिन साइबर अपराध की चुनौती इतनी तेजी से बदल रही है कि किसी एक उपलब्धि पर रुकना संभव नहीं। अपराधी नई तकनीक अपना रहे हैं तो पुलिस को उससे एक कदम आगे रहना होगा।

उत्तराखंड की भौगोलिक पहचान भले ही पहाड़ों और घाटियों से जुड़ी हो, लेकिन साइबर सुरक्षा का मैदान पूरी तरह डिजिटल है। यहां अपराधी का चेहरा दिखाई नहीं देता, वारदात की कोई निश्चित सीमा नहीं होती और कुछ सेकंड में हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति के खाते से पैसा गायब हो सकता है।

ऐसे दौर में उत्तराखंड की यह नई पहचान उम्मीद जगाती है कि पहाड़ अब केवल प्रकृति और पर्यटन की पहचान नहीं, तकनीक और डिजिटल सुरक्षा के मोर्चे पर भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रहा है। साइबर अपराधियों के लिए संदेश साफ है- पहाड़ शांत जरूर है, लेकिन डिजिटल सुरक्षा के मोर्चे पर अब जाग चुका है।

जानकारी

मानूसन में दाद, खाज और खुजली से रहना है दूर तो यूज करें ये नुस्खे

फंगल इंफेक्शन किसी भी मौसम में हो सकता है, लेकिन गर्म और उमस भरे मौसम में फंगल इंफेक्शन होने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मानसून के दौरान बहुत से लोगों ये संक्रमण हो जाता है। इस मौसम के दौरान आपको दाद या फिर पैर और नाखून में संक्रमण जैसे फंगल इंफेक्शन होने का खतरा रहता है, जिस पर आपको ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है। इस प्रकार के संक्रमण गंदगी या दूषित पानी के संपर्क में आने के कारण हो सकते हैं।

अगर आप सिंथेटिक कपड़े पहनते हैं, तो आपकी त्वचा सांस नहीं ले पाती, जो कि फंगल संक्रमण के कारणों में से एक है। इसके अलावा अगर आप मधुमेह या मोटापे के शिकार हैं तो आपको फंगल संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है। हालांकि किसी प्रकार के भी संक्रमण होने पर डॉक्टर को दिखाना आवश्यक है, लेकिन आप अपने घर और आसपास कुछ आसानी से उपलब्ध सामग्री का उपयोग कर इस संक्रमण से बच सकते हैं। अगर आप इस बात से

अंजान हैं तो हम आपको बता रहे हैं कि कैसे आप अपने घर में बैठे-बैठे फंगल संक्रमण से छुटकारा पा सकते हैं।

नीम की पत्तियां

मुट्ठीभर नीम की पत्तियों को करीब 10 मिनट तक उबालइए। इन नीम की पत्तियों के चिकित्सा गुण पानी में चले जाएंगे। उसके बाद इस पानी से नहा लीजिए और कुछ पानी को बाद में प्रयोग के लिए रख दीजिए। नीम की पत्तियों में रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो त्वचा में मौजूद अशुद्धियों व विषाक्त पदार्थ साफ कर देते हैं।

एलोवेरा

एलोवेरा के तने से जेल को निकाल लें और इसे त्वचा पर लगाएं। इसके बजाए आप बाजार में उपलब्ध एलोवेरा क्रीम और जेल का भी उपयोग कर सकते हैं। इसे दिन में 2 से 3 बार लगाएं। इसमें मालोज़, लैक्टोज़ और स्टेरोल्स जैसे शुगर होते हैं, जो फंगल संक्रमण से लड़ने में बहुत प्रभावी होते हैं।

बर्फ के टुकड़े से भरे एक प्लास्टिक बैग को एक साफ-सुथरे कपड़े में लपटे लें और आपका ठंडा सेक तैयार है। जिस जगह दाद, खाज और खुजली हो वहां हर 15 मिनट के अंतराल पर ठंडा सेक लगाएं। इससे खुजली और दर्द में कमी आएगी। इसका उपचार बहुत पहले से त्वचा संबंधी एलर्जी की समस्या में किया जाता रहा है। इसमें बस थोड़ा सा पानी मिलाइए और इस घोल में रुई को डुबोइए और प्रभावित हिस्से पर धीरे-धीरे लगाइए। सेब के सिरके में एंटीसेप्टिक, एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जो राहत प्रदान करते हैं।

वेट लॉस ड्रिंक तेजी से घटाएगी आपका वजन और पेट की चर्बी

ऐसे तैयार करें वजन घटाने के लिए ड्रिंक

आजकल अधिकतर लोग अपने बढ़ते वजन को लेकर परेशान हैं, ऐसे में इन 5 चीजों से बनी ये वेट लॉस ड्रिंक आपके बढ़ते वजन को कंट्रोल करने व बैली फैट को कम करने का असरदार तरीका है। वर्तमान में अधिकतर लोग अपने बढ़ते वजन को लेकर परेशान हैं, ऐसे में इन 5 चीजों से बनी ये वेट लॉस ड्रिंक का उपयोग कर सकते हैं, जो उनके बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के साथ बैली फैट को कम करती है। पेट के एक्सट्रा फैट को कम करना आसान नहीं होता, लेकिन इतना भी मुश्किल नहीं है। इसके लिए एक स्वस्थ जीवन शैली के साथ आप अपने अतिरिक्त वजन को कम कर सकते हैं। आपके वजन को कम करने व बैली फैट को दूर कर स्लिम-ट्रिम बॉडी पाने के लिए नींबू, कच्चा शहद, एप्पल साइडर विनेगर, दालचीनी और पानी से बनी ये ड्रिंक जादुई टॉनिक के समान है। आप आसानी से इस ड्रिंक को घर पर बना सकते हैं, जो कि आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने में मदद करेगी और जिससे कुछ ही दिनों के अंदर आप अपना वजन कंट्रोल कर पाएंगे।

सामग्री :

- पानी
- नींबू
- एप्पल साइडर विनेगर
- दालचीनी पाउडर
- कच्चा शहद

बनाने का तरीका :

- सबसे पहले आप लगभग 250 मिलीलीटर पानी को उबाल लें।
- अब थोड़ा ठंडा होने पर इसमें 2 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर डालें।
- इसके अलावा, आप 2 बड़े चम्मच ताजा नींबू का रस एवं एक चम्मच दालचीनी पाउडर डालें।
- सबसे आखिरी में आप एक चम्मच कच्चा शहद डालें और अच्छी तरह से मिलाएं।
- अब आप अपने वजन को कम करने और फैट कम करने के लिए रोजाना खाली पेट पीएं।

मोटापा कई बीमारियों की खान है। यह कई गंभीर स्थितियों जैसे कि डायबिटीज, हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर, स्ट्रोक आदि की जड़ है, जो कि इन सभी बीमारियों के खतरे को बढ़ाता है। यदि आप फिट हैं और आपका वजन लंबाई के अनुसार है, तो आप कई बीमारियों से बच सकते हैं, साथ ही स्लिम-ट्रिम बॉडी आपको आर्कषक दिखने में भी मदद करती है। अगर आपका वजन अधिक है या आप मोटापे के शिकार हैं, तो आप नींबू, ऑर्गेनिक ऐप्पल साइडर विनेगर, दालचीनी, शहद और पानी की मदद से अपने मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देकर तेजी से एक्सट्रा फैट कम कर सकते हैं। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों और अपशिष्ट उत्पादों को खत्म करने में मददगार है और तेजी से वजन कम करने मे फायदेमंद है।

ऐसे कम करेगी इन चीजों से बनी ड्रिंक आपका वजन

- सबसे पहली बात, यह ड्रिंक आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देने में मदद करती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।
- नींबू आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है और पाचन क्रिया को बढ़ाने में मदद करता है, साथ ही वसा के अवशोषण को कम करता है, जिससे कि आपको वजन कम करने में मदद मिलती है।
- एप्पल साइडर विनेगर वजन घटाने के लिए सबसे अधिक प्रभावशाली घरेलू उपचारों में से एक है, क्योंकि यह आपके मेटाबॉलिज्म को सक्रिय करने में मदद करता है।
- दालचीनी भी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है, जिससे वजन कम होता है।दालचीनी पेट की चर्बी को कम करने के लिए उपयोगी हो सकता है।
- शहद को वजन घटाने सहित कई स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है।

सुझाव

घरेलू नुस्खों से मिलता है कान दर्द में आराम

कान में होने वाला दर्द बहुत असहनीय होता है। इसके पीछे कई कारण होते हैं, जैसे कान पर चोट लग जाना या किसी प्रकार की समस्या आदि। इनसे बचने के लिए घर पर ही कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं, जो कान दर्द से निजात दिलाती हैं। आइए जानें कान दर्द के घरेलू नुस्खों के बारे में-

मेथी

पांच ग्राम मेथी के बीज एक बड़ा चम्मच तिल के तेल में गरम करें। इसे छानकर शीशी में भर लें। हर रोज सुबह-शाम दो बूंद इसे कान में डालें। इसे कान पीप का उम्दा इलाज माना गया है।

यूकेलिप्टस का तेल

एक कटोरे में उबाला हुआ पानी लें, इसमें यूकेलिप्टस के तेल की कुछ बूंदें और एक चम्मच विक्स मिला दें, अब एक तौलिए से अपने सिर को अच्छी तरह से ढक लें और नाक से सांस के माध्यम से वाष्प को जितना हो सके अंदर खींचें, यह अंदर के दबाव को कम कर कर्णस्राव को बाहर निकालने में मदद करता है।

नमक से सिंकाई

चार या पांच चम्मच नमक को तब तक धीमी आंच पर भुनें जब तक की यह भूरे रंग का न हो जाए, अब इस गर्म किए हुए भुने नमक को एक साफ कपड़े पर अच्छी तरह से लपेट लें और इसे कान के प्रभावित हिस्से में दो से पांच मिनट तक रखें आप सूजन और दर्द में आराम महसूस करेंगे।

विटामिन सी का सेवन

अपने भोजन में अधिक से अधिक विटामिन-सी युक्त पदार्थों जैसे अमरुद, नींबू, संतरे, पपीते अदि फलों का प्रयोग करें ये कान में होने वाले दर्द को कम करने में उपयोगी होते हैं।

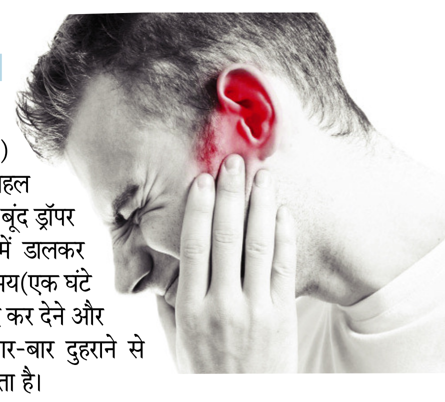

सिरका

सफेद सिरके (वेनेगर) एवं रबिंग एल्कोहल के मिश्रण को दो बूंद ड्रॉपर की मदद कान में डालकर कान को कुछ समय(एक घंटे) तक रूई से बंद कर देने और इसी क्रम को बार-बार दुहराने से संक्रमण ठीक होता है।

अदरक

कान में दर्द की समस्या को नजरअंदाज करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अगर कान में दर्द हो रहा है तो अदरक का रस निकालकर दो बूंद कान में टपका देने से भी दर्द और सूजन में काफी आराम मिलता है।

लहसुन

लहसुन की दो कलियों को अच्छी तरह से पीस लें, अब इसमें एक चुटकी नमक मिलाकर ऊनी कपड़े से बनाई गई पुल्टीस को दर्द वाले हिस्से के ऊपर रखें, इससे दर्द में आराम मिलेगा।

प्याज का रस

प्याज का रस निकाल लें, अब रुई के फाए या किसी वूलेन कपड़े के टुकड़े को इस रस में डुबाएं अब इसे कान के ऊपर निचोड़ दें इससे कान में उत्पन्न सूजन, दर्द ,लालिमा एवं संक्रमण को कम करने में मदद मिलती है।

सरसों का तेल

दो या तीन बूंद सरसों का तेल संक्रमण युक्त कर्णवेदना में लाभ देता है। एक साफ सुथरे तौलिए को गर्म पानी में डुबाएं और इसे संक्रमण युक्त कान के हिस्से के ऊपर दबाते हुए लगभग बीस मिनट तक रखें यह कर्णवेदना से तुरंत आराम देता है।

तुलसी की पत्तियां

तुलसी के पत्तों का रस गुनगुना कर दो-दो बूंद सुबह-शाम डालने से कान के दर्द में राहत मिलती है। अगर अक्सर कान में दर्द होता है तो यह नुस्खा बहुत ही असरकारी साबित हो सकता है आपके लिए। तुलसी के पत्तों में औषधीय गुण होते हैं जो दर्द में आराम दिलाते हैं।

स्वस्थ रहने के लिए बारिश में उठाएं ट्रैकिंग का आनंद

अगर मानसून में रोजाना टहलना एक चुनौती है, तो फिर ट्रैक पर जाने की योजना बनाएं। बारिश के दिनों में ट्रेकिंग बिल्कुल सही होती है, जिसमें आप मौसम का आनंद लेते हुए कैलोरी बर्न करते हैं।

ट्रैकिंग का शुमार सबसे चुनौतीपूर्ण बाहरी गतिविधियों में होता है, जो लोग कभी ट्रैकिंग के लिए गए थे, वही जान सकते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रही हूं। पहाड़ पर चढ़ना, ऊंचाई, ऑक्सीजन का कम स्तर और हां, असहनीय ठंडक को भी न भूलें। हममें से ज्यादातर लोग पर्वतीय क्षेत्रों की परिस्थितियों के आभ्यस्त नहीं होते हैं। यह चीज ट्रैकिंग को और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण बना देती है। बहरहाल, अपने आहार और पोषण में कुछ समायोजन करके आप पर्वतारोहण को ऐसी गतिविधि बना सकते हैं, जो बहुत कठोर नहीं लगेगी।

इससे पहले कि मैं आपको बताऊं कि क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, हमारे लिए यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आपका खानपान जो भी हो, आपको ट्रैक के लिए सामान को सीमित करना ही होगा। आपके बैग का वजन आपके पॉश्चर पर असर डालता है, जिससे ट्रैक के दौरान और नुकसान हो सकता है। यदि आपकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग जाती है, तो फिर बाकी ट्रैकिंग को भूल ही जाएं, यहां तक कि सुबह उठना भी बहुत मुश्किल हो जाएगा। यदि आपके ट्रैक की अवधि एक पखवाड़े से कम है, तो बैकपैक 40 से 50 लीटर तक रखें (परिमाण (वॉल्यूनम) के संदर्भ में)। आमतौर पर, अत्यावश्यक चीजें और एक स्लीपिंग बैग ले जाने के लिए 50 लीटर का बैकपैक पर्याप्त होना चाहिए। बैकपैक के वजन को 9-10 किलोग्राम तक सीमित करना सबसे अच्छा है, लेकिन यदि ट्रेक की अवधि सामान्य से ज्यादा है, तो वजन 12 किलोग्राम के भीतर रखने की कोशिश करें।

अब जबकि हमने ट्रैक के लिए पैकिंग की बुनियादी बातें जान ली हैं, यहां कुछ बहुत जरूरी चीजें बताई जा रही हैं। आप सुनिश्चित करें कि आपके अगले ट्रेक में इन सबका ध्यान रखा जाएगा।

- स्वास्थ्यवर्धक पौष्टिक नाश्ते के साथ करें अपने दिन की शुरुआत : अपनी हाइकिंग ट्रिप की ऊर्जा भरी शुरुआत के लिए पौष्टिक नाश्ता करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह आपको आगे बढ़ते रहने की ताकत देगा और रिकवर करने में भी सहायक होगा। सेहतमंद नाश्ते के विकल्पों में उपमा, पोहा, इडली, डोसा, दूध या दही के साथ रॉल्ड ओट्स, नट्स के साथ दूध में ग्रेनोला आदि शामिल हैं। इन दिनों आपको आधुनिक रिटेल और ईकॉमर्स में क्विनोआ और मिलेट्स से बने उपमा और पोहे का अधिक सेहतमंद वर्जन भी मिल सकता है।

- सफर के दौरान ताकत और ऊर्जा पाने के लिए हल्का, संतुष्टि देने वाला और पौष्टिक भोजन लें: आपको पहाड़ों में दुकानें नहीं मिलेंगी, इसलिए ऐसे फूड आइटम साथ रखें, जो आकार में छोटे, सुविधाजनक और पर्याप्त ऊर्जा प्रदान करने वाले हों। ये आप पर बोझ डाले बगैर

आपका पेट भरने और संतुष्टि का अहसास कराएंगे। पर्वतारोहण ही राह में आप कभी-कभार कम आबादी वाले क्षेत्रों से गुजरेंगे, जहां लोग गर्म पेय के साथ आपका स्वागत कर सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे कि जैसे-जैसे आप ऊपर चढ़ते जाएंगे, इसकी संभावना कम होती जाएगी। इसलिए, आपको अपने भोजन को अच्छी तरह से पैक करना चाहिए और इसे सहज एवं पौष्टिक रखना चाहिए। सूप और हेल्थ शेक आदर्श होते हैं, क्योंकि उन्हें बनाने में कम ही वक्त लगता है और वे साथ रखकर ले जाने में भी आसान होते हैं। बहरहाल, आम इंस्टैंट सूप्स के बजाय आपको हाई प्रोटीन सूप्स और भोजन की जगह ले सकने वाले शेक्स का चयन करना चाहिए, जिनमें मोरिंगा, क्विनोआ, बकव्हीट (कुटू), ऐमारैंथ (चौलाई) और हल्दी जैसे घटक होते हैं। इन घटकों को आमतौर पर सुपरफूड्स कहा जाता है, क्योंकि वे आपके शरीर और लंबी चढ़ाई के लिए जरूरी पोषक तत्वों और विटामिनों से भरपूर होते हैं। इसके साथ ही तुलनात्मक रूप से कम जगह भी घेरते हैं। जब आप ऊंचाई पर चढ़ते हैं तो ठंड बढ़ती जाती है। ऐसे में सूप आपको गर्म भी रखते हैं। आपको इन सूप्स को गुनगुने पानी में घोलने की ही जरूरत होती है। ये सूप ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और रिटेल स्टोर पर व्यापक रूप से उपलब्ध हैं।

- चीनी से परहेज करें: यदि आप गले में खिचखिच या निर्जलीकरण जैसी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो ट्रेक शुरू होने से पहले ही चीनी का सेवन कम कर दें। इंसानी शरीर के लिए चीनी आवश्यक तो है, लेकिन हम में से ज्यादातर लोग इसका जरूरत से ज्यादा सेवन करते हैं और हमें अहसास भी नहीं होता। इससे दिल पर बुरा असर पड़ सकता है। यह कुछ ऐसा है जिससे आप ऊंचाई पर अवश्य बचना चाहेंगे। हममें से कुछ लोग चीनी के आभ्यस्त होते हैं और उन्हें इस बात का अहसास भी नहीं होता। यदि आप उनमें से एक हैं, तो फिर अच्छा होगा कि रोजाना धीरे-धीरे चीनी की मात्रा कम करना शुरू कर दें।

- कम से कम 4 लीटर पानी पीएं : एक बार फिर कहना पड़ेगा, यह ऐसी चीज है, जिसका हमें रोजाना पालन करना चाहिए। काफी ऊंचाइयों पर जाहिर है कि ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है और पानी में मौजूद ऑक्सीजन के गुण कुछ हद तक इसकी भरपाई कर सकते हैं। इसके अलावा, पानी मांसपेशियों में ऐंठन की आशंका को कम करता है, जो कि पहली बार ट्रैक करने वालों के मामले में बहुत आम है। ध्यान रहे, 4 लीटर पानी आपके बैग में एक अहम वजन जोड़ सकता है। इसलिए, पहाड़ पर सावधानी से चलें और चढ़ाई के लिए सूझबूझ के साथ पैक करें।

अपने सामान्य खानपान में बदलाव करके उसे ट्रैकिंग के उपयुक्त बनाना मुश्किल है। मेरी सिफारिश है कि पहाड़ पर चढ़ने से पहले आप मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से तैयार होने के लिए खुद को कम से कम दो सप्ताह का समय दें। कुछ लोगों के लिए ट्रैकिंग एक लत की तरह होती है। वे कहते हैं कि जब आप पहाड़ की चोटी पर पहुंचते हैं, तो इस धरती पर उससे ज्यादा रोमांचक और कुछ नहीं होता। इसलिए सेहतमंद आहार लें, फिट रहें, और अपने मन, शरीर व आत्मा को परम आनंद के पलों की अनुभूति का अवसर दें।

■ शेरिल सैलिस, डाइटीशियन और डायबिटीज एजुकेटर

रेसिपी

बाजरा मेथी मिस्सी रोटी

सामग्री

■ बाजरा आटा: 200 ग्राम ■ 100 आटा ■ बारीक कटा प्याज: 1 ■ मेथी की भाजी: 250 ग्राम ■ लहसुन की कलियां: 3 ■ दही: 1 कप ■ हरी मिर्च: 2 ■ कद्दूकस किया पनीर: 50 ग्राम ■ धनियापत्ती: 2 टेबलस्पून ■ हल्दी पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ नमक: स्वादे के अनुसार ■ घी: 2 चम्मच ■ जरूरत के अनुसार पानी ■ तवा

विधि

सबसे पहले मेथी भाजी धोकर बारीक काट लें। इसके बाद एक बर्तन में बाजरे और आटा डाल लें। फिर इसमें लहसुन, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, मिर्च और घी मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें मेथी, प्याज, पनीर, धनियापत्ती मिला लें। इसके बाद दही डालकर आटा तैयार कर लें। आटे की 10-12 बराबर लोइयां तोड़ लें। एक प्लेट पर सूखा आटा रख लें और तवे को गर्म होने रखें। एक लोई लेकर सूखा आटा लगाकर थोड़ा फैला लें, बेलकर रोटी तैयार कर लें और रोटी तवे पर दोनों तरफ से सेंक लें। इसी तरह अन्य रोटियां तैयार करें। आप चाहें तो रोटी पर तेल लगाकर सेंक सकती हैं।

ढाबे वाली सब्जी

सामग्री

■ तेल: 2 टेबलस्पून ■ प्याज: 3 ■ टमाटर: 2 ■ सूखे नारियल के टुकड़े: 50 ग्राम ■ लाल मिर्च: 3 ■ 2 तेज पत्ता ■ दालचीनी: 2 टुकड़े ■ 5 लौंग ■ 1 बड़ी इलायची ■ 3 छोटी इलायची ■ लहसुन की 10 कलियां ■ नमक

विधि

एक कड़ाही में तेल गरम करें। इसमें सूखे नारियल डालकर सुनहरा होने तक भून लें। इसमें सूखी लाल मिर्च, तेज पत्ता, दालचीनी के टुकड़े, लौंग, बड़ी इलायची और छोटी इलायची डालकर भून लें। अब प्याज, अदरक और लहसुन डालकर भून लें। इसके बाद काजू डालें और 3 से 5 मिनट तक चलाते हुए भून लें। प्याज भुनने के बाद टमाटर और नमक डालकर 2 मिनट तक भून लें। अब इसमें 2 कप पानी डालें और 10 मिनट तक पकाएं। तय समय के बाद आंच बंद करें और ठंडा होने दें। ठंडा हो जाए तो जार में डालकर पेस्ट बना लें। इसके बाद फिर उसी कड़ाही में 2 टेबलस्पून तेल डालकर गर्म करें। इसके बाद 1 टीस्पून जीरा पाउडर, 2 टीस्पून धनिया पाउडर और 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर डलकर धीमी आंच पर भून लें। इसके बाद बनाया पेस्ट डालकर आंच को मीडियम कर लें और 3 से 4 मिनट तक भून लें। तैयार है ढाबा स्टाइल ग्रेवी। इसके बाद इस विधि से ग्रेवी से सब्जी बनाएं। सबसे पहले मीडियम आंच पर एक कड़ाही में 3 टीस्पून तेल गर्म करें। इसके बाद एक टीस्पून जीरा डालकर चटकने तक भून लें। अब 2 प्याज (बारीक कटा हुआ) और 1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद 1 टीस्पून लाल मिर्च, 1 टीस्पून गरम मसाला, नमक और मुट्ठीभर धनियापत्ती डालकर चलाते हुए भूनेंगे। भुनने के बाद उबले हुए सब्जी डालें। इसके बाद बनी हुई ग्रेवी डालकर चलाते हुए भून लें। ग्रेवी में हल्का पानी मिलाकर 3 से 4 मिनट तक पका लें।

सीवर और मैनहोल में मानव प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगे : डॉ. भारत नगर

नई दिल्ली स्थित प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एल्गोरिदम एंड एम्बिशन फ्रॉम कैंपस टू सी-सूट पुस्तक का भव्य विमोचन किया गया। इस अवसर पर नीति-निमार्ताओं, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. भारत नगर ने अपने संबोधन में AI तकनीक के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि AI आधारित टूल्स अब दूर से ही भूमिगत, इमारतों के अंदर और खुले क्षेत्रों में पड़े खतरनाक कचरे (Hazardous Waste) की पहचान कर सकते हैं, वहीं अकरोबोट बिना किसी मानव जोखिम के उसे हटाने और सुरक्षित निपटान में सक्षम हैं। डॉ. नागर ने कहा

कि वर्ष 2013 के कानून और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निदेर्शों के अनुसार मैनहोल और सीवर में मानव प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है।

इसके बावजूद अवैध प्रथाएं और ठेका व्यवस्था की खामियां आज भी लोगों की जान जोखिम में डाल रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नगर निकायों को अब मैनुअल लेबर के स्थान पर केवल अकआधारित मशीनों और रोबोट्स का ही उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने आगे सुझाव दिया कि खतरनाक कचरे के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए।

यह कचरा ठोस, तरल या गैस के रूप में हो सकता है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। इसके सुरक्षित प्रबंधन, उपचार और निपटान के लिए आधुनिक अकतकनीक अत्यंत आवश्यक है, जो किसी भी स्थान चाहे वह जमीन के नीचे हो या खुले क्षेत्र में कचरे की पहचान कर सकती है और उसे बिना किसी मानव हस्तक्षेप के संभाल सकती है। डॉ. नागर ने यह भी जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश और गुजरात में कुछ कंपनियों ने इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया है, जो AI तकनीक के माध्यम से खतरनाक कचरे के प्रबंधन का सफल मॉडल प्रस्तुत कर रही हैं।

इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने भी अकके विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा, शासन और उद्योग में बढ़ते उपयोग पर अपने विचार साझा किए और इसे भविष्य की आवश्यकता बताया।

पॉपआइज® ने लॉन्च किया 5 बोल्ड फ्लेवर्स ऑफ पनीर बर्गर

लुसियाना के मशहूर फ्राइड चिकन ब्रांड पॉपआइज® ने भारत में अपनी अब तक की सबसे बड़ी पनीर बर्गर रेंज '5 बोल्ड फ्लेवर्स ऑफ पनीर' लॉन्च की है। कंपनी ने पांच इंटरनेशनल फ्लेवर वाली इस नई रेंज के जरिए अपने वेजीटेरियन मेन्यू को और मजबूत किया है। इसमें पॉपआइज के सिग्नेचर बोल्ड टेस्ट को भारत के लोगों की सबसे पसंदीदा शाकाहारी चीज, पनीर के साथ नए फ्लेवर कॉम्बिनेशन में पेश किया गया है। भारत में वेजीटेरियन फूड (शाकाहारी खानपान) की पसंद तेजी से बदल रही है।

लोग अब पारंपरिक विकल्पों के साथ-साथ नए और इंटरनेशनल फ्लेवर भी आजमाना चाहते हैं, लेकिन परिचित स्वाद से समझौता किए बिना। पनीर लंबे समय से भारतीयों का पसंदीदा शाकाहारी विकल्प रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए पॉपआइज ने अपने वैश्विक फ्लेवर अनुभव को पनीर के साथ जोड़कर यह नई रेंज पेश की है। नई रेंज में बोल्ड पनीर, क्लासिक पनीर, अमेरिकन मयो पनीर बर्स्ट, हैबोनेरो पनीर बर्स्ट और कोरियन पनीर बर्स्ट शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि यह देश में किसी भी क्यूएसआर ब्रांड की सबसे बड़ी पनीर बर्गर रेंज में से एक है।

इस रेंज में पारंपरिक स्वाद से लेकर इंटरनेशनल फ्लेवर तक कई विकल्प दिए गए हैं। हर बर्गर को पॉपआइज के सिग्नेचर बोल्ड टेस्ट के साथ तैयार किया गया है, ताकि ग्राहकों को पनीर का स्वाद नए-नए फ्लेवर में लेने का मौका मिल सके।

लॉन्च पर पॉपआइज® इंडिया के ईवीपी एवं चीफ बिजनेस ऑफिसर विभोर गुप्ता ने कहा पॉपआइज में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि बेहतरीन स्वाद महज कुछ विकल्पों तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमारी पहचान भले ही फ्राइड चिकन से रही हो, लेकिन हम यह भी समझते हैं कि भारत के शाकाहारी ग्राहक भी अपने भोजन में नए स्वाद, विविधता और अलग अनुभव चाहते हैं। पनीर देश के सबसे पसंदीदा शाकाहारी खाद्य पदार्थों में से एक है। '5 बोल्ड फ्लेवर्स ऑफ पनीर' के जरिए हमने पनीर के परिचित स्वाद को इंटरनेशनल फ्लेवर के साथ नए अंदाज में पेश करने की कोशिश की है। यह भारत में हमारी अब तक की सबसे बड़ी पनीर पेशकश है और भारतीय ग्राहकों के लिए अपने वेजीटेरियन मेन्यू को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम भी है। इस लॉन्च के प्रचार के लिए पॉपआइज ने कॉमेडियन आकाश गुप्ता के साथ साझेदारी की है, जो पनीर के प्रति अपने लगाव के लिए भी जाने जाते हैं। डिजिटल कैम्पेन में आकाश गुप्ता पॉपआइज की इस चुनौती को स्वीकार करते नजर आएंगे कि क्या यह रेंज वाकई भारत का सबसे बोल्ड पनीर बर्गर अनुभव दे सकती है। इस कैम्पेन को इन्फ्लुएंसर्स और सोशल मीडिया एक्टिविटी का भी सहयोग मिलेगा। इसके जरिए कंपनी बोल्ड वेजीटेरियन फ्लेवर को लेकर लोगों के बीच चर्चा बढ़ाने के साथ-साथ अपनी अलग मार्केटिंग पहचान को भी मजबूत करना चाहती है। पॉपआइज के हर नए इनोवेशन में बोल्ड फ्लेवर हमेशा सबसे आगे रहा है।

अपनी अब तक की सबसे बड़ी पनीर बर्गर रेंज के साथ कंपनी भारतीय ग्राहकों की बदलती और अलग-अलग तरह की खानपान पसंद को ध्यान में रखते हुए अपने मेन्यू का विस्तार कर रही है। इसका उद्देश्य ग्राहकों को वही खास स्वाद अनुभव देना है, जिसने पॉपआइज को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय क्यूएसआर ब्रांड्स में अपनी अलग पहचान दिलाई है।

11 वर्ष की उम्र में योग के क्षेत्र में देवांगी लालवानी ने रचा इतिहास, 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम

राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर बढ़ाया सिंधी समाज का गौरव, सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया करेगी सम्मानित

खेरथल (राजस्थान)। प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती इस कहावत को

महज 11 वर्ष की उम्र में खेरथल, राजस्थान की होनहार बालिका देवांगी लालवानी ने योग के क्षेत्र में अपनी शानदार उपलब्धियों से सच साबित कर दिखाया है। योग के प्रति समर्पण, कठिन अभ्यास और अनुशासन के बल पर देवांगी ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है और अपने परिवार के साथ-साथ पूरे सिंधी समाज का नाम रोशन किया है। देवांगी ने मात्र 4 वर्ष की उम्र में योग को अपने जीवन का लक्ष्य और जुनून बना लिया था। छोटी उम्र से ही नियमित अभ्यास करते हुए उन्होंने योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। राष्ट्रीय स्तर पर योग वॉलंटियर के रूप में अपनी पहचान बनाने के साथ ही उन्होंने गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है।

देवांगी की उपलब्धियों का सबसे गौरवपूर्ण पक्ष यह है कि उन्होंने इतनी कम उम्र में 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। इसके अलावा जिला एवं राज्य स्तर पर भी उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अनेक पदक, प्रमाण-पत्र एवं सम्मान हासिल किए हैं। देवांगी की सफलता केवल एक बालिका की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि यह सिंधी समाज के लिए गौरव और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का विषय है। योग के प्रति उनकी लगन, निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और अनुशासन यह संदेश देता है कि छोटी उम्र में भी दृढ़ संकल्प और मेहनत के दम पर बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया (उत्तर भारत) के अध्यक्ष ने पत्रकारों को बताया देवांगी लालवानी की उपलब्धि पर सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया परिवार की ओर से देवांगी लालवानी को सम्मान में उन्हें कैश पुरस्कार एवं सम्मान-पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया ने देवांगी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है ताकि वे आगे बढ़कर देश और समाज का नाम रोशन करती रहें। क्योंकि देवांगी लालवानी की यह उपलब्धि न केवल उनके माता-पिता और परिवार के लिए गर्व का क्षण है बल्कि पूरे सिंधी समाज के लिए र्व की बेटी के रूप में एक प्रेरणादायक मिसाल है ।यदि आप चाहें तो मैं इसे अखबार के फ्रंट पेज की छोटी, ज्यादा दमदार खबर या फोटो के साथ प्रकाशित होने वाली विशेष खबर के रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

भारतीय स्टेट बैंक	2.19 प्रतिशत
इटरनल	1.57 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.52 प्रतिशत
आईटीसी	1.23 प्रतिशत
टीसीएस	0.80 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,54,699
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,39,999
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.34	93.27
पौंड स्टर्लिंग	130.17	125.58
यूरो	111.66	107.51
चीन युआन	14.99	13.27

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

देश में कंटेनर निर्माण को मिलेगा बढ़ावा

कंटेनर निर्माण सहायता योजना से आयात पर घटेगी निर्भरता : सरकार

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की प्रस्तावित कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग असिस्टेंस स्कीम (सीएमएएस) देश में कंटेनर निर्माण को बढ़ावा देने, आयातित खाली कंटेनरों पर निर्भरता कम करने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकती है। सरकार के अनुसार, इस योजना से 53,000 से अधिक रोजगार अवसर पैदा होने की संभावना है, साथ ही भारत के समुद्री और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को भी नई मजबूती मिलेगी।

सरकार द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, इस योजना के तहत विभिन्न आकार के 51 कंटेनर जहाजों के बेड़े के विकास और घरेलू स्तर पर कंटेनरों की खरीद के लिए लगभग 99,149 करोड़ रुपए के निवेश को प्रोत्साहन मिल सकता है, जिससे भारत में समुद्री परिवहन और निर्यात-आयात गतिविधियों को गति मिलेगी। बयान में कहा गया है कि सीएमएएस के जरिए करीब 3,000 प्रत्यक्ष रोजगार और 50,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हो सकते हैं। इन अवसरों का लाभ कंटेनर निर्माण, सहायक उद्योगों और लॉजिस्टिक्स से जुड़े क्षेत्रों को मिलेगा। 10,000 करोड़ रुपए के परिव्यय वाली यह योजना कंटेनर निर्माण क्षेत्र में निवेश, तकनीकी विकास और उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित होगी। सरकार का मानना है कि इससे कंटेनर

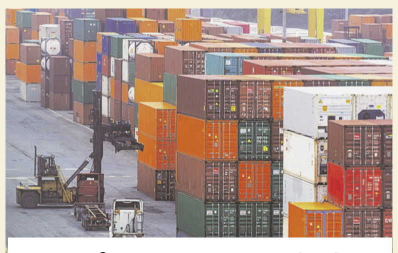

- निर्यात-आयात गतिविधियों को गति मिलेगी
- सृजित होंगे 53,000 से अधिक रोजगार

इकोसिस्टम से जुड़े कई सहायक उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा, जिनमें कॉर्नर कास्टिंग, लकड़ी के फ्रेम और कॉर्टेन स्टील जैसे उत्पादों का निर्माण करने वाले उद्योग शामिल हैं।

सरकार ने कहा कि सीएमएएस भारत में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी समुद्री विनिर्माण इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सप्लाई चेन अधिक मजबूत होगी, रोजगार बढ़ेगा और वैश्विक व्यापार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बल मिलेगा। यह योजना 'मेक इन इंडिया', 'मैरीटाइम अमृत काल विजन 2047' और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स विकास जैसी सरकार की प्रमुख पहलों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य भारत को समुद्री निर्माण और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। भारत की बढ़ती व्यापारिक और विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं ने घरेलू कंटेनर निर्माण क्षमता की आवश्यकता को और बढ़ा दिया है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के अनुसार, वैश्विक माल व्यापार का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा समुद्री मार्ग से परिवहन किया जाता है।

सरकार ने बताया कि वर्तमान में भारत अपनी जरूरतों को पूरा करने और कंटेनरों की पुनःस्थिति के लिए हर वर्ष करीब 20 लाख खाली कंटेनर आयात करता है। सीएमएएस का उद्देश्य इसी आयात निर्भरता को कम करना और देश में मजबूत विनिर्माण आधार तैयार करना है। यूएनसीटीएडी ने भी अपनी रिपोर्टों में कहा है कि हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक तनावों के कारण समुद्री माल ढुलाई दरों में अस्थिरता बढ़ी है और वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव बना है। सरकार का मानना है कि शिपिंग, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में चल रहे व्यापक सुधारों के साथ यह नई योजना भारत की समुद्री क्षमताओं को मजबूत करेगी और लंबे समय में देश की वैश्विक व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार हाल ही में 70,000 करोड़ रुपए के शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस पैकेज की भी घोषणा कर चुकी है।

एयर इंडिया सैट्स ने कॉनकोर एयर के साथ कार्गो की आवाजाही तेज करने के लिए किया करार

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। एयर इंडिया सैट्स एयरपोर्ट सर्विसेज (एआईसैट्स) ने कॉनकोर के दादरी स्थित इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) से कार्गो की आवाजाही को और गति प्रदान करने के लिए कॉनकोर एयर लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इसका उद्देश्य दादरी आईसीडी से सीमा शुल्क द्वारा क्लियर किये गये ट्रांसशिपमेंट कार्गो की एआईसैट्स के नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थित अंतरराष्ट्रीय कार्गो टर्मिनल तक निर्बाध आवाजाही और हैंडलिंग को सुगम बनाना है, ताकि इसे आगे विदेश भेजा जा सके। एआईसैट्स ने बताया कि इससे देश के अंदर स्थित सुविधाओं से अंतरराष्ट्रीय माल परिवहन कार्गो तक जाने वाले कार्गो के लिए अधिक कुशल और एकीकृत मार्ग तैयार किया जायेगा।

एआईसैट्स के निदेशक बॉब शी ने कहा, 'भारत अपने लॉजिस्टिक्स और एयर कार्गो इकोसिस्टम के विकास में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक व्यापार की मात्रा बढ़ रही है, आपूर्ति श्रृंखला समय के प्रति अधिक संवेदनशील होती जा रही है और देश से आने-जाने वाले एयर कार्गो की मात्रा बढ़ रही है। भारत के विमानन पारितंत्र के पास दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन फ्रेट बाजारों में से एक के रूप में काफी संभावनाएं हैं। एआईसैट्स

'भारत अपने लॉजिस्टिक्स और एयर कार्गो इकोसिस्टम के विकास में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जैसे-जैसे वैश्विक व्यापार की मात्रा बढ़ रही है, आपूर्ति श्रृंखला समय के प्रति अधिक संवेदनशील होती जा रही है और देश से आने-जाने वाले एयर कार्गो की मात्रा बढ़ रही है: बॉब शी, निदेशक एआईसैट्स

और कॉनकोर एयर के बीच यह सहयोग एक अधिक जुड़ा हुआ लॉजिस्टिक्स नेटवर्क बनाने की दिशा में एक कदम है।'

कॉनकोर एयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नर्मदेश्वर झा ने कहा, 'यह सहयोग भारत के निर्यात-आयात व्यापार के लिए इनलैंड-टू-एयर लॉजिस्टिक्स श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हैकर ग्रुप के दावों पर एचसीएलटेक का जवाब, कहा-

'सिस्टम में सेंधमारी के कोई सबूत नहीं, ग्राहक सेवाएं सुरक्षित'

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। देश की दिग्गज आईटी सर्विस कंपनी एचसीएलटेक ने सोमवार को स्पष्ट किया कि एक हैकर समूह द्वारा कर्मचारियों से जुड़ा डेटा लीक होने के दावों की जांच में अब तक कंपनी के सिस्टम में किसी तरह की सेंधमारी के सबूत नहीं मिले हैं। कंपनी ने कहा कि शुरुआती जांच के अनुसार न तो उसके आईटी सिस्टम प्रभावित हुए हैं और न ही किसी ग्राहक के प्रोजेक्ट या डेटा पर इसका असर पड़ा है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में एचसीएलटेक ने बताया कि हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में एक हैकर ग्रुप के दावे का उल्लेख किया गया था, जिसमें कंपनी के कर्मचारियों से संबंधित कुछ डेटा के संभावित सार्वजनिक होने की बात कही गई थी। इन दावों के बाद कंपनी ने तत्काल जांच शुरू की। कंपनी ने कहा, 'प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि कथित डेटा सीमित मात्रा में हो सकता है और यह कई वर्ष पुराना प्रतीत होता है।' एचसीएलटेक ने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक उसे अपने किसी भी सिस्टम में अनधिकृत प्रवेश या साइबर सुरक्षा उल्लंघन का कोई प्रमाण नहीं मिला है। साथ ही कंपनी के ग्राहकों के साथ चल रही परियोजनाओं या उनके डिजिटल वातावरण पर किसी प्रकार का प्रभाव भी सामने नहीं आया है।

भारत ने जहाज रीसाइक्लिंग में नंबर 1 का खिताब लक्ष्य से पांच वर्ष पहले हासिल किया

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने दुनिया में अग्रणी जहाज रीसाइक्लिंग राष्ट्र बनने का लक्ष्य मैरीटाइम इंडिया विजन (एमआईवी) 2030 के तहत निर्धारित समय से पांच साल पहले अर्जित कर लिया है। साथ ही, वैश्विक बाजार में देश की हिस्सेदारी 35.4 प्रतिशत हो गई है। यह जानकारी मंगलवार को जारी की गई सरकारी फैक्टशीट में दी गई। सरकारी फैक्टशीट में दी गई जानकारी में कहा गया कि भारत के जहाज रीसाइक्लिंग सेक्टर में हाल के वर्षों में निरंतर वृद्धि देखी गई है। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2025 में जहाज रीसाइक्लिंग में विश्व स्तर पर पहले स्थान पर रहा। वैश्विक जहाज रीसाइक्लिंग में भारत की हिस्सेदारी 2024 में 30.1 प्रतिशत

से बढ़कर 2025 में 35.4 प्रतिशत हो गई। यह देश के समुद्री और औद्योगिक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत में जहाज रीसाइक्लिंग की मात्रा भी 2024 में 1.86 मिलियन सकल टन (जीटी) से बढ़कर 2025 में 2.99 मिलियन जीटी हो गई। यह रीसाइक्लिंग मात्रा में लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाती है और वैश्विक बाजार में भारतीय जहाज रीसाइक्लिंग यार्ड की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता को दिखाती है। फैक्टशीट में आगे कहा गया कि गुजरात में

- वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी 35 प्रतिशत से अधिक हुई

अलंग-सोसिया शिप रीसाइक्लिंग क्लस्टर भारत की रीसाइक्लिंग क्षमता की रीढ़ है। इसे दुनिया के सबसे बड़े जहाज रीसाइक्लिंग हब के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह क्लस्टर भारत की जहाज रीसाइक्लिंग गतिविधि का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा है। इसकी वार्षिक रीसाइक्लिंग क्षमता लगभग 6 मिलियन जीटी है। अलंग में प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किए बिना प्रति वर्ष लगभग 3.50 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) इस्पात का उत्पादन किया जाता है। यह अधिकृत जहाज रीसाइक्लिंग यार्ड, डाउनस्ट्रीम स्टील री-रोलिंग मिलों और अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित है।

शेयर बाजारों में गिरावट, सेंसेक्स 388 अंक लुढ़का

मुंबई, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही और प्रमुख सूचकांक आधा फीसदी के करीब टूट गये।

बीएसई का सेंसेक्स 388.19 अंक (0.49 प्रतिशत) लुढ़ककर 78,154.25 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक सुबह करीब 33 अंक नीचे 78,509.77 अंक पर खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। एक समय यह करीब 494 अंक गिर गया था।

- सेंसेक्स 388.19 अंक लुढ़ककर 78,154.25 अंक पर बंद हुआ
- निफ्टी 112.10 अंक लुढ़ककर 24,471.70 अंक पर रहा

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 112.10 अंक यानी 0.46 प्रतिशत नीचे 24,471.70 अंक पर रहा।

कच्चे तेल में आज तेजी रही। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 0.3 प्रतिशत चढ़कर फिलहाल 88 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। इससे भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट रही।

वृहत बाजार में निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.07 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100

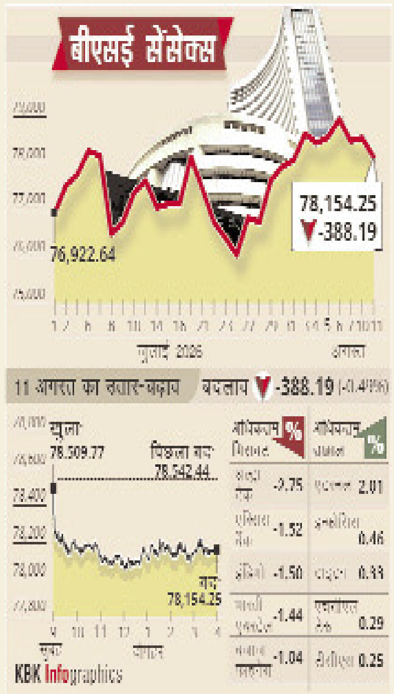

सूचकांक 0.22 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

एफएमसीजी, धातु, ऑटो, वित्त, बैंकिंग, रियल्टी और रसायन समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे। वहीं, आईटी, फार्मा और स्वास्थ्य समूहों में तेजी देखी गयी।

एनएसई में जिन 3,478 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,865 के शेयरों में गिरावट और 1,487 में तेजी रही। अन्य 126 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए।

सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर लुढ़क गये। अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 2.75 फीसदी नीचे बंद हुआ। एक्सिस बैंक में 1.52 प्रतिशत, इंडिगो में 1.50, भारती एयरटेल में 1.44, बजाज फाइनेंस में 1.04 और पावरग्रिड में 1.03 प्रतिशत की गिरावट रही।

आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनीलिवर, एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, सनफार्मा, मारुति सुजुकी, भारतीय स्टेट बैंक, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी लाल निशान में रहे।

इटरनल का शेयर 2.01 प्रतिशत चढ़ा। इंफोसिस और टाइटन के शेयर भी मजबूत बंद हुए। वैश्विक स्तर पर एशिया में हांगकांग का हैंग सेंग 1.10 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.82 प्रतिशत फिसल गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.20 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.12 प्रतिशत ऊपर था।

फिच ने भारत की 'बीबीबी-' रेटिंग को बरकरार रखा

वित्त वर्ष 27 में जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने मंगलवार को भारत की दीर्घकालिक जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग को 'बीबीबी-' पर स्थिर आउटलुक के साथ बरकरार रखा और अल्पकालिक जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग को 'एफ3' पर कायम रखा। यह भारत की मजबूत विकास संभावनाओं और ठोस बाह्य वित्तीय बुनियादी स्थिति को दर्शाता है।

फिच रेटिंग्स ने एक नोट में कहा कि व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और नीतिगत विश्वसनीयता में सुधार का मजबूत रिकॉर्ड आगे भी मजबूत वृद्धि का आधार बनेगा और ऊर्जा संकट से उत्पन्न निकट अवधि की व्यापक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था का लचीलापन क्षमता को बढ़ाएगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा किऊर्जा संकट से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

फिच ने कहा, 'हमारा अनुमान है कि मार्च 2027 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि 6.4 प्रतिशत रहेगी। यह पिछले तीन वर्षों के औसत 7.4 प्रतिशत से कम है,

'हमारा अनुमान है कि मार्च 2027 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि 6.4 प्रतिशत रहेगी। यह पिछले तीन वर्षों के औसत 7.4 प्रतिशत से कम है: फिच, वैश्विक रेटिंग एजेंसी

लेकिन फिर भी 'बीबीबी' रेटिंग वाले देशों के 2.0 प्रतिशत के औसत से तीन गुना से अधिक है।' फिच ने आगे कहा कि हाल के वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था विभिन्न झटकों के प्रति लचीली रही है और 'हमें उम्मीद है कि यह रुझान जारी रहेगा।'

फिच ने कहा, 'अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़ी अनिश्चितता के कारण कुछ जोखिम अभी भी बने हुए हैं, क्योंकि भारत एक बड़ा शुद्ध ऊर्जा आयातक है।

सोने-चांदी में 2 प्रतिशत से ज्यादा तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ते तनाव के बीच हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को घरेलू कमोडिटी मार्केट में कीमती धातुओं की कीमतों (सोने-चांदी) में तेजी देखने को मिली। शुरुआती कारोबारी में पीले धातु (सोने) की कीमतों में 1.5 प्रतिशत यानी 2,000 रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि चांदी की कीमतों में 2 प्रतिशत से ज्यादा यानी 5,000 रुपए से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। मंगलवार को अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद 1,53,099 रुपए से 1.04 प्रतिशत यानी 1,600 रुपए की बढ़त के साथ 1,54,699 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं सत्र के दौरान इसने 2,338 रुपए यानी 1.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,55,437 रुपए का इंट्रा-डे हाई टच किया। हालांकि खबर लिखे जाने तक पीली धातु 895 रुपए यानी 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,53,994 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करते हुए नजर आई। वहीं, सितंबर डिलीवरी वाली चांदी अपने पिछले बंद 2,36,867 रुपए से 3,132 रुपए यानी 1.32 प्रतिशत की उछाल के साथ 2,39,999 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली और दिन के दौरान इसने 5,132 रुपए यानी 2.16 प्रतिशत का उच्चतम स्तर छुआ।

- पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कीमती धातुओं ने पकड़ी रफ्तार

हालांकि खबर लिखे जाने तक यह सफेद धातु 371 रुपए यानी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,36,496 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई। दरअसल, सोने और चांदी की कीमतों पर वैश्विक व्यापक आर्थिक बदलावों, भू-राजनीतिक जोखिमों और घरेलू मांग में परिवर्तन का गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अमेरिका की उदार मौद्रिक नीति की उम्मीदें बढ़ने से सोने की कीमतों में नई मजबूती आई है, वहीं डॉलर के कमजोर होने से इसकी मांग और भी बढ़ गई है।

भारत का दूध उत्पादन मांग से अधिकः मंत्री

डेयरी किसानों को केसीसी का बड़ा सहारा, 5 साल में तीन गुना बढ़े लाभार्थी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मंगलवार को बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के तहत संस्थागत ऋण प्राप्त करने वाले पशुपालन और डेयरी किसानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2021-22 में जहां 15.08 लाख पशुपालक किसान इस योजना से लाभान्वित हो रहे थे, वहीं 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 50.42 लाख पहुंच गई है। इससे स्पष्ट है कि पशुपालन क्षेत्र के किसानों की औपचारिक बैंकिंग और ऋण सुविधाओं तक पहुंच तेजी से बढ़ी है।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और वित्तीय सहायता कार्यक्रमों के कारण डेयरी क्षेत्र लगातार मजबूत हो रहा है, जिसका असर देश के दूध उत्पादन पर भी दिखाई दे रहा है। वर्ष 2024-25 में भारत का कुल दूध उत्पादन 247.87 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो देश की अनुमानित 243 मिलियन टन की घरेलू मांग से

सरकार की विभिन्न योजनाओं और वित्तीय सहायता कार्यक्रमों के कारण डेयरी क्षेत्र लगातार मजबूत हो रहा है, जिसका असर देश के दूध उत्पादन पर भी दिखाई दे रहा है: राजीव रंजन सिंह, केंद्रीय मंत्री

अधिक है। इससे भारत की डेयरी आत्मनिर्भरता और उत्पादन क्षमता का पता चलता है।

उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय डेयरी उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में डेयरी उत्पादों का कुल निर्यात 407.18 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो इस क्षेत्र की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है। राजीव रंजन सिंह ने आगे कहा कि दूध उत्पादन और पशुधन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) का विस्तार कर रही है। दिसंबर 2014 से संचालित इस योजना का उद्देश्य देशी पशु नस्लों का संरक्षण, आनुवंशिक सुधार और दूध उत्पादन बढ़ाना है।

सरकार का मानना है कि बेहतर नस्लों के विकास से प्रति पशु दूध उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। इसके साथ ही देशी नस्लों के संरक्षण से दीर्घकालिक पशुधन सुरक्षा और जैव विविधता को भी मजबूती मिलेगी। पशुपालन क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रजनन और बेहतर चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) भी चला रही है। यह योजना वर्ष 2014-15 से लागू है। मंत्री के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास और प्रति पशु उत्पादकता बढ़ाना है।

सार संक्षेप

वेदांता एल्युमिनियम ने अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए 'मेटल बाजार एक्सपोर्ट्स' पेश किया

नई दिल्ली। वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड ने मंगलवार को अपने प्रमुख डिजिटल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म वेदांता मेटल बाजार (वीएमबी) के अंतरराष्ट्रीय बाजार में विस्तार की घोषणा की। अब यह प्लेटफॉर्म अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को प्रीमियम एल्युमिनियम उत्पाद सीधे ऑनलाइन ऑर्डर करने और खरीदने की सुविधा देता है। वेदांता एल्युमिनियम ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इससे ग्राहकों के लिए खरीदारी की प्रक्रिया पहले से अधिक आसान, पारदर्शी और सुविधाजनक हो गयी है। घरेलू बाजार की सफलता के बाद कंपनी ने वेदांता मेटल बाजार को अब एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के बाजारों में भी उपलब्ध कराया है। वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू बाजार में इस प्लेटफॉर्म के जरिये करीब 4.1 अरब डॉलर (38,000 करोड़ रुपये से अधिक) के लेनदेन हुए और 23,000 से ज्यादा ऑर्डर पूरे किये गये।

एसआईपी पर निवेशकों का भरोसा कायम, जुलाई में इनफ्लो करीब 32,000 करोड़ रुपए रहा

मुंबई। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश पर निवेशकों का भरोसा कायम है और जुलाई में इनफ्लो बढ़कर 31,961 करोड़ रुपए हो गया है, जून में यह 31,781 करोड़ रुपए पर था। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से मंगलवार को दी गई। यह लगातार चौथा महीना है, जब एसआईपी इनफ्लो 30,000 करोड़ रुपए से अधिक रहा है। यह मई में 30,954 करोड़ रुपए, अप्रैल में 31,115 करोड़ रुपए और मार्च में 32,087 करोड़ रुपए था, जो कि अब तक का ऑल-टाइम हाई है। जुलाई में सभी फंड्स में फोलियो की संख्या बढ़कर 28.08 करोड़ हो गई है, जो कि 27.85 करोड़ थी। एम्फी के डेटा के मुताबिक, जुलाई में इक्विटी म्यूचुअल फंड का कुल इनफ्लो 15 प्रतिशत घटकर 24,697 करोड़ रुपए रह गया है जो कि जून में 28,973 करोड़ रुपए था। इसकी इक्विटी म्यूचुअल फंड की 11 श्रेणियों में स्मॉलकैप फंड्स में सबसे अधिक 7,767 करोड़ रुपए का इनफ्लो देखने को मिला है।

यूटीआई म्यूचुअल फंड की नई पहल

मुंबई। भारत की प्रमुख म्यूचुअल फंड कंपनियों में से एक, यूटीआई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों के लिए एक अनूठी सुविधा शुरू की है। इसके तहत निवेशक व्हाट्सएप छोड़े बिना भुगतान सहित अपनी पूरी निवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। भारत में रोजाना व्हाट्सएप का इस्तेमाल करने वाले लाखों लोगों के लिए अब यूटीआई म्यूचुअल फंड में निवेश करना उतना ही आसान होगा, जितना कोई संदेश भेजना। निवेशक इस सुविधा को आजमाने के लिए इस लिंक पर क्लिक कर सकते हैंः यूटीआई म्यूचुअल फंड व्हाट्सएप निवेशक व्हाट्सएप की एक ही सहज और निर्बाध बातचीत के दौरान एकमुश्त भुगतान कर सकेंगे और यूपीआई के माध्यम से लेन-देन भी कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें न तो कोई दूसरा ऐप खोलना होगा और न ही ब्राउजर पर जाना होगा। यूटीआई एएमसी के ग्रुप प्रेसिडेंट और हेड - सेल्स, प्रोडक्ट एंड डिजिटल, पेशोतन दस्तूर ने कहा 'यूटीआई में, हम हर निवेशक के लिए निवेश को सरल, तेज और अधिक सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बच्चों को स्क्रीन से दूर रखना माता-पिता के लिए आसान नहीं

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। आज के समय में बच्चों को स्क्रीन से पूरी तरह दूर रखना माता-पिता के लिए आसान नहीं है। पढ़ाई, मनोरंजन से लेकर कभी-कभी बच्चे को शांत कराने तक, मोबाइल, टीवी या टैबलेट परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। इस बीच फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (एफआईयू) की एक नई स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

एफआईयू के सेंटर फॉर चिल्ड्रन एंड फैमिलीज की इस रिसर्च में 4 से 8 साल की उम्र के बच्चों की देखभाल करने वाले 822 लोगों को शामिल किया गया। शोधकर्ताओं ने यह समझने की कोशिश की कि माता-पिता का तनाव बच्चों के स्क्रीन इस्तेमाल से किस तरह जुड़ा हुआ है। स्टडी के नतीजे फैमिली रिलेशन्स जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। रिसर्च में सामने आया कि जिन माता-पिता में भावनात्मक तनाव ज्यादा था, वे बच्चों के स्क्रीन टाइम पर लगातार नियम लागू करने में अपेक्षाकृत कम सक्षम थे। वहीं, जिन माता-पिता को बच्चे के व्यवहार से ज्यादा परेशानी या दबाव महसूस होता था, वे मुश्किल परिस्थितियों में बच्चे को शांत कराने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा ज्यादा लेते थे।

- बच्चे को शांत कराने, मोबाइल, टीवी या टैबलेट परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा
- अध्ययन में 4 से 8 साल की उम्र के बच्चों की देखभाल करने वाले 822 लोग शामिल

स्टडी की प्रमुख लेखिका और एफआईयू की मनोविज्ञान की डॉक्टरेट छात्रा एनिड मोरेरा के मुताबिक, रिसर्च में सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि बच्चों के मीडिया इस्तेमाल से जुड़े फैसलों पर माता-पिता का अपना तनाव भी असर डालता है। इसलिए बच्चों के साथ-साथ माता-पिता को भी सहयोग देना जरूरी है। शोधकर्ताओं का कहना है कि हर परिवार से सिर्फ यह कहना कि बच्चे का स्क्रीन टाइम कम कर दीजिए, हमेशा व्यावहारिक समाधान नहीं हो सकता। कई बार माता-पिता के लिए स्क्रीन किसी मुश्किल पल को संभालने का एक आसान जरिया होती है। ऐसे में सवाल यह होना चाहिए कि बच्चा स्क्रीन पर क्या देख रहा है और उसका असर कैसा है।

माता-पिता बच्चों की उम्र के हिसाब से कंटेंट चुनें

रिसर्चर्स का सुझाव है कि माता-पिता बच्चों की उम्र के हिसाब से ऐसा कंटेंट चुनें, जो उन्हें कुछ सिखाए, उनकी रुचि बढ़ाए और उनके विकास में मदद करे। साथ ही यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि स्क्रीन की वजह से बच्चे की नींद, खेलकूद, परिवार के साथ समय या पढ़ाई प्रभावित न हो।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स भी परिवारों को सिर्फ स्क्रीन के मिनट गिनने के बजाय कंटेंट की गुणवत्ता, रोजमर्रा की दिनचर्या और बच्चे के स्वस्थ विकास पर ध्यान देने की सलाह देती है। विशेषज्ञों ने स्क्रीन इस्तेमाल को समझने के लिए 5 सी ऑफ मीडिया यूज पर ध्यान देने की भी सलाह दी है। पहला है चाइल्ड, यानी बच्चे की उम्र, स्वभाव और उसकी व्यक्तिगत जरूरतों को समझना। दूसरा है कंटेंट, यानी बच्चे के लिए उसकी उम्र के अनुसार सही, उपयोगी और दिलचस्प कंटेंट चुनना। तीसरा है काम, यानी यह देखना कि बच्चा हर बार परेशान या रोने पर स्क्रीन पर निर्भर तो नहीं हो रहा।

शोधकर्ताओं ने विकसित की ऐसी एक्सट्रूडर प्रणाली

प्लास्टिक कचरे से बन सकेगा 3डी प्रिंटर का फिलामेंट

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला के शोधकर्ताओं ने सिर्फ करीब 45,000 रुपए की लागत में ऐसी एक्सट्रूडर प्रणाली विकसित की है, जो प्लास्टिक कचरे से 3डी प्रिंटिंग के लिए मजबूत कंपोजिट फिलामेंट बना सकती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के इस तकनीकी शिक्षण संस्थान ने इस का पेटेंट भी हासिल कर लिया है। दरअसल जहां सामान्य प्रिंटर में 'स्याही' का इस्तेमाल होता है वहीं 3डी प्रिंटर में फिलामेंट होता है। आज 3डी प्रिंटिंग का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में फिलामेंट से शरीर के मॉडल और कृत्रिम अंग बनाने से लेकर ड्रोन के पुर्जे, ब्रैकेट, खिलौने और सजावटी सामान तक बनाए जा रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें पुनर्चक्रित प्लास्टिक के साथ दूसरी सुदृढ़ीकरण सामग्री मिलाई जा सकती है। इससे तैयार फिलामेंट ज्यादा मजबूत और टिकाऊ बनता है। इससे नए प्लास्टिक पर निर्भरता घटेगी और प्लास्टिक कचरे का दोबारा उपयोग बढ़ेगा।

संस्थान के मुताबिक, इनमें फ्यूज्ड डिपॉजिशन मॉडलिंग तकनीक सबसे ज्यादा इस्तेमाल होती है। इसमें प्लास्टिक के फिलामेंट को गर्म करके पिघलाया जाता है। फिर उसे एक-एक परत के रूप में जमा किया जाता है। इसी से पूरी वस्तु तैयार होती है। फिलामेंट की मांग बढ़ने के साथ इसकी कीमत भी बड़ी चुनौती है। अच्छी गुणवत्ता वाला फिलामेंट महंगा होता है। वहीं कमजोर गुणवत्ता वाले फिलामेंट से बनी वस्तुओं की मजबूती और सटीकता प्रभावित होती है। पुनर्चक्रित प्लास्टिक से फिलामेंट बनाने की कोशिश पहले भी हुई है। लेकिन ज्यादा प्रसंस्करण लागत, सामग्री की बर्बादी और कम मजबूती जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं।

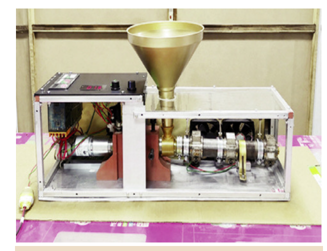

- फिलामेंट की मांग बढ़ने के साथ कीमत भी बड़ी चुनौती
- कृत्रिम अंग, ड्रोन के पुर्जों और अन्य हल्के, मजबूत उत्पादों में इसका उपयोग

एनआईटी राउरकेला की नई तकनीक इन समस्याओं को दूर करने की कोशिश करती है। नई एक्सट्रूडर प्रणाली में नियंत्रित शीतलन व्यवस्था और पीआईडी तापमान नियंत्रक समेत कई घटक जुड़े हैं। इससे फिलामेंट बनाने की प्रक्रिझया पर बेहतर नियंत्रण मिलता है। प्रयोगशाला परीक्षणों में तैयार फिलामेंट में संतोषजनक यांत्रिक गुण और अपेक्षित आयामी सटीकता पाई गई। एनआईटी राउरकेला के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. संध्यारानी बिस्वास ने कहा कि यह तकनीक फिलामेंट उत्पादन में महत्वपूर्ण प्रगति है। उनके अनुसार, इससे बेहतर यांत्रिक गुणों वाले पुर्जे बनाए जा सकते हैं। साथ ही पुनर्चक्रित प्लास्टिक के इस्तेमाल से पर्यावरण को भी फायदा होगा। केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर प्रो. सुजीत सेन ने कहा कि यह प्रणाली अलग-अलग प्रकार के प्लास्टिक को उपयोगी 3डी प्रिंटर फिलामेंट में बदल सकती है।

दर्द से बेपरवाह बाबा की भक्ति में लीन सुबोध

घुटनों के बल तय कर रहे बाबाधाम का सफर

मुंगेर, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बाबा बैद्यनाथ के दरबार तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु अलग-अलग तरीके से आस्था का सफर तय करते हैं। कोई पैदल कांवड़ लेकर पहुंचता है तो कोई दंडवत यात्रा करता है। लेकिन लखीसराय के सुबोध कुमार सिंह की बाबाधाम यात्रा आस्था, संकल्प और हौसले की ऐसी कहानी है, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाता है।

सुबोध ने घुटनों के बल चलकर बाबा बैद्यनाथ के दरबार पहुंचने का संकल्प लिया है। वे प्रतिदिन एक से डेढ़ किलोमीटर की यात्रा कर पा रहे हैं। वे 18 किलोमीटर की यात्रा कर चुके है, इस दौरान उनके दोनों घुटनों की खाल तक निकल गई, गहरे जख्म हो गए और दर्द भी बढ़ता गया, लेकिन बाबा के दरबार तक पहुंचने की उनकी ललक कम नहीं हुई।

लखीसराय निवासी सुबोध कुमार सिंह 28 जुलाई को सुल्तानगंज से गंगाजल उठाकर अपने बेटे और एक दोस्त के साथ बाबाधाम की यात्रा पर निकले। खास बात यह है कि उन्होंने पैदल चलने के बजाय घुटनों के बल चलकर देवघर पहुंचने का संकल्प लिया है। उनके लिए यह यात्रा किसी मनोकामना की पूर्ति नहीं, बल्कि बाबा बैद्यनाथ के प्रति अपनी आस्था और विश्वास को समर्पित एक अलग तरह की साधना है।

सुबोध बताते हैं, इससे पहले वह अपने गुरु के साथ 9 बार दंडवत यात्रा करते हुए बाबाधाम जा चुके हैं। वर्ष 2009 में उन्होंने अपने गुरु श्री श्री 108 दयाराम दास जी महाराज के साथ दंड यात्रा शुरू की थी। बीच में कुछ वर्षों तक यात्रा छूटी भी, लेकिन अब तक करीब 9 बार वह दंडवत यात्रा कर चुके हैं। इस बार उनके मन में कुछ अलग करने का विचार आया और उन्होंने घुटनों के बल बाबाधाम जाने का निर्णय लिया।

सुबोध के इस फैसले से उनके परिवार वाले भी नाराज हुए। उन्होंने बताया कि घरवालों ने इस यात्रा का विरोध किया, लेकिन उनका मन नहीं माना। इसके बाद उन्होंने अपने बेटे और दोस्त को साथ लिया और सुल्तानगंज से निकल पड़े। यात्रा के शुरुआती दो दिनों में उन्होंने पांच से छह किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर ली। इसके बाद लगातार जमीन पर घुटनों के बल चलने के कारण दोनों घुटने बुरी तरह छिल गए। जख्म गहरे होते गए और दर्द भी बढ़ता गया। इसके बावजूद सुबोध ने यात्रा रोकने से इनकार कर दिया।

वह कहते हैं कि उन्हें खुद नहीं पता कि बाबा बैद्यनाथ के दरबार तक पहुंचने में कितना समय लगेगा। सामान्य परिस्थितियों में 15 किलोमीटर की दूरी कुछ घंटों में पूरी की जा सकती है, लेकिन घुटनों के बल चलकर इतनी दूरी तय करना उनके लिए हर कदम पर परीक्षा जैसा है। फिर भी उनका कहना है कि मंजिल कितनी भी दूर हो, संकल्प बाबा के दरबार तक पहुंचने का है और यात्रा तब तक जारी रहेगी, जब तक बाबा के चरणों तक नहीं पहुंच जाते।

सुबोध इसे 'हठ योग' बताते हैं। उनका कहना है कि इसके पीछे कोई खास मनोकामना नहीं है। उन्होंने कहा कि महादेव अंतर्यामी हैं और उनसे कुछ छिपा नहीं है। जिस तरह कोई धार्मिक कार्य करने का विचार पहले मन में आता है, उसी तरह इस बार उनके मन में घुटनों के बल बाबा के दरबार जाने की प्रेरणा आई।

सुबोध को भरोसा है कि जिस तरह पहले दंडवत यात्राओं में बाबा ने उन्हें अपनी मंजिल तक पहुंचाया, उसी तरह इस बार भी बाबा बैद्यनाथ उनका रास्ता आसान करेंगे। घुटनों के गहरे जख्म के बावजूद उनके चेहरे पर विश्वास और आंखों में मंजिल तक पहुंचने का संकल्प साफ नजर आता है। उनके लिए यह यात्रा सिर्फ दूरी तय करने का नाम नहीं, बल्कि आस्था की उस शक्ति का प्रतीक है, जो दर्द और मुश्किलों के बीच भी इंसान को आगे बढ़ने का हौसला देती है।

बैठने से होने वाली समस्याओं में कारगर है ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। लंबे समय तक बैठे रहने, कंधा जकड़े रहने और पैरों में खिंचाव आम हो गया है। ऐसे में योग सिर्फ शरीर को मोड़ने का नाम नहीं है, बल्कि खुद से जुड़ने का एक जरिया है। ऐसे ही योग पद्धति में ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन सबसे शरीर की जकड़न खोलने, पाचन तंत्र को बेहतर बनाने समेत कई शारीरिक स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का समाधान है। ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन तीन शब्दों से मिलकर बना है, ऊर्ध्व मुख का अर्थ है ऊपर की तरफ चेहरा, पश्चिम का अर्थ होता है शरीर का पिछला हिस्सा, उत्तान का अर्थ होता है, गहरा खिंचाव और आसन की अर्थ मुद्रा।

पाचन तंत्र को बेहतर बनाने समेत कई समस्याओं का समाधान

इस आसन को अंग्रेजी में अपवर्ड फेसिंग इंटेंस वेस्ट स्ट्रेच कहते हैं। इस आसन में आप उभय पादांगुष्ठासन की तरह पैर के अंगूठों को पकड़कर बैलेंस बनाते हैं और साथ ही धड़ को आगे की तरफ पैरों की ओर झुकाते हैं। यह आसन अष्टांग योग की प्राथमिक शृंखला में आता है और उभय पादांगुष्ठासन के बाद का अगला लेवल माना जाता है।

योग परंपरा में ऊर्ध्वमुख पश्चिमोत्तानासन एक उन्नत आसन है, जो पश्चिमोत्तानासन और संतुलन का मिला-जुला रूप है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इस आसन को लेकर प्रतिक्रिया दी। उनके अनुसार, ऊर्ध्व मुख पश्चिमोत्तानासन एक उन्नत योगासन है, जिसमें शरीर का संतुलन कूल्हों (सिट बोन्स) पर रखा जाता है और दोनों पैरों को ऊपर आकाश की ओर सीधा खींचकर हाथों से पंजों को पकड़ा जाता है। यह अभ्यास कोर शक्ति, रीढ़ के लचीलेपन और संतुलन को सुधारता है।

यह एक ऐसा योग आसन है जिसमें बैठकर पैर सीधे रखते हुए आगे झुकते हैं और अंगूठे पकड़कर रीढ़ और पैरों के पिछले हिस्से को गहराई से स्ट्रेच करते हैं।

इस आसन के नियमित अभ्यास करने से हैमस्ट्रिंग यानी जांघ के पीछे की मांसपेशियां, पैसिव तरीके से लंबी और लचीली होती हैं। यह एकमात्र ऐसा योग आसन है जो शरीर के पीछे वाले हिस्से का लचीलापन और आगे वाले हिस्से की ताकत दोनों को एक साथ बढ़ाता है, ताकि वह लचीलापन सिर्फ बैठे-बैठे न रहे, बल्कि काम करते समय भी टिके रहे।

स्कूलों में लड़कियों को पीरियड्स और वित्तीय प्रबंधन भी सिखाया जाए : कृति खरबंदा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने स्कूली स्तर से ही बच्चों को वित्तीय शिक्षा दिए जाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि लड़कियों को पीरियड्स और ओवरऑल वेल-बीइंग के साथ-साथ पैसे कमाने, बचाने और निवेश करने की जानकारी भी दी जानी चाहिए। कृति ने नई दिल्ली में आयोजित 'वी विमेन वॉन्ट कॉन्क्लेव एंड शक्ति अवॉर्ड्स 2026' में अपनी बात रखते हुए कहा कि वह हमेशा से लड़कियों और महिलाओं के आत्मनिर्भर होने की समर्थक रही हैं। उन्होंने अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने 17 वर्ष की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था और अपने परिवार की जिम्मेदारी भी संभाली है।

उन्होंने कहा कि मैं हमेशा से एक लड़की और एक महिला के तौर पर आत्मनिर्भर होने की समर्थक रही हूं। मैंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई है और मुझे इस बात पर बहुत गर्व है। कृति ने बताया कि इस वर्ष फरवरी से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू की है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ-साथ अपने वित्तीय मामलों को संभालना भी सीख रही हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार वह अपना पूरा वित्तीय पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हैं, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे उन्हें खुद करना सीखना जरूरी है। वित्तीय स्वतंत्रता के महत्व पर जोर देते हुए कृति ने कहा कि लड़कियों का आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें यह समझना भी जरूरी है कि वित्तीय दुनिया कैसे काम करती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम हर महीने पीरियड्स और ओवरऑल वेल-बीइंग की बात करते हैं, उसी तरह बच्चों को यह भी सिखाया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस : सिर्फ भविष्य की उम्मीद नहीं बल्कि वर्तमान की ताकत

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। जिस उम्र में सपनों को पंख मिलते हैं, उसी उम्र में किसी देश की तकदीर भी लिखी जाती है। आज का युवा सिर्फ भविष्य की उम्मीद नहीं, बल्कि वर्तमान की ताकत है। दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल भारत के लिए यह ताकत किसी अवसर से कम नहीं। सवाल सिर्फ इतना है कि इस ऊर्जा को सही दिशा कैसे मिले? इसी सवाल और युवा शक्ति की संभावनाओं को सामने रखने का अवसर है 12 अगस्त, जिसे अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के रुप में जाना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस युवाओं की भूमिका, उनकी चुनौतियों, अधिकारों और समाज व राष्ट्र के निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित करता है। भारत के संदर्भ में इस दिन का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि देश की बड़ी आबादी युवा है और यही पीढ़ी आने वाले दशकों में भारत की आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी दिशा तय करने वाली है।

भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। यह आंकड़ा भारत के लिए सिर्फ जनसांख्यिकीय विशेषता नहीं, बल्कि एक बड़ा अवसर है। लेकिन, युवा आबादी का लाभ तभी देश को मिलेगा, जब युवाओं को बेहतर शिक्षा, कौशल, रोजगार, उद्यमिता के अवसर और स्वस्थ वातावरण मिले। यही वजह है कि युवा सशक्तिकरण को केवल रोजगार तक सीमित रखने के बजाय शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, स्वास्थ्य, फिटनेस, खेल और राष्ट्रीय सेवा जैसे क्षेत्रों से जोड़ने की जरूरत महसूस की गई है। युवाओं को प्रेरित करने की बात हो और स्वामी विवेकानंद का नाम न आए, ऐसा असंभव है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश दिया। उनका जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका संदेश- 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए', आज के दौर में भी उतना ही प्रासंगिक है।

भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। भारत सरकार ने वर्ष 1984 में इस दिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था और 1985 से इसका आयोजन किया गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त दुनिया भर के युवाओं से जुड़े मुद्दों और उनकी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर देता है।

- स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश दिया

आज के युवा को निर्णय प्रक्रिया, सामाजिक बदलाव और राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाना जरूरी है। यही सोच युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और मंत्रालयों के बीच सहयोग के जरिए विकसित किए जा रहे युवा-केंद्रित इकोसिस्टम में दिखाई देती है। स्किल डेवलपमेंट से लेकर स्टार्टअप तक, खेल से लेकर फिटनेस तक और सामाजिक सेवा से लेकर नागरिक भागीदारी तक, युवाओं के लिए अवसरों का दायरा लगातार व्यापक हो रहा है।

युवा अगर नौकरी तलाशने वाले से आगे बढ़कर नौकरी देने वाला बने, समस्या देखने वाले से आगे बढ़कर समाधान तैयार करने वाला बने और केवल अधिकारों की बात करने के बजाय अपने कर्तव्यों को भी समझे, तो यही बदलाव भारत की विकास यात्रा को नई गति दे सकता है। आज का युवा पिछली पीढ़ियों से अलग परिस्थितियों में बड़ा हो रहा है। उसके पास जानकारी पहले से कहीं ज्यादा है, लेकिन सूचनाओं की अधिकता अपने साथ नई चुनौतियां भी लेकर आई है। डिजिटल एडिक्शन, सोशल मीडिया का दबाव, फेक न्यूज, करियर को लेकर असमंजस और मानसिक तनाव जैसी चुनौतियां युवा जीवन का हिस्सा बनती जा रही हैं।

विश्व हाथी दिवस : हाथी धरती की सबसे बड़ी 'क्लाइमेट हीरो' व 'इकोसिस्टम इंजीनियर'

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। हाथी अपने पैरों और सूंड के जरिए धरती में 20 हर्ट्ज से भी कम फ्रीक्वेंसी वाले इंफ्रासाउंड पैदा करते हैं। इन्हें सेस्मिक वाइब्रेशन कहा जाता है। ये कंपन 32 किलोमीटर दूर तक महसूस किए जा सकते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, हाथियों के पैरों में 'पैसिनियन कॉर्पसल्स' नाम की विशेष कोशिकाएं होती हैं। ये कोशिकाएं जमीन के कंपनों को पकड़कर हड्डियों के रास्ते सीधे कानों तक पहुंचा देती हैं।

सिर्फ यही नहीं, इनकी सूंड में 40,000 से अधिक मांसपेशियां होती हैं, जो एक मानव शरीर की कुल मांसपेशियों से कहीं अधिक हैं, और वे आइने में खुद को पहचानने की दुर्लभ क्षमता भी रखते हैं। पृथ्वी के इन अद्भुत और बेहद बुद्धिमान जीवों के संरक्षण का वैश्विक संदेश देने के लिए हर साल 12 अगस्त को 'विश्व हाथी दिवस' मनाया जाता है।

12 अगस्त 2012 को पहली बार यह दिवस आधिकारिक तौर पर कनाडाई फिल्म निर्माता पेट्रीशिया सिम्स और थाईलैंड के 'एलिफेंट रीइंट्रोडक्शन फाउंडेशन' द्वारा शुरू किया गया था। इस साल इस दिवस का मूल उद्देश्य हाथियों के शिकार और मानव-हाथी संघर्ष को रोकना है। हाथी केवल जंगल की शान नहीं हैं, बल्कि विज्ञान उन्हें इकोसिस्टम इंजीनियर और 'क्लाइमेट हीरो' मानता है। एक अकेला वन हाथी लगभग 250 एकड़ जंगल की कार्बन कैप्चर क्षमता को बढ़ा सकता है, जो 2,047 कारों के वार्षिक उत्सर्जन को वातावरण से हटाने के बराबर है। आर्थिक दृष्टि से, एक हाथी द्वारा प्रदान की जाने वाली कार्बन कैप्चर सेवा का मूल्य 1.75 मिलियन डॉलर तक आंका गया है। जब हाथी जंगल में घूमते हैं, तो वे कम कार्बन घनत्व वाले छोटे पेड़ों को खा जाते हैं और उन्हें रौंद देते हैं, जिससे बड़े और उच्च कार्बन घनत्व वाले पेड़ों को बढ़ने के लिए पर्याप्त जगह और धूप मिलती है।

- देश में जंगली हाथियों की कुल संख्या 22,446
- एक अकेला वन हाथी लगभग 250 एकड़ जंगल की कार्बन क्षमता को करता है कैप्चर

अपने 18 से 22 महीने के लंबे गर्भकाल (जो भूमि स्तनधारियों में सबसे लंबा है) के बाद जब वे बच्चों को जन्म देते हैं, तो हाथियों का झुंड उन्हें मीलों दूर तक ले जाता है। इस यात्रा में वे अपने मल के जरिए बड़े पेड़ों के बीजों को दूर-दूर तक फैलाते हैं, जिससे जंगलों का लगातार विस्तार होता रहता है। विडंबना यह है कि कई रिपोर्ट में मौजूद जानकारी के अनुसार, दांतों के अवैध व्यापार के कारण हर दिन लगभग 50 अफ्रीकी हाथियों की हत्या कर दी जाती है।

वैश्विक एशियाई हाथियों की करीब 50 प्रतिशत से अधिक आबादी भारत में पाई जाती है, इसलिए भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत सरकार के 'प्रोजेक्ट एलीफेंट' (1992) के तहत देश में 33 हाथी रिजर्व और 150 से अधिक हाथी कॉरिडोर स्थापित किए गए हैं। भारत की पहली डीएनए-आधारित वैज्ञानिक हाथी गणना (अक्टूबर 2025 में जारी रिपोर्ट) के अनुसार, देश में जंगली हाथियों की कुल संख्या 22,446 दर्ज की गई है।

भारत में मानव-हाथी सह-अस्तित्व के तकनीकी और भावनात्मक दोनों मोर्चों पर शानदार काम हो रहा है। ऑस्कर विजेता भारतीय डॉक्यूमेंट्री 'द एलीफेंट विस्परर्स' ने मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में 'बोम्मन' और 'बेली' द्वारा अनाथ हाथी बच्चों (रघु और अम्मू) की नि:स्वार्थ देखभाल को दिखाकर पूरी दुनिया को भावुक कर दिया था।

तकनीकी मोर्चे पर, भारतीय रेलवे ने 'गजराज सिस्टम' नाम की एआई-आधारित सुरक्षा प्रणाली लागू की है। करीब 181 करोड़ रुपए की लागत वाला यह सिस्टम पटरियों के नीचे बिछे ऑप्टिकल फाइबर केबल के जरिए हाथियों के पैरों के कंपन को 99.5 प्रतिशत सटीकता के साथ पहचान कर ट्रेन चालकों को अलर्ट कर देता है। इसके अतिरिक्त, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों में मधुमक्खी के छत्तों और मिर्च की बाड़ का रचनात्मक उपयोग किया जा रहा है, ताकि हाथियों को सुरक्षित तरीके से मानव बस्तियों से दूर रखा जा सके।

12 अगस्त 2026 को विश्व हाथी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि यदि हाथियों का अस्तित्व मिटा, तो हमारी पृथ्वी का जलवायु संतुलन भी खतरे में पड़ सकता है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ▪ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▪ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049 हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

भोपाल की झीलों से निकलेंगे देश-दुनिया के चैंपियन, जुटेंगे नामी खिलाड़ी

खेल मंत्री सारंग ने बोट क्लब में राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप-2026 का किया शुभारंभ

● भोपाल / (एजेंसी)

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को भोपाल के बोट क्लब में राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप-2026 के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया।

11 से 16 अगस्त तक होने वाली इस प्रतियोगिता में देशभर के 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर खिलाडियों की राष्ट्रीय रैंकिंग तय होगी। मंत्री सारंग ने कहा कि भोपाल की झीलें अब सिर्फ पर्यटन का केंद्र नहीं, बल्कि देश के भविष्य के चैंपियन तैयार करने की भूमि बन रही हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक 28 अंतरराष्ट्रीय और 69 राष्ट्रीय पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल की प्राकृतिक परिस्थितियां सेलिंग, रोइंग, कयाकिंग और केनोइंग जैसे खेलों के लिए अनुकूल हैं। वर्ष 2025 की राजा भोज सेलिंग चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश ने 16 पदक जीते थे, जिनमें 8 स्वर्ण शामिल थे।

1000 करोड़ की लागत से विकसित किया जा रहा अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर

मंत्री ने बताया कि प्रदेश में खिलाडियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं देने के लिए खेल अधोसंरचना का लगातार विस्तार किया जा रहा है। भोपाल में करीब 1000 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर भी विकसित किया जा रहा है, जहां आगामी समय में बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन होंगे। चैंपियनशिप का समापन और पुरस्कार वितरण 16 अगस्त को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में होगा। मंत्री सारंग ने खिलाडियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि भोपाल की झीलों में केवल नावें नहीं चल रहीं, बल्कि भारत के भविष्य के चैंपियन अपने सपनों को गति दे रहे हैं।

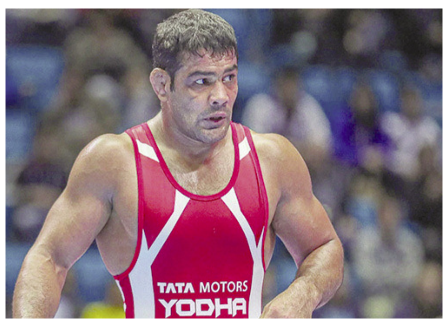

सुशील को हाई कोर्ट ने जमानत से किया इनकार

सागर धनखड़ हत्याकांड मामला

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार को सागर धनखड़ हत्याकांड में दिल्ली हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली। अदालत ने उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज करते हुए अपराध की गंभीरता और गवाहों को प्रभावित किए जाने की आशंका को अहम आधार माना। जस्टिस पुरुषैंद्र कुमार ने 6 अगस्त को अपने आदेश में कहा कि मामले में कथित हमला पूर्व नियोजित और गंभीर था, जिसमें सागर धनखड़ की मौत हुई।

अदालत ने हथियार की बरामदगी, वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों का भी उल्लेख किया, जिनकी ट्रायल के दौरान जांच होनी है। सुशील कुमार की ओर से दलील दी गई थी कि वह पांच साल से अधिक समय से हिरासत में हैं और परिस्थितियों में बदलाव आया है।

सुप्रीम कोर्ट रद्द कर चुका है जमानत

मई 2021 में छत्रसाल स्टेडियम में सागर धनखड़ के साथ कथित मारपीट के बाद उनकी मौत हो गई थी। मामले में सुशील कुमार गिरफ्तार हुए थे। अगस्त 2025 में सुप्रीम कोर्ट उनकी जमानत रद्द कर चुका है। अब दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के बाद नियमित जमानत की उम्मीदों को एक और झटका लगा है।

▶ 13, 15 और 17 सितंबर को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे मुकाबले

अफगानिस्तान के साथ 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलेगा भारत

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

अफगानिस्तान और टीम इंडिया के बीच अगले माह तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मंजूरी के बाद भारत के विरुद्ध दिल्ली में होने वाली तीन टी-20 मैचों की सीरीज की तारीखों की पुष्टि कर दी है।

एसीबी ने हितधारकों को भेजे पत्र में बताया कि मुकाबले 13, 15 और 17 सितंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जाएंगे। एसीबी ने यह भी कहा कि इन तारीखों पर बीसीसीआई की सहमति मिल चुकी है।

एसीबी के सीईओ नसीब खान ने बोर्ड के वाणिज्यिक साझेदारों को लिखे पत्र में कहा कि एसीबी पुष्टि करता है कि भारत का अफगानिस्तान दौरा 13 से 17 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इवेंट की तारीखों पर बीसीसीआई के साथ सहमति बन चुकी है और निर्धारित मुकाबलों के आयोजन स्थल भी अंतिम रूप दे दिए गए हैं।

एसीबी की पुष्टि के बाद बांग्लादेश दौरे की संभावना लगभग खत्म

अफगान बोर्ड की इस औपचारिक पुष्टि के बाद भारतीय टीम के बांग्लादेश दौरे की संभावना लगभग खत्म हो गई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने छह सफेद गेंद के मुकाबलों के लिए एक से 13 सितंबर की तारीख तय की थी। अफगानिस्तान सीरीज का कम से कम एक मुकाबला इस विंडो से टकरा रहा है। बीसीबी की प्रस्तावित तारीखों में तीन सप्ताह से भी कम समय बचा है, ऐसे में बांग्लादेश सीरीज अब लगभग रद मानी जा रही है। हालांकि, आखिरी समय में सरकारों के निर्देश से स्थिति बदलने की संभावना बेहद कम है। एसीबी ने कहा कि हालांकि संबंधित अधिकारियों की ओर से इवेंट की आधिकारिक सार्वजनिक घोषणा अभी नहीं की गई है। एसीबी भारत के अफगानिस्तान दौरे 2026 की निर्धारित तारीखों और स्थानों की आधिकारिक पुष्टि के तौर पर यह पत्र जारी कर रहा है। इसलिए सभी मीडिया राइट्स धारक इस कार्यक्रम के आधार पर अपनी अग्रिम योजना, शेड्यूलिंग, प्रोडक्शन व्यवस्था, संसाधन आवंटन, प्रचार गतिविधियों और अन्य तैयारियां शुरू कर सकते हैं।

प्रसारक के नाम को अंतिम रूप दिया जाना बाकी

रिपोर्ट के अनुसार, मीडिया अधिकार रखने वाली आइटीडब्ल्यू यूनिवर्स तीनों मैचों के टीवी प्रसारण अधिकारों के लिए जियो स्टार, सोनी स्पोर्ट्स और जी यूनाइट8 के साथ बातचीत कर रही है। अगले 24 घंटे में प्रसारक के नाम को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। डिजिटल अधिकार फैनकोड के पास हैं। इस बीच, एसीबी ने बीसीसीआई के साथ एक और दौर की बातचीत शुरू की है और 14 सितंबर को एक मैच कराने का प्रस्ताव दिया है। 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी है। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के अनुसार, अफगानिस्तान बोर्ड ने बीसीसीआई से पूछा है कि क्या पहले या दूसरे मुकाबले को 14 सितंबर को कराया जा सकता है। इससे सीरीज को त्योहार का रंग मिल सकेगा।

खुशी दाभाड़े ने कॉमनवेल्थ फेंसिंग में जीता रजत पदक

खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दी बधाई

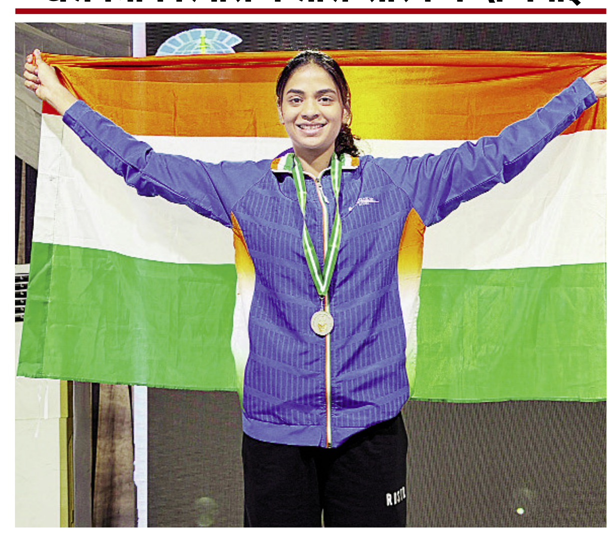

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्यप्रदेश की फेंसिंग खिलाड़ी खुशी दाभाड़े ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए नाइजीरिया में आयोजित सीनियर कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैम्पियनशिप 2026 की वूमेंस ईपी व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता।

मध्यप्रदेश स्पोर्ट्स फेंसिंग अकादमी, भोपाल की खिलाड़ी खुशी ने इससे पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 2026 में फ्रांस के वर्ल्ड कप सहित रूस, मिस्र और दक्षिण कोरिया में आयोजित प्रमुख प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। राष्ट्रीय स्तर पर भी खुशी का प्रदर्शन शानदार रहा है। नेशनल गेम्स 2023 में उन्होंने ईपी टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। खुशी की इस उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बधाई देते हुए इसे मध्यप्रदेश के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि खुशी की सफलता प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणादायी है और यह मध्यप्रदेश की बढ़ती खेल प्रतिभा का प्रमाण है। भोपाल की फेंसिंग अकादमी में प्रशिक्षित खुशी दाभाड़े ने अपनी मेहनत और परिवार के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। उनका यह रजत पदक प्रदेश की युवा बेटियों को खेलों में आगे बढने् के लिए नई प्रेरणा देगा।

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक पोरेल बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार

शादी का वादा कर यौन शोषण करने का आरोप

● कोलकाता / (एजेंसी)

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल चुके बंगाल के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को बलात्कार के आरोप में हुगली ग्रामीण पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन पर एक महिला से शादी का वादा कर यौन संबंध बनाने का आरोप है। पोरेल ने आरोपों को झूठा बताया है।

खबरों के मुताबिक, हुगली ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक कुंवर भूषण सिंह ने बताया कि पोरेल के खिलाफ मामला दर्ज था और उनकी गिरफ्तारी के लिए अदालत का आदेश था। उन्हें देर रात गिरफ्तार किया गया और मंगलवार को अदालत में पेश किया जाना है।

पुलिस के अनुसार, एक मेडिकल छात्रा ने 23 जून को मोघरा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला का आरोप है कि वह और पोरेल करीब साढ़े तीन साल से रिश्ते में थे और दोनों ने शादी की योजना बनाई थी। एएनआई के मुताबिक, मोघरा थाने में दर्ज केस नंबर 346/26 के संबंध में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ आईटी एक्ट की धारा 66श्व और 72 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अभिषेक पोरेल बंगाल क्रिकेट टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं और हुगली के चंदननगर के रहने वाले हैं। वह 2023 से आईपीएल में खेल रहे हैं। अब तक 35 आईपीएल मैचों में उन्होंने 25.63 की औसत से 769 रन बनाए हैं।

बबली बदमाश बनीं श्रेयंका पाटिल...

डांस वीडियो ने लूटी महफिल

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

नई दिल्ली, आरएनएन। मैदान पर अपनी ऑफ स्पिन से बल्लेबाजों को परेशान करने वाली भारतीय क्रिकेटर श्रेयंका पाटिल इन दिनों अपने डांस को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में श्रेयंका बॉलीवुड के लोकप्रिय गाने बबली बदमाश है पर शानदार डांस करती नजर आ रही हैं। 24 वर्षीय श्रेयंका ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन भी लिखा, वीडियो में उनके डांस मूव्स, एक्सप्रेशंस और कॉन्फिडेंस ने फैन्स का ध्यान खींचा है। मैदान पर गंभीर और आक्रामक नजर आने वाली श्रेयंका का यह अंदाज फैन्स को खूब पसंद आ रहा है। वह इससे पहले भी साथी खिलाड़ियों के साथ डांस और मस्ती के वीडियो शेयर कर चुकी हैं।

पिता के निधन से टूटे मेसी

फुटबॉल से लिया अनिश्चितकालीन ब्रेक

● मियामी / (एजेंसी)

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद फुटबॉल से अनिश्चितकालीन ब्रेक लिया है। 68 वर्षीय जॉर्ज मेसी का लंबी बीमारी के बाद रोसारियो के एक क्लिनिक में निधन हुआ। उनके निधन से मेसी को गहरा व्यक्तिगत सदमा लगा है। मेसी के करियर को आकार देने में उनके पिता की अहम भूमिका रही थी।

रिपोर्ट के अनुसार, अर्जेंटीना की मीडिया में दावा किया गया है कि आठ बार के बैलन डी ओर विजेता मेसी ने इस मुश्किल दौर में परिवार के साथ रहने के लिए अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों से दूरी बना ली है। मेसी ने इंटर मियामी में वापसी के लिए फिलहाल कोई तारीख तय नहीं की है।

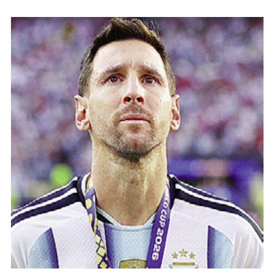

13 साल की उम्र में बार्सिलोना पहुंचाया

जॉर्ज ने स्टील फैक्ट्री में सुपरवाइजर के तौर पर काम करने के बाद मेसी के एजेंट और सलाहकार की जिम्मेदारी संभाली थी। वह मेसी के शुरुआती करियर के दौरान अर्जेंटीना के क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज से भी जुड़े रहे। जब मेसी महज 13 साल के थे, तब जॉर्ज ने उन्हें बार्सिलोना की यूथ अकादमी में दाखिला दिलाने के लिए स्पेन जाने में मदद की।

अब क्रिकेट में भी छाप छोड़ने को तैयार पुर्तगाल

मोइसेस हेनरिक्स बने कप्तान

● लिस्बन / (एजेंसी)

फुटबॉल के लिए मशहूर पुर्तगाल अब क्रिकेट में भी नई पहचान बनाने की तैयारी में है। टी20 वर्ल्ड कप यूरोप सब-रीजनल क्वालीफायर-सी के लिए पुर्तगाल ने टीम का ऐलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर मोइसेस हेनरिक्स को टीम की कमान सौंपी गई है। 39 वर्षीय हेनरिक्स का पुर्तगाल से खास रिश्ता है। उनका जन्म मदीरा द्वीप पर हुआ था, जहां फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो का भी जन्म हुआ। बाद में उनका परिवार ऑस्ट्रेलिया चला गया। हेनरिक्स ने ऑस्ट्रेलिया के लिए चार टेस्ट, 16 वनडे और 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। पुर्तगाल को क्वालीफायर के ग्रुप-बी में इजराइल, जर्मनी, ग्रीस और चेकिया के साथ रखा गया है। टूर्नामेंट 14 से 20 अगस्त तक चलेगा और ग्रुप की शीर्ष टीम 21 अगस्त को फाइनल खेलेगी। पुर्तगाल 14 अगस्त को इजराइल के खिलाफ अभियान शुरू करेगा।

लिवरपूल में हिस्सेदारी खरीदेंगे लक्ष्मी मित्तल के दामाद अमित

● लंदन / (एजेंसी)

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और फेसबुक के सह-संस्थापक एडुआर्डो सेवरिन, भारतीय उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल के दामाद अमित भाटिया के नेतृत्व वाले निवेशक समूह के साथ लिवरपूल फुटबॉल क्लब में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के सौदे के करीब हैं।

सूत्रों के मुताबिक, समूह की क्लब में करीब 30 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी खरीदने की संभावना है। लिवरपूल के मौजूदा नियंत्रक मालिक फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप (एफएसजी) की ओर से इस सौदे की घोषणा इसी सप्ताह होने की उम्मीद है। हालांकि, सूत्रों ने संकेत दिया है कि घोषणा अगले सप्ताह तक भी टल सकती है। प्रस्तावित निवेश के बाद लिवरपूल का मूल्यांकन करीब 4.4 अरब पाउंड (लगभग 6 अरब डॉलर) तक पहुंच सकता है।

यह खेल जगत के सबसे बड़े सौदों में शामिल होगा। फोर्ब्स के अनुमान के मुताबिक, बेजोस की संपत्ति करीब 280 अरब डॉलर, जबकि सेवरिन की संपत्ति 32 अरब डॉलर से अधिक है। भाटिया के नेतृत्व वाले समूह में इन दोनों अरबपतियों की मौजूदगी लिवरपूल में निवेश को खासा बड़ा बना रही है।

देसी जुगाड़ आयोजकों ने दिल्ली में बंदरों से बचाने का किया देसी जुगाड़, तैनात किए जाएंगे प्रोफेशनल मिमिक

वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में लंगूर की आवाज निकालेंगे एक्सपर्ट

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

राजधानी में 17 से 23 अगस्त तक होने वाली बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के दौरान बंदरों को स्टेडियम से दूर रखने के लिए आयोजकों ने अनोखा इंतजाम किया है। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में तीन प्रोफेशनल मिमिक तैनात किए जाएंगे, जो लंगूर की आवाज निकालकर रीसस मकाक बंदरों को डराएंगे।

मध्य दिल्ली में रीसस मकाक बंदरों की अच्छी-खासी संख्या है और स्टेडियम के आसपास का इलाका भी इससे अछूता नहीं है। आयोजक इस बार किसी भी तरह की ऐसी स्थिति से बचना चाहते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की तैयारियों पर सवाल खड़े करे।

लंगूर की आवाज से भागते हैं बंदर...

आयोजकों ने ऐसे तीन विशेषज्ञों को जिम्मेदारी दी है, जिन्हें बंदरों को भगाने के लिए लंगूर की आवाज की नकल करने का अनुभव है। ये विशेषज्ञ लंगूर की गुर्राहट और दूसरी आवाजों की हूबहू नकल करेंगे। माना जाता है कि रीसस मकाक बंदर लंगूर से दूरी बनाकर रखते हैं। लंगूर आकार में उनसे बड़े होते हैं, इसलिए उनकी आवाज सुनकर बंदरों को खतरे का अहसास हो सकता है। इसी प्राकृतिक व्यवहार का फायदा उठाकर उन्हें स्टेडियम से दूर रखने की रणनीति अपनाई जा रही है। खास बात यह है कि इस काम के लिए अब असली लंगूरों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। बंदरों को भगाने के लिए असली लंगूरों के इस्तेमाल पर 2012 से रोक है। ऐसे में प्रोफेशनल मिमिक एक व्यावहारिक विकल्प बन गए हैं।

इंडिया ओपन में बंदरों ने कराया था असहज

इस खास इंतजाम की वजह इस साल जनवरी में हुआ इंडिया ओपन है। टूर्नामेंट के दौरान बंदर दर्शक दीर्घा तक पहुंच गए थे और कुछ समय के लिए मुकाबलों में व्यवधान भी पड़ा था। बंदरों के स्टैंड में घूमने की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी चर्चा हुई थी। करीब 17 साल बाद भारत में वर्ल्ड चैंपियनशिप की वापसी हो रही है। ऐसे में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं।

सिंधु ने भी की पहल की तारीफ

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने भी इस अनोखे इंतजाम पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने माना कि यह उपाय सुनने में मजेदार लग सकता है, लेकिन इसके पीछे की कोशिश की सराहना की जानी चाहिए। सिंधु के मुताबिक, भारत को दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार करने में पर्दे के पीछे कई लोग मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने इस उपाय को यूनिकली इंडियन बताते हुए कहा कि भारत के समाधान भले ही अलग हों, लेकिन उसकी गर्मजोशी, जज्बा और मेहमाननवाजी भी उतनी ही खास है।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
123 = 6	230 = 5
120 = 3	148 = 3
शुभांक	
दिन	रात
459 = 8	458 = 7
227 = 1	500 = 5
भाग्यांक	
2 4	8 9

www.kalyangame.com

किरदार स्क्रीन टाइम नहीं भूमिका देखकर होना चाहिए

दीया मिर्जा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ब्रेक लेकर काम करना पसंद करती हैं। 2026 में वह अब तक 'अल्फा' और 'इक्का' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही उनका तीसरा प्रोजेक्ट वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' भी रिलीज होगा। एक बातचीत में दीया ने अपने अभिनय के उतार-चढ़ाव पर रोशनी डाली। साथ ही बताया कि इन दिनों वह फिल्मों में छोटे रोल क्यों कर रही हैं।

भूमिका की लंबाई नहीं, आधार होना चाहिए

फिल्म 'इक्का' और 'अल्फा' में दीया का रोल काफी छोटा था। बातचीत के दौरान उन्होंने इस बारे में अपनी राय साझा की। दीया ने कहा, 'किसी कहानी का हिस्सा बनने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए। कभी-कभी आप उस किरदार से भी आकर्षित हो जाते हैं जिसे आपको निभाना होता है और आपको लगता है कि आप उस सच्चाई को जी सकते हैं जिसे वह किरदार साकार करना चाहता है।' अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिए हो क्योंकि उनमें स्क्रीन टाइम कम थीं। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया।' दीया मिर्जा 'ऑपरेशन सफेद सागर' में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं।

अभिनय को लेकर बहुत लालची हूं

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वह जहां एक तरफ स्टंट-आधारित रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में खतरनाक टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अपनी आगामी पंजाबी फिल्म 'जुदा' की रिलीज को लेकर भी उत्साहित हैं। अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने के अपने अनुभव को लेकर जैस्मिन का कहना है कि अभिनय उनके लिए सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि उनका सबसे बड़ा जुनून है। इसलिए वह हर नए मौके को स्वीकार करना चाहती हैं और खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहती हैं। जैस्मिन भसीन ने अपने करियर और अभिनय के प्रति अपने लगाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि अभिनय को लेकर मैं बहुत लालची हूं क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा जुनून है। मेरे सामने चाहे कुछ भी आए, मैं हमेशा उसे एक्सप्लोर करना चाहती हूं और अपना पूरा योगदान देना चाहती हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा या प्लेटफॉर्म पर है, मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मुझे कुछ नया करने और सीखने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ''मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिल रहा है। अलग-अलग तरह के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं और कुछ नया सीखना चाहती हूं।''

वहीं, शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जैस्मिन के साथ नजर आ रहे अभिनेता करण वाही ने भी अपने अनुभव साझा किए हैं। करण ने शो में अपने डर और चुनौतियों को लेकर बात करते हुए कहा कि इंसान को अपने डर का असली एहसास तब होता है, जब वह वास्तव में उस स्थिति के सामने खड़ा होता है। करण वाही ने कहा, ''हम सभी सोचते हैं कि हमें अपने सबसे बड़े डर के बारे में पता है, लेकिन जब हम वास्तव में उसके सामने खड़े होते हैं, तब पता चलता है कि वह कितना बड़ा है। इस सीजन में एक ऐसा पल आया, जिसने मुझे सच में परखा और जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। 'खतरों के खिलाड़ी' की खूबसूरती यही है। यह शो आपको सिखाता है कि डर कितना भी बड़ा क्यों न हो, आपको खुद पर भरोसा रखना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।'' बता दें कि 'खतरों के खिलाड़ी' भारत के सबसे लोकप्रिय स्टंट रियलिटी शो में से एक है। यह अमेरिकी शो 'फियर फैक्टर' पर आधारित है। भारत में इसकी शुरुआत साल 2008 में 'फियर फैक्टर इंडिया' के रूप में हुई थी, जिसके बाद इसे 'फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी' नाम मिला। साल 2020 में इसका स्पिन-ऑफ शो 'खतरों के खिलाड़ी : मेड इन इंडिया' भी लॉन्च किया गया था। इस सीजन में कई जाने-माने सितारे हिस्सा ले रहे हैं। शो के प्रतियोगियों में रुबिना दिलाइक, जैस्मिन भसीन, करण वाही, अविनाश मिश्रा, ऋत्विक धनजानी, गौरव खन्ना, अविका गौर, फरहाना भट्ट, हर्ष गुजराल, विशाल आदित्य सिंह, ओरी, शगुन शर्मा और रुहानिका धवन जैसे नाम शामिल हैं।

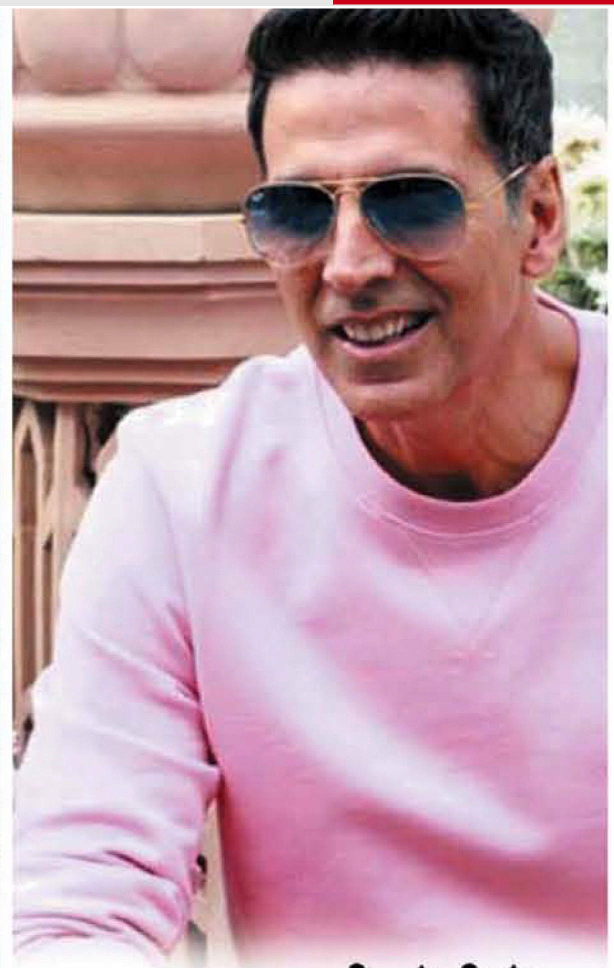

अक्षय कुमार की झोली में आ गिरी नई फिल्म, फरहान अख्तर की फिल्म में करेंगे कैमियो

अक्षय कुमार, नीरज पांडे के साथ पांचवीं बार एक साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले दोनों फिल्म 'स्पेशल 26', 'बेबी', 'टॉयलेट : एक प्रेम कथा' और 'नाम शबाना' में साथ काम कर चुके हैं। यह जोड़ी फिल्ममेकर की अगली फिल्म के लिए एक साथ आ रही है, जो आरडी बर्मन की बायोपिक है।

कैमियो करेंगे अक्षय

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरहान अख्तर अपकमिंग फिल्म में बर्मन का किरदार निभाएंगे। अक्षय इस म्यूजिकल फिल्म में एक खास रोल में नजर आएंगे। भले ही अक्षय का रोल छोटा है, लेकिन वह बायोपिक का एक अहम हिस्सा होंगे।

आसानी से मान गए

पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय और नीरज इस बायोपिक के लिए लगभग एक दशक बाद फिर से साथ आ रहे हैं। अक्षय को पांडे की फिल्म में रोल के लिए मनाने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। अक्षय के रोल का कहानी में बहुत महत्व होगा।

प्री-प्रोडक्शन स्टेज में हैं फिल्म

पांडे इस बायोपिक को डायरेक्ट कर रहे हैं और फरहान का एक्सेल एंटरटेनमेंट इस फीचर फिल्म को को-प्रोड्यूस कर रहा है। यह म्यूजिकल फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है क्योंकि टीम युवा बर्मन के सदाबहार गानों को फिर से बनाने के लिए म्यूजिक पर काम कर रही है। बायोपिक की शूटिंग सितंबर में शुरू होने की उम्मीद है।

फरहान का वर्कफ्रंट

बर्मन बायोपिक के अलावा, फरहान ऑस्कर विजेता डायरेक्टर सैम मेंडेस के निर्देशन में बन रही फिल्म 'बीटल्स' में संगीत के दिग्गज, पंडित रवि शंकर का किरदार निभाने वाले हैं।

अक्षय कुमार का वर्क फ्रंट 'भूत बंगला' और 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आने के बाद, अक्षय कुमार अब प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में वह 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' के अपने को-स्टार सैफ अली खान के साथ फिर से काम करेंगे।

अनुपमा परमेश्वरन ने ध्रुव विक्रम संग ब्रेकअप की अफवाहों को किया खारिज

अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने अपने को-स्टार और रूमर्ड बॉयफ्रेंड ध्रुव विक्रम के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर विराम लगाया है। अनुपमा के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करने बाद फैंस के बीच खबरें फैल रही थीं कि अभिनेत्री और उनके बॉयफ्रेंड के रिश्तों में दरार आ गई है। अनुपमा परमेश्वरन हाल ही में अपनी फिल्म 'क्रेजी कल्याणम' के टीजर लॉन्च के मौके पर पहुंची थीं। जहां सिनेमा एक्सप्रेस की रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा, 'यह मेरा सोशल मीडिया अकाउंट है। मैं तय करती हूं कि क्या पोस्ट करना है। मैं भड़ास नहीं निकाल रही थी। मैं बस एक महिला के बदलाव के बारे में बात कर रही थी। और मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने ऐसा किया।' ऑनलाइन पोस्ट के आधार पर सोचना गलत अनुपमा परमेश्वरन ने आगे कार्यक्रम के दौरान कहा, 'आप मेरे बारे में क्या जानते हैं? मेरे जीवन के बारे में क्या जानते हैं? यह मेरा इंस्टाग्राम है और मैं जो चाहे पोस्ट कर सकती हूं।' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे किसी के ऑनलाइन शेयर किए गए कंटेंट के आधार पर उनके जीवन के बारे में सब कुछ जान सकते हैं।

कई महीनों से सोशल मीडिया ब्रेक पर थीं

अनुपमा परमेश्वरन ने कई महीनों पहले सोशल मीडिया से ब्रेक लिया था। आखिरी बार उन्होंने फरवरी में अपने बर्थ डे पर फैंस को शुक्रिया कहा था। उसके बाद उन्होंने एक नई पोस्ट शेयर की जिसमें वह पीले रंग की ड्रेस में काफी खूबसूरत दिखाई दे रही थीं। मगर इसके साथ उन्होंने कैप्शन में खुद को चुनने और आजादी के बारे में लिखा था। इसे पढ़कर फैंस ने उनके और ध्रुव के रिश्ते पर सवाल खड़े किए। हालांकि इस रिश्ते के बारे में न कभी अनुपमा ने कोई बयान दिया न ही ध्रुव ने ही अधिकारिक रूप से कुछ कहा।

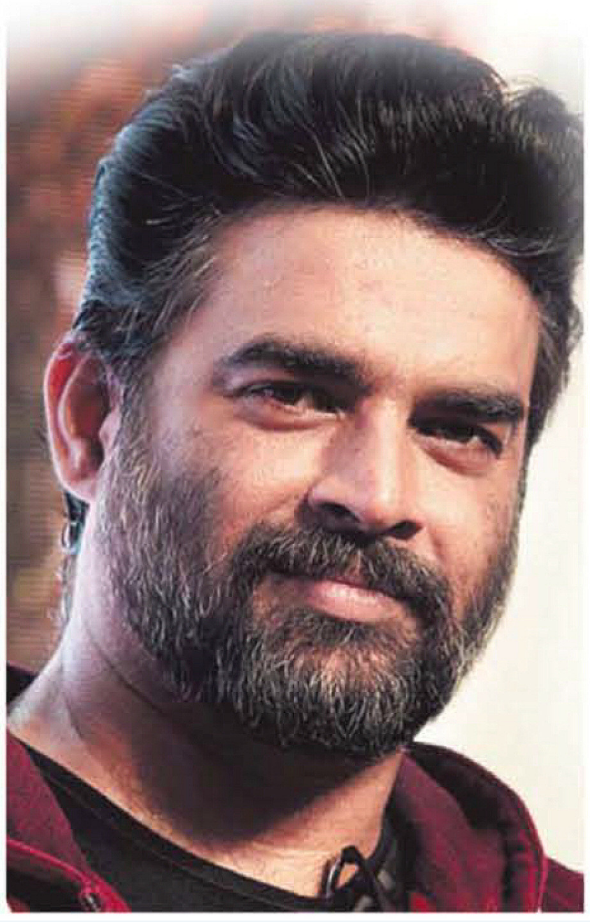

आर. माधवन को लोगों ने कहा था 'संघी', एक्टर ने 'धुरंधर' का किया बचाव, दिया करारा जवाब

एक्टर आर. माधवन ने हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर मिलने वाली राजनीतिक आलोचनाओं पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर कई लोग उन्हें 'संघी' कहकर बुलाते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध या उनके प्रति झुकाव है। उनका कहना है कि जो भी सरकार अच्छा काम करती है, वह उसकी सराहना करने में यकीन रखते हैं, चाहे सत्ता में कोई भी पार्टी क्यों न हो। हाल के वर्षों में 'रॉकेट्री : द नम्बी इफेक्ट' और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों को लेकर कुछ लोगों ने उन पर सरकार सपोर्टर सोच दिखाने के आरोप लगाए थे। अब अपनी आने वाली बायोपिक के प्रमोशन के दौरान माधवन ने इन सभी बातों पर खुलकर रिएक्ट किया है।

जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुना जाता है तो सपोर्ट करना कर्तव्य

जब उनसे पूछा गया कि सोशल मीडिया पर उन्हें 'संघी' कहे जाने पर उनका क्या रिएक्शन है तो उन्होंने कहा कि हर इंसान की सोच उसके संस्कारों और परवरिश से बनती है। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी किसी पार्टी या उसके नेताओं के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। अगर किसी ने कुछ अच्छा किया है तो मैंने उन्हें सपोर्ट किया है। जब कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री चुना जाता है तो मुझे लगता है कि उनका सपोर्ट करना मेरा कर्तव्य है। मैं कॉमेंट्स पढ़ता हूं, लेकिन इससे मेरे फैसले लेने पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर कोई मुझे इस बारे में बुरा महसूस करा रहा है तो मैं उनकी सोच पर सवाल उठाना चाहता हूं।'

बचपन से अपने देश से प्रेम करना सिखाया गया

माधवन ने आगे कहा कि उन्हें बचपन से अपने देश से प्रेम करना और उस पर विश्वास करना सिखाया गया है। इसलिए उनके विचारों को किसी राजनीतिक विचारधारा से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि असली आलोचना और 'पैसे लेकर काम करने वाले बॉट्स' के कॉमेंट्स के बीच अंतर करना मुश्किल नहीं होता।

'धुरंधर' और 'रॉकेट्री' पर उठे सवालों का भी दिया जवाब

माधवन ने अपनी फिल्म 'धुरंधर' पर लगे उन आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी, जिनमें इसे सरकार सपोर्टर या प्रचार वाली फिल्म बताया गया था। इससे पहले भी राष्ट्रीय सुरक्षा और पाकिस्तान के चित्रण को लेकर फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली थीं, जिन पर एक्टर ने सवाल उठाया था कि कहीं कुछ विरोध किसी खास एजेंडे का हिस्सा तो नहीं है।

उनका उद्देश्य कभी राजनीतिक संदेश देना नहीं रहा

उन्होंने 'रॉकेट्री : द नम्बी इफेक्ट' से जुड़े विवाद का भी जिक्र किया। फिल्म में पूर्व इसरो वैज्ञानिक नम्बी नारायणन को पूजा करते हुए दिखाने पर कुछ लोगों ने उन्हें जरूरत से ज्यादा राष्ट्रवादी होने तक का आरोप लगाया था। माधवन ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य कभी राजनीतिक संदेश देना नहीं रहा। उनका काम सिर्फ असली किरदारों को उनकी वास्तविक पहचान के साथ पर्दे पर पेश करना है। वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही निर्देशक कृष्णाकुमार रामकुमार की फिल्म जीडीएन में नजर आएंगे। यह फिल्म प्रसिद्ध भारतीय आविष्कारक जी.डी. नायडू के जीवन पर आधारित है। फिल्म में सत्यराज, प्रियामणि, जयराम, दुशरा विजयन, विनय राय और योगी बाबू भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है

माधवन ने कहा, 'धुरंधर फिल्म की कहानी पाकिस्तान में घटित होती है। जो कुछ भी होता है, अच्छा या बुरा, वह दिखाता है कि उसका भारत पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह किस तरह का दुष्प्रचार है? मेरी समझ से परे है। जब नम्बी की आलोचना करने की बात आती है तो अगर मैं उनके वास्तविक व्यक्तित्व से डरता हूं, तो मैं कहानी में ईमानदारी कैसे बरत सकता हूं? अगर वह मंदिर जा रहे हैं, तो मैं उसे दिखाऊंगा। अगर जी.डी. नायडू नास्तिक हैं, तो मुझे किरदार के प्रति ईमानदार रहना होगा। मैं उन्हें प्रार्थना करते हुए नहीं दिखाऊंगा। मैं एक एक्टर हूं, मेरा काम वास्तविकता को दिखाना है और मेरी निजी राय यह है कि मैं भारत की सभी अच्छी बातों को उजागर करना चाहता हूं। यह कोई अपराध नहीं हो सकता।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh™
MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630